दिन,	শা,	Ψt,	₹,	বি,	₩,	मिन,	না,	Wt,	奪,	€a,	₩,
<b>&gt;-</b>	• 1	* 1	35.1	<b>9</b>	50	t-	41	194	\$5.1	1 18	७२
5	+ 1	•	₹+1	o t	85	<b>9</b>	<b>6</b> 1	<b>20</b> 1	9b-	21	•
****	• 1	<b>+</b> 1	8- 1	1.1	26	9-	41	1 85	<b>B</b> (	901	09
0	4.1	5.1	o	221	29	b	<b>b</b> 1	391	001	150	8
8	• 1	<b>3</b> I	201	136	>9	3	>= 1	• 1	491	>01	<b>৩</b> ঃ
€ •	• 1	> 1	8 4 1	521	@	অষুৰ	5				
<b>*</b> +	• 1	21	• [	२२ ।	40	>-	22.1	8	२७।	961	
90	4.1	۱ په	80 1	391	३२	₹-	301	<b>৮</b>	891	5-1	5+
b	• 1	₹ 1	80	1 40	97	۰	a I	201	301	84	36
2	+ 1	a t	9	១១ (	₹ •	6	p. i	391	53 F	301	₹ •
48						£	5.1	52.1	49 )	441	3.0
<b>3</b> —	+ 1	91	901	951	*	-	91	२७।	251	90 1	₽.
₹—	۰ ۱	91	85	201	36	9-	61	+1	80 1	Œ j	20
<b>~</b> —	4.1	5= 1	51	28	29	P	<b>a</b> 1	4 1	<b>b</b> (	80 1	8 .
<b>8</b> —	+ (	391	<b>२२</b> ।	७२ ।	৩৬	a	8 1	<b>a</b> 1	७२ ।	541	2 \$
4-	9 [	3 to 1	108	301	84	द्यान					
-	۵ (	₹• 1	91	85 1	48	>	10	201	64	6-1	4+
1-	• 1	२७ ।	₹8 (	115	•	₹—	6 1	२१	421	82 f	8.
<b>5</b>	+	२७ ।	861	<b>4</b> 1	38	و	201	22.1	831	७२ ।	90
3-	51	• 1	4 1	B/5 1	23	8	> !	₹€ [	891	२०।	₹•
সহজ						¢	<b>¢</b> (	۱۵	१ ६०	581	24
>-	2.1	91	361	221	9.	<b>6</b> —	b 1	२०।	56 1	<b>6</b> 1	•
₹	२ ।	e i	65	108	>	9-	a }	9 1	100	461	C o
9	91	> 1	29.1	8	60)	b	91	521	२७।	109	8.
<b>6</b> —	8 (	201	801	301	2	>	7 1	¢Ι	२२ ।	160	9.

# প্রক্রিয়া বা দৃষ্টাস্ত ।

বেক্সলে রবিচন্তাদির টেবিল দৃষ্টে রবিচন্তাদির মধ্যাদি আনমন করা হইমাছে, সেইক্সণে উপরোক্ত টেবিলদৃষ্টে শনিরও নধ্য গণনা করিতে হইবে।

#### শাসির শীঅমধ্য I-

শনির শীঘ্রধা পৃথক করিয়া গণিত করিয়ার আবিশ্রক নাই, বেহেতু পূর্বেই কথিত হইয়াছে যে, রবির মধ্যই শনির শীভ্রমধা। একণে শনির কুটগণনার দৃষ্টান্ত নিবার নিমিত্ত শনির শীভ্রমধ্যের আবিশ্রক, স্ত্রাং পূর্বপ্রক্রিয়ামুসারে গণিত করিয়া দ্বির করা গোল যে, ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাণ রাজি তৃইপ্রহর সময়ের শনির শীভ্রমধ্য ১১ রাশি, ২৯ অংশ, ১৭ কলা, ২৫ বিকলা, ৮ অন্ত্রকা।

#### শনির মন্দোচ্চ।

পুর্বেই কখিত হইয়াছে যে, শনির মন্দোচ্চ দাব । তথাত ।

#### শনির তাৎকালিক মন্দোচ্চ।

শনির তাংকালিক-মন্দোচ্চ-গণনা করিতে হইলে, অন্ধণিওকে ৩৯ খারা ৩০ করিয়া গুণফলকে ২০০০০ ছই লক্ষারা ভাগ করত পূর্ব্বোক্ত মন্দোচ্চের কলাদিতে যোগ দিলে তাংকালিক মন্দোচ্চ হয়; স্থতরাং ১৮০৯ শক্ষের অন্ধণিও ২৯৬ কে ৩৯ বারা ৩০ করিরা গুণফল ১৫৫৪৪কে ২০০০০ ছই লক্ষারা ভাগ করিলে লক্ষ লতাংব।৪৪৭৩১)১২ হয়। পরে ঐ লক্ষান্থকে পূর্ব্বোক্ত শনির মন্দোচ্চের কলাদির সহিত যোগ করিলে ৮।২০।৩৭।৩৪। ২৭।৪৭।৩১)১২ হয়, ইহাই ১৮০৯ শক্ষের শনির মন্দোচ্চ। কিন্তু আছের স্থাবার নিমিত্ত ৪৭।৩১)১২ এর স্থানে এক ধরিয়া তৎপূর্ববর্তী ২৭ এর সহিত যোগ করত ২৮ গ্রহণ করা গেল; স্থতরাং ১৮০৯ শক্ষের শনির মন্দোচ্চ ৮২০।৩৪।২৮।

#### শনির কেব্রানয়ন।

পূর্কনির্মান্ত্রারে শনির বীজসংস্কৃত মধ্য ২/২৮/২৩/৪৫/২৭ ছইতে শনির শীত্রধ্য ১১/২৯/১৭/২৫/৮ হীন করিরা বে ২/২৯/৬/২০/১৯ অবশিষ্ট পাকিল, ইছাই শনির শীত্রবন্ধ। শরে ঐ মধ্য হইতে শনির মন্দোচ্চ ৮/২০/৩৭/৩৪/২৮ হীন করিরা মে ৬/৭/৪৬/১০/৫০ আফ শিষ্ট থাকিল, ইছাই শনির মন্দকেন্দ্র।

#### শনির কেন্দ্রফলসাধন।

বে নির্মায়ুসারে রবি চন্দ্র প্রভৃতি গ্রহগণের কেন্দ্রকল সাধিত হুইরাছে, সেই নির্মায়ুসারে শনিরও কেন্দ্রকল সাধন ক্রিতে হুইবে।

# শনির ক্টগণনার নিয়ম।

যে নিয়মানুসারে মদশ, বৃধ, বৃহস্পতি ও ভক্তের ফুট গণিত করা হইরাছে, সেই নিয়মানুসারে শনিরও ফুটগণনা করিতে হইবে।

1 00	80   39 80   37 80   37 80   38 80   38 82   42 82   42 82   42 82   43 82   35 82   35 82   35 83   37 84   38 85   37 85   38 86   38 87   38 88   38 88	83   63 83   63 83   83 83   83	\$>   84 82   86 83   89 83   89 83   43 83   42 83   43 84   5 85   5 85   5 85   5	30   40 80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   60 80   60 80
1 28 1 39 1 39 1 49 1 49 1 89 1 89 1 89 1 89 1 89 1 89 1 89 1 8	30 1 32 80 1 8 80 1 8 80 1 8 82 1 62 82 1 62 82 1 62 82 1 86 82 1 86 82 1 95 82 1 95 82 1 95 82 1 95	83   23 83   35 83   35 83   32 83   33 83   33 83   33 83   33 83   33 83   33 83   33 83   33 83   33	82   28   28   28   28   29   29   28   28	80   00 80   00
50	80   8 80   8 80   8 82   62 82   62 82   62 82   85 82   95 82   95 82   95 82   95 82   95 82   95	6>   836 6>   846 6>   846 8>   846 8>   846 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856 8>   856	85 1 89 85 1 85 85 1 45 85 1 46 85 1 47 95 1 650 95 1 5 85 1 5 85 1 5	80   00 80   20 80   20 80   20 80   20 80   30 80   80 80   60 80   60 80   60 80   60
1 50	80   0 80   0 82   42 82   42 82   84 82   86 82   95 82   95 82   95 82   95 82   95 82   26	85   86 85   80 85   85 85   85 85   85 85   85 85   86 85   86 85   86 85   86 85   86	68 1 68 1 68 02 1 68 02 1 68 02 1 68 02 1 68 02 1 68 02 1 58 0	80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   30 80   40 80   40
1 5 5 1 5 5 1 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	80   "  82   62  82   62  82   64  82   66  82   66  82   67  82   96  82   96  82   96  82   98  82   98	83   84 83   82 83   82 83   83 83   83 83   80 83   80 83   93 83   93 83   93	8>   4> 8>   40 8>   40 8>   40 9>   45 9>   5 8>   5 8>   6	80   20 80   20 80   20 80   20 80   30 80   80 80   60 80   60 80   60
1 42 42 42 42 42 42 42 42 42 42 42 42 42	82 1 69 82 1 62 92 1 84 82 1 85 82 1 95 82 1 96 82 1 98 82 1 98	83   82 83   83 83   83 83   83 83   80 83   30 83   30 83   30	20 1 68 20 1 68 20 1 68 462 1 68 20 1 58 20 1 58 20 1 58	80   30 80   30 80   90 80   90 80   80 80   62 80   63
1 42 1 42 1 89 1 87 1 89 1 89 1 89 1 89 1 89 1 89	82   62 82   84 82   86 82   85 82   95 82   95 82   95 82   25	83   82 83   83 83   83 83   80 83   80 83   93 83   95	8>   44 8>   49 9>   45 9>   5 8>   5 8>   6 8>   6	80   26 80   90 80   80 80   80 80   60 80   60
1 89 1 87 1 87 1 89 1 99 1 99 1 29 1 29	82   84 82   86 82   85 82   35 82   35 82   35 82   25	85   82 85   85 85   80 85   80 85   95 85   95	8>   49 9>   45 9>   5 9>   5 9>   5 8>   5	80   00 80   00 80   80 80   60 80   60 80   60
1 89	82   84 82   85 82   95 82   96 82   95 82   25	83 ! 83 83 ! 80 83 ! 80 83 ! 93 83 ! 93	9 > 1 & 5 + 6 + 7 + 7 + 7 + 7 + 7 + 7 + 7 + 7 + 7	80   06 80   86 80   63 80   63
1 87	82   85 82   95 82   96 82   95 82   25	85   80 85   30 85   35 85   35	92   5 92   6 92   6 92   6	89   86
1 33	82   98 82   98 82   95 82   26	83   80 83   93 83   95	82 1 0 82 1 0	80   68 80   69
1 2%	82   98 82   95	85   ©5 85   ©5	82 1 58	80   63 80   61
1 2%	हर । ७५ ८२ । २৮	85   ৩১ \$5   ৩৮	82 1 3	80   61
1 42	8२ । २৮	85 I OF		
13%			82 1 25	88 1 9
	8२ । २६			
		87 1 28	82 1 56	88 F B
1 23	8२ । २२	A) । ७৮	85 1 25	88 1 58
1 0	8२ । ३०	321 24	8२ । २२	88   २०
1 5	63   \$%	82 1 Op	82 1 34	89 ! 39
1 29	83 1 50	৪১। এ৮	8२ । २४	38   53
1 65	93   >0	८४। ०५	62 1 52	88 ( 4)
189	8२। ४	40 1 68	<b>इर । ७७</b>	88   88
1 90	8 <b>२   ৫</b>	୫୬ । ୯୭	82   80	88 1 43
101	<b>१२ ।</b> ७	ଖ୍ୟ । ୧୫	85   88	88 1 41
100	83   5	8> 1 8+	85 1 84	8¢   8
। २५	85   68	82   82	82 I ¢2	B&   3+
124	85   41	83   83	• मरनर्काळ-	8e   51
1.3.	85 1 et	05 1 0.0	mariste with 1	Se   20
	1 90	1 90 82 1 0 1 91 82 1 0 1 30 82 1 5 1 22 83 1 63 1 26 83 1 67	40   68   9   58   00   68         40   68   9   58   00   60         40   68   60   58   00         40   68   69   68   65         40   68   69   68   65         40   68   69   68	30   82   在   33   53   82   80   1 54   82   88   1 58   82   88   82   84   85   85   85   85   85   85   85

يم الالماليد	্টৰখার টে			ত্ৰথণ্ডা খং	
>45	220	250	२०१	500	₹20+
84 1 4	86 । १२	62 1 4A	20105	⊄४ । ४२	€0   88
86 1 91	हेंग्र रहे	¢১ । ৩৪	<b>৫</b> ७। 8२	49   42	(0) 65
84   98	851 39	@3   So	40 1 92	48   22	¢⊅   ⊅ <sub>0</sub>
84 45	84 1 48	23   54	EQ 185	68   ₹₹	6-0 1 -04
5¢ · 41-	84-162	42 1 45	40 1 63	68 1 55	€®   €3
. B. Ø 1 C	80 1 Gb	43 1 45	10 63	68   85	€01€3
8७ । ऽर	85 1 6	651 9	ଓଅ ଓମ	C8   52	401 40
क्षेत्र । वह	82 1 20	¢2 1 2	€0 1 €9	48   50	€७ । ₹३
३७ । २७	क्षेत्र । २०	€5   2€	#44 ) B#	48   50	40132
86 1 30	bल । २१	\$2   20	C 8D	48   79	·60   20
8∜ 1 8∗	३२ । ७९	α <b>૨   ₹¢</b>	\$8 1 E	48 : 35	60   25
8% , 89	८७ । ६७	€5   Q+	48   9	08   39	401 6
5%   48	39 1 8F	€३। ७६	€8   8 <b>2</b>	@5 1 2@	€0 } g
89 1 2	80 1 44	€5 1 8+	68 1 >>	@3   >8	651 *
8912	¢ 0   2	48   84	68   70	48 1 25	65 1 65
89 1 5%	601 9	¢2 1 ¢*	48 1 >8	48 1 22	62 1 62
୫୩   ୧୬	40 1 20	43 1 48	48   >4	64 + 5	€ ₹ 1 Bb
৪৭। ৫১	6. 1 40	45 1 65	28 1 39	43 1 9	62 1 98
৪৭ ৷ ৩৮	60100	€७। 8	48 1 25	€8   €	<b>¢</b> ₹ [ <b>8</b> •
89 1 84	E> 1 09	60 1 F	48 1 29	€9   5	65 1 00
৪৭। ৫৩	t.   30	\$3   \$5	@3   2 o	48 1 2	65 1 45
8b-1 **	e - 1 e -	43 ( 36	48   52	63 1 00	42 1 29
- <del>5</del> 1 1 1	€0 1 €W	60150	£8 1 45	621.64	६२ । ३३
81 1 34	¢2 1 .5	491 88	43 1 45	€७। €६	65 139
	4219	800 54	<b>€8   3</b> 2	¢> }	et 1 34
তঃ অঞ শ-	62 1 20	40. F 65	18   35	40 f to	€₹ 1 8
नेर्फशवकी ।	का वस	80   02	<b>⊭</b> णनिर्सको ।	60 1 84	65 L 4

959	250	224	288	28.7	<b>3</b> 50		
62   63	63 1 20	2. 1 20	<b>७० । ६७</b>	84   40	89-1 .		
83 1 68	6>1 p	4. 1 29	Вके । ₹৮	35   89			
48   69	क्ष्री ७	6. 170	82 1 454	85   85	● 5 <b>3 5</b>		
45   88	4. 1 49	201 2	89 1 29	85   -94	পাতঃ শনে		
42 1 45	6+1 65	t∘   ₹	89 1 >0	RF 1 52	পূৰ্ণান্তং		
8\$   ¢8	4-189	B9   69	95 : €	87 : 38	2000		
\$5 1 28	4+18>	8क । ६५	क्षेत्र । दक्ष	86 । ३6			
		82 1 84	• भटनकृष्यः	87 1 22			
43   3B	@+   -9%	35 1 35					
E2   22	@   Oo	<वरवक्तप्राःचाः इ	প্রাক্।	क्षेत्र । ए			
256	<b>99</b> 8	283	On .	ರೀಶ	లు		
		াঃ শৈত্রথণ্ডা					
্ শনির	হাত শনে ক্টুইবগুৱ	-	অংশাদ্যাঃ ——— শনেশ্মা		माः।		
্ শনিৱ * ১		-			म्हाः । ४२		
. >	ক্ষু টথগু ব	 া <b>েট</b> বিলা।	শনেশ্যা	ন্দ্যা অংশা			
2 1 85	ক্ষুটথগুার ১>	েটেবিল। ২১	শনেশ্যা ৩১	ন্দ্যা <b>অংশা</b> ৪১	a>		
2 1 42	স্ফুটথগু†র ১১	ু টেবিল। ২১ ১।২৪	শনেৰ্থা ৩১ ৮।১৫	न्ना <b>अ</b> ःभा 8> १।>७	a>		
2 1 42 2 1 8¢ 2 1 8¢	স্ফুটথগুৰ ১১ ১০ । ৩৭ ১০   ৩০ ১০   ২২	টেবিল। ২১ ৯।২৪ ৯।২৪	শনেমা ৩> ৮।১৫ ৮।৯	न्ता करणा 85 १। ५७ १। ५	@ > 1 > 1 > 2		
2 1 42 0 1 42 0 1 60 0 1 60	ক্ষুট্থপ্তার ১১ ১০। ৩৭ ১০। ৩০	। টেবিল। ২১ ৯। ২৪ ৯। ২৭ ৯। ১৭	শনেশা ৩১ ৮।১৫ ৮।৯	न्ता कारभा 8> १।>७ १। ५	\$1 3 \$1 9 \$1 9 \$1 9		
2 1 4 2 1 8 4 2 1 2 1	ক্ষা টুখ গুণ র ১০ । ৩৭ ১০ । ৩০ ১০ । ৩০ ১০ । ২২ ১০ । ১৪ ১০ । ১	টেবিল। ২১ ৯।২৪ ৯।২৪ ৯।১৭ ৯।১০	শনৈ আ ৩১ ৮।১৫ ৮।১ ৮।২	न्ता करणा 8> १।>७ १। १ १। १	\$ 1 & 1 & 2 & 4 & 4 & 4 & 4 & 4 & 4 & 4 & 4 & 4		
2   24	সফ ট থ গুণ র  >>  >০ । ৩৭  >০ । ৩০  >০ । ২২  >০ । ২৫  >০ । ২	। টেবিলা। ২১ ৯।২৪ ৯।২৭ ৯।২০ ৯।২০ ৮।৫৬ ৮।৫৬	क (नर्गा ७) ৮। ३৫ ৮। ३ १। १ १। १ १: १०	**************************************	\$ 1 & 9   \$   \$   \$   \$   \$   \$   \$   \$   \$		
2 1 62 2 1 86 2 1 86 2 1 99 2 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	ক্ষা টু থ গুণ র ১১ ১০ । ৩৭ ১০ । ৩০ ১০ । ২২ ১০ । ১৫ ১০ । ১	হৈ বিলা। ২ ১ ৯ । ২৪ ৯ । ২৭ ১ ৷ ২০ ৯ ৷ ৩ ৮ ৷ ৫৬ ৮ ৷ ৫৬ ৮ ৷ ৪৯ ৮ ৷ ৪২	कार्न्स 5) b   3d b   3 c   2 a   4 a : 4 a : 4 a : 4 b : 85 a   9	8 > 9   > 9   4   9   6   6   6   6   6   6   6   6   6	\$ 1 \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$		
2 1 65 2 1 66 2 1 96 2 1 97 2 1 4 2 1 4 3 1 4 3 1 6 3	रक्ष है श्रेश की	े दे दिला। २ १ २ १ २ १ २ १ २ १ २ १ २ १ २ १ २ १	क ( ज र र र र र र र र र र र र र र र र र र	8 > 9   > 9   9   9   9   9   9   9   9	\$ 1 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0		
23 1 ¢2 28 1 ¢2 29 1 ¢2 20	ক্ষা টু থ গুণ র ১১ ১০ । ৩৭ ১০ । ৩০ ১০ । ২২ ১০ । ১৫ ১০ । ১	হৈ বিলা। ২ ১ ৯ । ২৪ ৯ । ২৭ ১ ৷ ২০ ৯ ৷ ৩ ৮ ৷ ৫৬ ৮ ৷ ৫৬ ৮ ৷ ৪৯ ৮ ৷ ৪২	कार्न्स 5) b   3d b   3 c   2 a   4 a : 4 a : 4 a : 4 b : 85 a   9	8 > 9   > 9   4   9   6   6   6   6   6   6   6   6   6	\$ 1 \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$		

#### কলিত-জ্যোতিখ

43	P >	226	382	700	ングラ
4   05	8 1 20	B 1 82	5166	3+ 1 54	>8 1 b
£ . 45	0 1 22	81 44	913	>0 1 24	28 1 24
¢ 1 30	9 1 25	81 45	91 9	50105	28 1 56
d   50	8 1 23	<b>c</b> 1 2	9 1 >8	>= 1 85	38   4
a 1 5¢	8 1 52	4 4	4122	5+ 1 45	\$8 1 84
a 1 52	61 55	413	9129	5. 1 49	\$8 . 85
a l b	8 . 35	¢ 1 20	9   98	22 1 P	>5 1 64
e 1 4	8 1 25	e   59	9 1 85	>> 1 >9	5¢ 1 1
e 1 2	8 1 52	4   25	9 1 85	33 1 Re	>01 >
8   45	8 1 32	æ   2æ	9144	22 1 48	SE   30
	B 1 22	6138	110	22 1 8 R	38 1 21
8 1 42	8 1 22	61.00	1 1 30	>> 1 42	26 1 0
8 1 4 .	8120	ह। ७५	W 1 39	251 •	Se 1 80
8   69	8 1 28	हा हर	F156	38 I St	30 1 00
8   98	8   24	£ 1 89	F 1 03	३२ । ३५	36 1 6
8 1 82	8129	e 1 a2	V 1 80	35 1 50	3614
8 1 8 0	8 । २৮	e   @9	b 1 8b	>२। ७७	56 1 53
8 1 00	<b>६</b> । २৯	७। २	b   46	35 1 80	36 1 33
8 1 00	8 ( 0)	615	918	32   62	े रुक्त देव
8 1 08	8 1 22	4170	\$ 1 25	5015	36100
B   ७₹	8104	4 1 25	क । २०	501 3	36   65
# 1 Oe	8 1 99	ખારક	3 1 55	20124	20 1 84
8 1 22	8 1 %	915.	9100	701 29	54160
8   २१	9 1 85	4 00	>   88	20106	36   48
B   26	8 1 88	6 1 06	20165	20 . 80	39 1 4
81 2¢	3 1 30	9   32	30 1 0	30 1 65	59 1 50

२२७	286	द७३	225	250	9 Db
37 1 RS	351 6	40 1 46	\$6 1 de	39 1 33	39 1 80
59 1 Ø÷	25 1 22	29 1 09	≯क । द≾	>914	28 1 30
১৭ ৷ ৩৬	22 1 28	१० । ५८	2 1 Bb	>0   45	28 1 5
4 1 as	29 1 26	১৯ । ৩৭	35 1 8¢	38180	>8 1 ₹
39   59	वद । दद	32166	26 1 82	35 1 81	58 1 58
59 I 65	29 1 52	35 1 66	>b 1 39	24   82	>8 ,
59 } €>	22 1 50	19 1 08	191 00	30 106	281
ऽ <b>स्त</b> व	30:166	29160	2P 1 52	३७। २३	2014
50 1 b	28 1 89	10101	20.158	३७ । २७	>5 1 80
2P   20	45   46	22100	<b>२५ । २</b> ३	36139	ים ו כל
20 1 2pc	12 1 02	72 1 54	24 1 20	20 1 70	3010
25 I 4C	३३ । ७३	३२ । ५७	20125	15 1 8	3013
१८ १ चंद	००। ६८	85 1 66	P 1 46	24 65	30 1 30
2P 1 @2	29 1 04	30 1 28	१५ । ७	24 1 42	201 26
21 1 Q\$	३३ । ७७	35 1 R.	>91 65	14 1 84	301 3
द्रण । चद	109	79 1 24	59   20	36 1 05	52 1 4
24 1 92	39:04	३२ । ३७	39 1 8b	38 1 03	25 1 84
३५ । ८५	३५ । ७३	29 1 20	०६। १८	56 1 58	25 1 01
25   <b>€</b> 2	३३ । ७३	29 1 20	59 1 09	34 1 35	2510
>+ 1 ce	39 1 95	38 1 b	29 1 00	28 1 22	25 1 50
<b>ን</b> ৮ ፣ <b>৫</b> ৮	221 95	351 2	39 1 29	26   8	25 1 20
29   5	द्रा दर	3018	59 i 22	28   69	<b>ગરા ક</b>
29 1 6	53103	35 1 45	31: 34	38   40	154

ইতি পনের্মান্যাঃ থগুঃ সমাপ্তাঃ।

# নিররণমতে খনির আর্দ্রবাত্তিক ক্রুটের উদাহরণ। (১৮০১ শক ১লা বৈশাধ রাত্তি ছইপ্রহর।)

শনির মধ্য - হাহচাহতা৪৫া২৭ কে তিন স্থানে রাখিয়া প্রথম স্থানের অভ ইইতে শনির দীল্লন্গ্য ১১/২৯/১৭/২৫/৮ খীন করিলে যে ২/২৯/৬/২০/১৯ অবশিষ্ট থাকিল, ইহাই শনির শীপ্রকেন্দ্র। পরে বিতীয়স্থানত শনির মধা হঁইতে শনির মন্দেক্তি ৮।২০।৩৭।৩৪.২৮ হীন ক্রিলে যে খাণা৪খা৴ । ৫৯ অবশিষ্ট থাকিল, ইহাই শনির মন্দেক্ত নামে অভিহিত। অনন্তর শীব্রকেন্দ্রের রাশি ২ কে ৩০ ছারা গুণ করিয়া ৬০ অংশের সহিত কেন্দ্রে ২৯ অংশ যোগ দিয়া ৮৯ হইল। ঐ ৮৯ অংশসংখ্যান্ত্সারে শনির ক্টথণ্ডার টেবিলের লিখিত খতা ৪১।৪০ ও অনুখণ্ডা ৪১।৪০ গ্রহণ করা হইল। এন্তলে খণ্ডাও অনুখণ্ডা পরস্পর ধৰান বলিয়া ঐ থণ্ডাকেই শীঘ্ৰকেঞাংশ্দল বিবেচনা করত ঐ ৪১।৪০ কে ২ দারা ভাগ করিয়া ২০া৫০ হইল। এ ২০া৫০ কে মুন্দকেন্দ্রের অংশাদির সৃহিত যোগ করিয়া ভাষদাওভাচনতে হইল। পরে ঐ রাশি ৬ কে ৩০ ছারা গুণ করিয়া ১৮০ অংশের সহিত বদ অংশ বোগ দিয়। ২০৮ হইল। ঐ ২০৮ সংখ্যাতসায়ে মান্দ্রাখণ্ডার টেবিলের বিবিত খণ্ডা ১৫/৪০ ও অসুথতা ১৫/০৬ গ্রহণ করিয়া পরস্পর অস্কুর করত ৭ ভোগান্ধারা অবশিষ্ট অহ ২৮/০৬/১০/৫১ কে গুণ করিয়া গুণকলকৈ ৬০ হারা ভাগ করত লব্ধ ৪/১৩/১৬/৫৩ হইল। পরে ঐ ৪।১৬১৬৫৩ কে পূর্বস্থ খণ্ডা ১৫।৪৩ এর সহিত যোগ করিয়া ১৫।৪৭। ১৩০১৬।৫৩ ছইল, ইছাই শনির মালাকেন্দ্রাংশফল। ওদনস্তর তৃতীয়ন্থানত্ব শনির খগ হাহ৮াহগারধাহণ এর অংশাদিতে উক্ত অন্ত যোগ দিয়া আ১৪া১-া৫৮ারআ৫৩ হুইল এবং ঐ কলকে শীপ্তকেন্দ্র ৮৯াভাব •া১৯ এর সহিত বোগ দিয়া >•৪া৫৩া৩৩া৩৫।৫৩ ছইল। পুরে ঐ ১০৪ **অংশ** হইতে ১২ হীন করিয়া ৯২ সংখ্যাস্থলারে শীল্পকেন্দ্রের খণ্ডা ৪১।৩৯ **ও অমুথ্**ণ্ডা ৪১:৬৮ গ্রন্থ করত পরস্পার অন্তর করিয়া ঋণভোগ্য ১ থাকিব। তদ্নস্তর ঐ ১ স্বারা হতাত্তাত্তাহত কে প্রণ করিয়া ৬০ ছারা ভাগ করিলে ।হতাত্তাত্তাহত চ্টল, ইচাকে খণ্ডা ৪১।৩৯ হটতে হীন করিরা ৪১।৩৮।৩।২৬।২৪।৭ হটল, ইহাই শনির বিতীয় শীঘ্রকল। ঐ বিতীর শীলকলকে মাল্যকলসংযুক্ত ভতীয়স্থানত শ্নির মধ্য ৩০১৪১১-৪৮০৪৩০৫৩ এর অংশাদিতে যোগ দিয়া ৪৷২৫৷৪৯৷৫৷১٠৷১৭৷৭ ত্ইল, পরে উহা হইতে ২ রাশি হীন করিলে হাহতাল্লাচ্চাচ্ছাত্র কুটাই ১৮০৯ শক্তের ১লা বৈশাথ রাজি ভুইপ্রাহর সম্বের শনির ক্ট বা জাঘিমা (Longitude) অর্থাৎ ঐ সময়ে শনি মিগুন রাশির ২৫ জংশ, ৪৯ কলা, ৫ বিকলা ১০ অনুকলা, ১৭ প্রতায়কলা, ৭ অভিপ্রভাত্কলাতে অবস্থিতি করিতেছে।

উপরে যে শনির ক্ট ২।২৫।৪৯।৫।১-।১৭।৭ লিখিত হইল, উহার সহিত ঐ দিবসের

শ্বরনাংশ ২০।৪৯)১২ বোগ বিলে যে ৩)১৬।৩৮)১৭)১৭।৭ হব, ইহাই ১৮০৯ পকের ১লা বৈশাথ রাজি শৃইপ্রাহর সময়ের পনির সায়নক্ট বা জাঘিরা (Longitude)।

#### শনির তাৎকালিক।

শনির দৈনিক ভ্ঞিত ২ কলা, ০ বিফলা, ২৩ অনুকলাকে ইউদশু ৩০ দারা গুণ করিয়া গুণকল ৬০।১১।৩০ কে ৬০ দারা ভাগ করিলে লন্ধল । ১০।১১।৩০ হয়। অনন্তর শনির জার্দ্রাত্তিক বীজসংস্কৃত মধা ২২৮।২৩।৪৫।২৭ হইতে ঐ ১।০।১১।৩০ হীন করিলে যে ২।২৮।২২।৪৫।১৫।৩০ অবশিষ্ট থাকে, ইহাই ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাখ দিবা ত্ই প্রহর সমরের দনির বিশ্বদ্রধা।

শনির তাৎকালিক ক্ষুটের উদাহরণ।
(১৮০৯ শক, ১লা বৈশাথ দিব। ছইপ্রহর)

भमित्र **रीक्**माश्वर তাৎকালিক মধ্য ২।২৮।২২।৪৫।১৫।৩০ কে পৃথক্রপে তিন ছানে দ্বাধিয়া প্রথম স্থানের অঙ্ক হইতে শনির তাৎকালিক শীল্লমধ্য ১১৷২৮৷৪৭৷৫১৷৩ হীন করিয়া বে ২।২৯।৩৪।৫৪।১২।৩০ অবেশিষ্ট থাকিল, ইহাই শনির শীলকেন্দ্র। পরে দিতীয়স্থানত্ত শনির মধ্য ছইতে শনির মন্দেকে ৮।২০।৩৭।৩৪।২৮ খ্রীন করিয়া যে ভাগারভারত।৪৭।৩০ জার্নার্থ থাকিল, ইছাই শনির রন্ধকেন্দ্র। জনতার শীয়কেন্দ্রের রাশি ২ কে ৩০ বারা ওণ করিবা গুণফল ৬০ অংশের সহিত কেন্দ্রস্থাশ ২১ যোগ দিয়া ৮৯ অংশংংখ্যারুদারে শনির টেবিলের লিখিত থণ্ডা ৪১।৪০ গ্রহণ করা গেল। এখানে খণ্ডা ও অমুখণ্ডা উভয়েই নমান বলিয়া খণ্ডাকেই শীঘ্রেক্সাংশফল জ্ঞান করত ঐ থণ্ডা ৪১।৪০ এর অভিচাগ ২০০৫০ পুর্ব্বোক্ত মান্যকেন্দ্রের অংশাদির দহিত যোগ দিরা ভাষ্ট্রতের।১০।৪৭।৩০ হইল ৷ পরে थै মান্দ্যকেন্দ্রের রাশি ৬ কে ৩০ ছারা গুণ করিয়া গুণক্স ১৮০ অংশের সহিত কেক্সস্থ অংশ ২৮ যোগ করত ২০৮ অংশ হইল। ঐ ২০৮ অংশসংখ্যালুমারে মান্দ্রগুরার টেবিলের লিখিত বণ্ডা ১৫।৪৩ ও অলুবণ্ডা ১৫।৫০ গ্রাহণ করিয়া ঐ শণ্ডাবরকে পরস্পর সম্ভৱ করিকে ৭ ভোগ্য অবশিষ্ট পাকে। ঐ ধনভোগ্য ৭ ছারা অবশিষ্টাত্ব ৩৫/১০/৪৭/৩০ ব্দে গুণ করিয়া গুণফলকে ৬০ ছারা ভাগ করিলে লব্ধ ৪।১৩/১৪।৩২।৩০ হয়। পরে ঐ <del>প্রক্রে থণ্ডা</del> ১৫।৪৩ এর ক্লাদিতে যোগ করিলে ১৫।৪৭।১৩)১৫।৩২।৩০ হর, ইহাই শনির यम्पदिक्याः मंकल । अन्छत्र के कनदक कृठीग्रङ्गिङ मनित यथा २।२৮।२२।८८।১८।०० এর শহিত যোগ দিয়া ৩০১৪৷৯৷৫৮৷ ৩১৷২<mark>৷৩০ হইল এবং ঐ ফলকে শী</mark>ঘকেন্দ্র ৮৯৷৩৪৷৫৪৷১২৷৩০ थव महिन मध्युक कवित्न (म ১०८।२२।१।२৮।२।७० हर, উहात ১०८ व्यः म हरेएक ১२ शीम ক্ষিতা ৯৩ সংখ্যান্ত্রারে শীর্মজার টেবিলের লিখিত এতা ৪১০০৮ প্রহণ করা গেল। এথানেও থণ্ডা ও অমূখণ্ডা পরস্পর সন্ধান হৈছু ঐ খণ্ডাকেই বিভীর শীত্রকল বিবেচনা কৰিবা মান্দাকলনংযুক্ত ভূতীরস্থানত ধ্বা তা>৪।৯।৫৮।৩১।২।২ এর সহিত যোগ দিয়া ৪।২৫।৪৭।৫৮।৩১।২।৩ হইল; উহা হইতে ২ রাশি হীন করিলে যে ২।২৫।৪৭।৫৮।৩১।২।৩ হর, ইছাই ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাথ দিবা ভূইপ্রহর সমরের শনির ক্ট অর্ধাং ক্রাথিমা (Longitude) অর্থাং ঐ সময়ে শনি মিগুনরাশির ২৫ অংশ, ৪৭ কলা, ৫৮ বিকলা, ৩১ অমুকলা, ২ প্রভাক্তকা, ৩০ অভি-প্রভাক্তনাতে অব্ছিতি করিতেছে।

উপরে বে শনির ক্ট ২া২বা৪৭া৫৮া০১া২া০ লিপিত হইল, উহার সহিত ঐ বিবসের অন্নাংশ ২০া৪৯া১২ যোগ করিলে বে আচডাও৭া১০া৩চাহাত হয়, ইহাই শনির সাধনক্ট বা জাঘিমা (Longitude) অর্থাং ঐ সময়ে শনি কর্কটরাশির ১৬ অংশ ৩৭ কলা, ১০ বিকলাদিতে অব্ভিতি করিতেছে।

## রাজ্র ক্টগণনা।

রাহর ক্ট গণনা করিতে হইলে পূর্বাপ্রক্রিয়ামতে অপ্রে অকপিও, দিনবুল, কেপাছ, দেশান্তর, (সাগনক্টগণনার জন্ত ) অনুনাংশ ও মধা গণনা করিতে হয়। একণে রাহর কুটের দৃষ্টান্ত দিবার জন্ত ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাধ্যের ঐ সম্ভ গণিত করিয়া নিয়ে প্রদিশিত হইল।

শকাকাৰ হইতে ১৫১৩ হীন করিলে যাহা অবশিষ্ট পাকে, তাহাই অকপিও নামে অভিহিত হয়। স্ত্রাং ১৮০৯ শকের অফণিও ২৯৬।

দিনবৃন্দগণনার নিষম পূর্বেই কথিত হইরাছে। সেই প্রক্রিয়ানুসারে পণিত করিদে ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাথের দিনবুন্দ ১০৮১১৮/১৫/২৪/৫৪/২৪ হয়।

## রান্তর কেপাক্ষের উৎপত্তি।

ক্ষেণাকের গণনার নিয়ম পূর্বেই কথিত হইরাছে। এন্থনে কেবল ভাহার দৃষ্টান্ত লিখিত হইতেছে, যথা—রাছর ক্ষেপাকের মূল অব ৯৫৯৪৯১ কে ৬০ ছারা ভাগ করিল ভাগকলকে ৬০ ছারা ভাগ করত লক্ষ্যকাকে পুনর্বার ৩০ ছারা ভাগ করিলে লক্ষ্য যে ৮/২৬/৩০/৪১ হয়, ইহাই রাহণ ক্ষেপাক; কিন্তু দিল্লান্তরহন্তে রাছর মধ্যান্যনহলে যে ৮/২৬/৩০/৪৯/১৫ লিখিত আছে, তাহা হলা। বোধ হয়, আন্তের লাখ্য ক্রিবার নিমিত্ত গ্রহকার মূল আছে ঐ ১৫ ছাড়িয়া দিয়াছেন।

#### রাছর দেশাস্তর।

রাহর দেশান্তরগণনার নিয়ম পূর্বেই কথিত হইয়াছে। তথাপি এছলে তাহার প্রকল্পে কলিলা দৃষ্টান্ত প্রদর্শিত হইতেছে। যথা—দেশান্তর-যোলনভারা রাহ্র হৈনিক পৃতি ও কলা, ১০ বিক্লা, ৪৫ অস্কলাকে ত্বল ক্রিয়া ৭৮ ছারা ভাগ ক্রিলে ভাগকল কলানিই রাহর দেশাতরকলানি নামে ক্থিত হইয়া থাকে।

# দৃকীন্ত ।

রাত্র দৈনিক গতি ৩০০।৪৫ কে অপ্তদেশীর দেশান্তরযোধন ২০০ খারা গুণ করিছা গুণফল ৬৩৫।৫০ কে ৭৮ হারা ভাগ করিলে লক্তল ৮০৯।৭ বিকলাদি হয়, ইহাই রাত্র অপ্তদেশীর দেশান্তর।

#### অয়নাংশ :

আয়নাংখগণনার নিরম পুর্বেই উক্ত হইরাছে। একণে সেই নিরমাম্সারে গণনা করিয়া ফ্রীকৃত হইল যে, ১৮০৯ পকের ১লা বৈশাখের অয়নাংশ ২০।৪৯।১২।

#### द्रारहार्श्वशानग्रनः।

দিনং নথাপ্তং ২ • ত্রি-৩ হতত্মরুন্দাৎ বাণাত্রদিক্-১০০৫ লব্ধসংশকাদ্য দ্ । রসাহতাকাৎ ক্যমান্ধি-৪২১ লব্ধ-লিপ্তাযুতোহপুর্কিপরীতগত্যা॥ রাহক্ষেপঃ ৮।২৬/৩০।৪১/১৫।

#### রাজ্র মধ্যগণনা

দিনবৃদ্ধকে কুড়ি দিরা ভাগ করিলে বে কাগকল ঘন হইবে, তাহা এক ছানে সংস্থাপন করিবে। পুনর্কার দিনবৃদ্ধকৈ তিন দারা পুরণ করিয়া এক হাজার গাঁচ দারা হরণ করত লক্ষার প্রথাপিতাকে যোগ করিলে রাহ্মধ্যের অংশাদি হইবে। তংপরে জনপিওকে হরদারা পুরণ করিয়া চাবি শভ একুশ দিরা ভাগ করিলে বে কলাদি দক হইবে, তাহা পুর্বাকে যোগ করিয়া যোগজার হইতে দেশান্তর-কলাদি ৮।১ হীন করিলে রাহর ভদ্ধ জংশাদি নিশ্চর হইবে। পরে অংশসমূহকে ত্রিশ দিয়া ভাগ করিয়া যাহা শেষ থাকিবে, তাহা জংশ এবং লক্ষাক রাশি, ঐ রাশিকে বাদশদারা ভাগ করিয়া যাহা শেষ থাকিবে, তাহাই রাশি এবং লক্ষাক ভগণ। ঐ ভগণ পরিভাগে করিয়া হান্তাদির সহিত রাহর কেপাক ৮।২৬৩২।৪১১২৫ খোগ করিবেই রাহর বিভন্ধ মধ্য হইবে।

# দৃষ্টান্ত।

দিনবৃক্ষ ১০৮১১৮ কে ২০ বারা ভাগ করিয়া লক্ষ্ম ৫৪০৫।৫৪ হইল। **অনন্তর** দিনবৃক্ষ ১০৮১১৮ কে ও বারা ৩৩৭ করিয়া গুণফল ৩২৪৩৫৪ কে ১০০৫ দিয়া ভাগ করেড ন্ধকল তহনভাবে কে পূর্কহাপিত ৫৪-৫।৫৪ এর সাহিত সংযুক্ত করিবে বে ৫৭-২৮।৫৮।
৫০ হর, ইহাই রাছর মধ্যের অংশাদি। পরে জলপিও ২৯৬ কে ৬ দিরা ভব করিবা
ভব্দল ১৭৭৬ কে ৪২১ লারা ভাগ করত লক্ষল ৪।১৩৬।৪১ কলাদিকে পূর্কহাপিত
ভংশাদি ৫৭২৮।৩৮।২৫ এর কলাদিতে বোগ করিলে যে ৫৭২৮।৪২।৩৮।৩৪১ হয়; উহার
৫৭২৮ কে ৩০ হারা ভাগ করিলে লক ১৯০ রাশি হয় এবং জবশিষ্ট ২৮ অংশ থাকে।
পরে জি ১৯০ ভংশকে ১২ হায়া ভাগ করিলে লক ১৫ ভগণ হয় এবং অবশিষ্ট ১০ য়াশি
থাকে। সর্কগ্রেত ১০।২৮।৪২।৩৮।৬৪১ এর সহিত কেপ ৮।২৬।৩০।৪১।১৫ যোগ করিবা
বে ৭।২৫।১৩।১৯।২১।৪১ হইল, উহা হইতে দেশান্তর-কলা ০।৮।৯।৭ হীন করিলে যে ৭।২৫।
১৩।১১।১২।৩৪ অবশিষ্ট থাকিল, ইহাই ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাধ রাজি চুইপ্রহর সমরের
রাছর মধ্য।

#### সহজে রাহ্র মধ্যেণনার টেলিল।

सिन,	31,	অ',	<b>ক</b> ,	fa,	জ্বা,	দিন	₹¹,	कार,	₹,	fa,	च,
>	• E	+ 1	1 ত	50-1	84	2	• [	9	84 (	4.5	२२
₹—	*	•	۱۵	33.4	<b>3</b> 0	<b>শ</b> ত					
♦—	+ 1	•	>	न्द्र ।	<b>\$</b> &	>	4.1	<b>6</b> H	51.1	683	4 २
g	•	• 1	\$ <del>₹</del> [	8७ ।	0	₹	+ 1	5 · F	ot 1	३৯।	80
Œ	+ 1	+1	50.1	ao i	80	s	0 1	50 1	691	88 1	34
<b>w</b> —	• 1	• 1	791	8 1	90	8	o j	25 f	22.1	03	3.9
۹	+ 1		43.1	50 1	\$8	¢	• 1	₹6.1	<b>RAI</b>	<b>39</b>	36
<b>b</b>	* 1	+1	२० ।	₹41	45	<b>&amp;</b>	\$1	> 1	69	₹2 1	3#
<b></b>	* 1	e	२৮ ।	ত৪	98	9	5.1	11	4.1	₹8.1	2
<b>&gt;</b>	• 1	+ 1	95 1	811	45	b	3.1	1.84	501	5 <b>2</b> 1	442
₹•	• 1	5.1	Ø)	⊴8 i	&br		5 E	31.5	85 1	301	Re
O+	+1	5.0	94	<b>33</b> }	₹₩	সচ্হ					
<b>8</b> 0	• 1	3.1	9.1	3 t	49	<b>3</b>	51	1.55	4 1 1	₩ 1	409
E+	* 3	₹1	৩৮	491	₹6 :	₹	٥ j	>6.1	<b>₹</b> ₩ 1	31.1	20
÷	<b>4</b> 3	७।	20-1	88 1	64	-c	<b>&amp;</b> I	ъı	<b>«ኅ</b> (	₹2	g o
40/	* 1	91	1.58	कई ।	38	8	9.3	5 F	¢e;	98.2	२७
ba	- 1	8,1	>8 1	22-1	49	4	ъı	3# 1	68.1	801	٠

चिम्,	100	Web	₩,	A,	<b>۳</b>		दिन,	<b>17</b> ,	्रा चर,	` <b>a</b> ,	বি,	
-	\$+ f	39.1	<b>cs</b>	45 )	<b>9</b> a	1	b	8.1	ъı	45.1	₹₩1	8
9—	<b>P</b>	>= 1	48 1	• i	26	1	<b>&gt;</b> —	٦ ١	\$6 J	1 58	45	4
<b>-</b>	<b>R.J.</b>	94	\$3 I	<b>P</b> (	g 5		में फ					
a—	୍ବା	1 85	45.4	59.1	२३		>	Þ١	5b	80	€5 }	
জয়ুৰ	5						₹—	41	9.4	b 1	63 (	
>—	<b>¢</b> 1	22.1	451	२७ ।	4		<b></b>	5.1	3€ [	8.9 }	۱ و	
₹—	1 66	3 (	8.5 ]	€ ₹	><	1	В-—	> o I	58 1	591	₹8.1	
o	8	₹ঌ∣	୬8 ।	26:	35		¢	9 (	3.1	651	84 1	
6—	5-1	184	1.95	68 1	₹6	ŀ	<b>৬</b> —	01	₹5.1	₹#1	<b>b</b> [	
¢	Вј	9 1	59 1	541	•	į	4	• 1	541	• 1	<b>२९</b> †	٠
<b>\$</b> -	۱ ه	१८६	<b>b</b> 1	৩৬।	৩৬		<b>⊬</b> —	þγI	<b>&gt;</b> b1	98 1	81-1	
۹	• 1	5811	• 1	₹ा	કર		2-	<b>a</b> 1	591	۵ ر	9 1	

# সহতে রাহুর মধ্যগণনার প্রক্রিয়া বা দৃষ্টান্ত।

ধেরপে অভাক্ত গ্রহগণের টেবিল দৃষ্টে দেই সেই গ্রহের মধ্যগণনা করা হইরাছে, দেই রূপে রাহুর টেবিল দৃষ্টে রাহুরও মধ্যগণনা করিতে হইবে।

# রাহুর স্ফুটগণনার নিয়ম।

রাহ: সদা বক্রণতি: কুট: ভাচ্চক্রাচ্চুতে: বড্ভব্তশ্চ কেতু: য

রাহ নিরস্তরই বক্রগানী, স্তরাং রাহর মধ্যকে চক্র (১২ রাশি) **হইতে বিরোপ** করি**লেই অবশিটাক** রাহর ক্টু হইবে। রাহর ক্টে ৬ রাশি যোগ করিলে যে থোগ**লাক হইবে,** ভাহাই কেত্র ক্ট।

নিরয়ণমতে লাজ্র ফাটুলগনার উদাহরণ।
(১৮০৯ শক, ১লা বৈশাথ রাত্রি ছই এছর)

ষাত্র মধ্য গাংলা২০০১১১২।৩৪ কে ২২ বালি হইতে হীন করিবা যে ৪/৪/৪৬/৪৮/৪গাং৬ হয়, ইচাই ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাধ রাজি ছুইপ্রাহর সময়ের রাচর ক্ট বা জাঘিষা (Langitude) অর্থাৎ ঐ সময়ে রাচ্ সিংহ্যাশির ৪ অংশ, ৪৬ কলা, ৪৮ বিকলা, ৪৭ অনুক্লা, ২৬ প্রত্যন্ত্রকাতে অবস্থিতি করিতেছে। উপরে বে মাধ্র ক্ট ৪/৪/৪৬/৪৮/৪৭/২৬ বিশিত হবৈ, উহার সহিত ঐ বিবসের অৱনাংশ ২০/৪৮/১২ বোগ করিলে বে চাং১/৩৬/০/৪৭/২৬ হর, ইহাই ১৮০৯ প্রের ১লা বৈশাব রাজি হুইপ্রহল সময়ের রাহর নায়নক ট বা লাখিমা ( Longitude )।

# কৈত্র ফা টগণনা।

#### (মধ্যানয়ল )

থে প্রক্রিয়ান্ত্রাহর মধ্যাদিপণনা করিতে ধ্য, দেই প্রক্রিয়ান্ত্রাহর বধ্য-গণনা করিয়া ভাষার সহিত ৬ রাশি যোগ দিলে যাহা হইবে, ভাহাই কেডুর মধ্য।

## দুকীকো

পূর্বোক্ত র'ছর মধ্য ৭/২৫/১৯/১/১২/৩৪ এর সহিত ও রাণি বোগ করিলে বে ১/২৫/১৩/১১/১২/৩৪ হয়, ইহাই ১৮০৯ শকের ১লা বৈশাথ রাত্তি ছুইঞ্জহর সময়ের কেতুর মধ্য।

# কেতুর ক্ট্রগণনার নিয়ম।

পুর্ব্বোক নির্মাস্পারে রাহর ক্ট গণনা করিয়া ভাহার সহিত ৬ রাশি যোগ করি-লেই কেতুর ক্ট হর।

## দৃষ্ঠাস্ত।

পূর্বেই লিখিত হইল যে, রাহর ক্ষুট ৪।৪।৪৬।৪৮।৪৭।২৬; ইহার সহিত ৬ রালি যোগ করিলে ১০।৪।৪৬।৪৮।২৬ হর, ইহাই ঐ দিবদের কেতৃর ক্ষুট বা দ্রাছিমা (Longitude) অর্থাৎ ঐ নমর কেতৃ ক্স্বালির ৪ অংশ, ৪৬ কলাদিতে অবস্থিতি ক্রিতেছে।

উপরোক্ত কেতৃর ক টু ১ • ।৪।৪৬।৪৮।৪ ৭।২৬ এর সহিত ঐ দিবসের অয়নাংশ ২ • ।৪৯।১২ বোগ দিলে যে ১ • ।২৫।৩৬। • ।৪৭।২৬ হয়, ইহাই ঐ দিবসের কেতৃর সায়নকটুট বা জাঘিমা ( Longitude ) ।

রবিচন্দ্রনাঃ ক্ষুটভূক্তিশাধনম্।

ভোগাং রবেং খাজি १० গবোনমিন্দোর্মিখা-১৩ হতং খাজবমাং-২০০নযুক্তম্ ॥
পাশ্চাভ্যথপ্ত বনপ্তত্তে
ছুকৌ ধনগং ক্ষুটভুজিরের। ॥

# রবি ও চজের ক্টভুক্তি সাধন।

শুণা ও অহপ্তা উভরের অন্তর করিলে যাহা অবশিষ্ট থাকে, তাহাকে ভোগ্য কছে। রবির ভোগাকে ছইছানে সংস্থাপিত করিয়া একটাকে ৭০ সত্তর দিয়া ভাগ করিলে যাহা লব হইবে, অপরটা হইতে তাহা হান করিলে যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, ঐ অব, ( বঙা লগেলা অহপ্তা অর হইলে) রবির মধ্য ভ্জি ১৯৮০০ ফলানি হইতে হান করিবে। (বনি. ধঙা অশেকা অহপ্তা আর হইলে) রবির মধ্য ভ্জিতে যোগ করিবে। এইরপ হান বা বোপ করিলে, বে অহ লব হইবে, তাহাই রবির ফুট ভূজি হইবে। ফুটভূজিন্দাবনে, বেরূপে ভোগ্য আনিতে হয়, তাহার রীতি, রবির ফুটভূজিনাবনে উক্ত হইরিছে। এই ছলে, সেইরপে চল্লের ভোগ্য সাধন করিয়া ঐ ভোগাকে অয়োদশ দারা প্রণক্রত ছই স্থানে সংস্থাপিত করিয়া একটাকে ছই শত দারা ভাগ দিয়া যে ভাগফল লব হইবে, তাহা ঐ অরোদশ পূরিত ভোগ্যে যোগ করিবে। তাহার পর পুর্বোক্ত নিরমাত্র্যারে যভার ঋণ, ধন, বিবেচনা করিয়া, চল্ল মধ্যভুক্তি ১৯০০০৪বেহ তে ঋণ্বভা ছলে হান ধন্ধভা ছলে যোগ করিবে, বে অহ হইবে, তাহাই চল্লের ফুটভুক্তি।

# রবির স্ফুটভুক্তি সাধনের দৃষ্টান্ত।

১৮০৯ শকের ১লা বৈশাধ তারিখে বে রবির ক্ট গণিত করা হইরাছে, তাহাতে ববির মলকোশে ফল সাধনের নিমিত্ত থণ্ডা ও অল্পণ্ডা প্রহণ করিয়া পরকার অন্তর করত বে ঝণভোগ্য ১৯ হইরাছে, সেই ২৯ কে হুইছানে রাখিয়া একছানের অহকে ৭০ থারা ভাগ করিয়া লব্ধ ০।২৪।৫১।২৬ হইল। অনন্তর বিভীনজানছ ভোগ্য ২৯ হইতে ঐ ০।২৪।৫১।২৬ হীন করিলে ২৮।৩৫।৮।৩৪ হয়। পরে (ঝণভোগ্যহেতু) রবির মধ্যণতি ৫৯।৮১০ এর বিকলাদি হইতে ঐ আছ হীন করিলে খে, ৫৮।৩৯।০৪।৫১/২৬ হইল, ইহাই ঐ দিবসের রবির ক্টগতি। অর্থাৎ পূর্মণিবণ রাত্রি হুইপ্রহর সময় হইতে ঐ দিবসের রাত্রি ছুইপ্রহর সময় পর্যন্ত রবি ৫৮ কলা, ৩৯ বিকলা, ৩৪ অভ্কলা, ৫১ প্রভাস্থ-কলা, ২৬ অভিশ্রভান্তরা আগ্যন করিবাছে।

# চল্ডের ক্টভ্জি গণনার দৃষ্টান্ত।

চাষ্ট্রের ক্ষুট্গণনার সময় থঙা গ্রহণ করিয়া যে গনভোগ্য ১০ অবশিষ্ট ছিল, সেই ১০ কে ১০ বারা ৩৬ণ করিয়া ৩০খন ১৩০ কে ছই হানে রাধিবা একহানের অককে ২০০ বারা ভাগ করিলে লব্ধ ০০০১ হব। ঐ ০০০১ কে অক্সহানত ১৩০ এর সহিত বোগ বিয়া ১০০০১ ছইল। পারে ১৩০ কে ৩০ বারা ভাগ করিয়া লব্ধক ২০০০১ কে চারের মধাগতি ৭৯০।০৪।৫২ এর সৃষ্টিত বোগ বিনা ৭৯২।৪৫।৩১ হবল। তদনবার ঐ ৭৯২ কে ৩০ খারা ভাগ করিলে লব্ধ ১৩১২।৪৫।৩১ হবল, ইহাই ঐ দিবসের চত্তের ক্ষুটগতি। অর্থাৎ পূর্বনিবস রাত্রি ছইপ্রহর সময় হইতে ঐ দিবসের রাত্তি ছইপ্রহর পর্যান্ত চক্ত ১০ অংশ, ১২ কলা, ৪৫ বিহুলা, ৩১ অঞ্কলা আগ্রমন করিয়াছে।

#### মান্দ্রশীভ্রফলদাধনম্।

অধিকে নাবে শণ্ডালন্থতে ভোগ্যজং ফলং মাদ্যম্। প্রশিধ্যং স্থাৎ ক্রমতঃ শৈত্রস্ত তথাসতে। ক্ষেয়ং ॥

থতা হইতে অছুখণ্ডা অধিক হইবে মান্দানভাগ্যবারা উৎপন্ন যে মান্দাকৰ তাহাকে ধন কহিবে এবং থণ্ডা অপেক্ষা অহুখণ্ডা অন্ন হইবে মান্দাভোগ্যোৎপাদিত বে কল ভাহাকে ধন কহিবে। ইহার বিপরীত ক্রমে শৈল্প কল কানিবে। যথা থণ্ডা অপেক্ষা অনুখণ্ডা অধিক হইবে শীলভোগ্য-জনিত-কল খণ এবং 'খণ্ডা শেক্ষা অনুখণ্ডা জন্ন হইবে।

ভৌমাদীনাং ক্ষু উভূক্তি কথনং বক্তশীত্রকথনক । 
ভৌমন্ত নাল্যভোগ্যং কল ১১ মং চক্রনেত্রা-২১ প্রম্
ব্ধভার্নবলো: থাগাং ৭০ শোনং জীবন্ত চক্রনেত্রা-২১ প্রম্।
থপ্তবৈঃ-১০ শনেব্রিন্ডকং অমধ্যভুক্তৌ ধন্থং কার্যম্॥

• জ্যোতিষ্কত্ত্বে ;— স্থ্যসূকা গ্রহাঃ শীঘান্তথা চার্কে দিজীয়গে। সমান্ত্রীয়গে জ্রের মদা ভাত্চতুর্থগো বক্রাঃ স্ক্যুঃ পঞ্চষ্টেইকে অভিবক্রা নগাইগো। নবমে দশ্যে ভানে। ক্লাহতে সহজা গভিঃ। খাদনৈকাদশে পূর্য্যে লভজ্ঞে শীঘ্রতাং পুনঃ। মবিস্থিতাংশক্ষিংশাব্দেং সংখ্যাত্র ক্লাতে ৪ মহিকেতৃ স্বা বক্রেই শীঘ্রগৌ চক্রভাস্করে। ৪

শ্রহণণ পর্যাহইতে নিজু মণকালে প্রথম ও বিভীয় অংশ অর্থাৎ ১২০ ডিগ্রীপর্যান্ত শীমসামী হন । তুর্থ অংশে অর্থাৎ ১২০ অংশ অন্তরে গ্রহণণ মলগতি হর। গ্রহণ ও বাধ করে। করে অংশ অন্তরে গ্রহণণ মলগতি হর। গ্রহণ ও বাধ করে। করে অর্থাৎ করে। করে। করে অর্থাৎ করে। করে। করে। করে ও অন্তর অর্থাৎ করে। করে। করম এবং মুলম জর্পাৎ প্রত্তরে ১২০০ অব্ধি ২৪০ ডিগ্রী অন্তরে গ্রহণণ অতিবক্তপামী হয়। ন্যম এবং মুলম জর্পাৎ প্রত্তর হয়তে ২৭০ অব্ধি ৬০০ ডিগ্রী অন্তরে গ্রহণণ সর্লগামী হয় এবং একাদণ ও বাদশ অংশে অর্থাৎ ক্র্যা ইইতে ২৭০ অব্ধি ৬০০ ডিগ্রী অন্তরে পুনক্রের শীম্বাণামী হস্তরা প্রতিক ।

কেনিমত রাছ এবং কেতৃ ইহারা এই নতে। ইহারা পৃথিবীর দক্ষিণ ও উল্লন ছারাণবেদর আধিপতি, আর্থাৎ পৃথিবীর দক্ষিণছারা কেতৃ ও উত্তরহারা রাজ। স্ক্তরাং ইহারা পৃথিবীর উক্তর পার্থন প্রস্কুত ক্ষাধ্তঃ ক্ষিবাদী ক্ষাধানী মইলা থাকে।

নাক্যানিছভোগ্যবধাৎ বন্ধ ভৌনাৎ প্তক্ৰথৈ ২৬০ ।
নাজাইগুলৈ-জনত পূৰ্ণগুল
চল্লৈ: ১৩৩ শৱগোকুজী ১৯৫ রসপ্রস্থৈ: ১২৬॥
মান্যানিমভোগ্যকরোঝ গাঁখাবোঃ স্বাধ্যরোজভান্।
কার্য্যং ধনমন্তবর্গং সাধঃ শৈল্যান্সতৌ হীনা॥
না নীক্তকেন্ত্-কিন্তৃতীয়ভোগ্যহতা থতকা ৬০ প্রা।
ধনমূগমূগরি গভিঃ ভাবিপরীভোনা তু দা বক্রা॥

কুজাদি বাহের ক্ষ্টভূক্তি দাধন ও বক্রশীঘু কখন।

মাদ্য ও শীম ভোগ্য বেরূপে আনিতে হয়, তাহা উক্ত হইয়াছে। একণে কুজাদি **পঞ্জতের ক্টভুক্তি** সাধন করিতেছেন। মঙ্গলের মাল্যভোগ্য একাদশ থারা **গুণিত** কবিবা একুশ বারা ভাগ করিলে বাহা লব্ধ হইবে এবং বুধ ও গুক্তের মাল্যভোগ্য তুই স্থানে সংস্থাপিত করিয়া, একটাকে ৭০ দিয়া ভাগ করিয়া ঘাহা লব্ধ হইবে, তাহা অপরটিতে হীন করিলে বে মাল্যভোগ্য অবশিষ্ট থাকিবে এবং বৃহস্পতির মাল্য-ভোগ্য ২১ মারা ভাগ করিবা বাহা শব্দ হইবে, এবং শনির মান্যভোগ্য ৩০ দারা হরণ করিয়া ধাহা লব্ধ হইবে, সেই স্বীয় স্বীয় মাল্যভোগ্য কল পুর্ব্বোক্ত নিয়মান্ত্রার ৰভার ঋণ ধন বিচার করিয়া পূর্বোক্ত স্বীয় যীয় মধ্যভূক্তিতে ঋণথভা স্থলে হীন এবং ধনথণ্ডা স্থলে যোগ করিরা সংস্থাপিত করিবে। যাহার ফাটুড়কি হইতেছে, পুনরায় তাহার ক্রউকরণ সময়ে সেই মান্যভোগাকে প্রথম যে শীঘ্রভোগ্য থাকে, তাহা ছারা প্রণ করিয়। ঐ অভ মঞ্চলের হইলে ২৬০ দারা, বুধের হইলে ৩৮।৩০ দারা, বুহস্পতির হইলে ১৩০ **দারা, ও**ক্তের হইলে ১৯৫ দারা, শনির হইলে ১২৬ দারা ভাগ করি**রা যে** আছ লক্ষ হুইবে, তাহা সংস্থাপন করিবে। যদি মান্দ্যভোগ্য এবং প্রথম শীন্তভোগ্য উভয়েই শণ হয়, **অথবা উভয়ভোগ্য**ই ধন হয়, তাহা হইলে পূর্বাস্থাণিত মান্যাভোগ্যসংস্কৃত ভূ*ক্তি*তে এই ভাগলন্ধান্ধ যোগ করিবে। যদি মাল্যভোগ্য গণ এবং প্রথম শীঘ্রভোগ্য ধন, অথবা শাল্যভোগ্য ধন এবং প্রথম শীল্রভোগ্য ঋণ হয়, তাহা হইলে নাল্যভোগ্য সংস্কৃতস্বধ্যভুক্তি **ইইতে ঐ দদ্ধান্ধ হীন করিবে। পরে ঐ অন্তকে ২ ছানে** রাথিয়া স্বীয় শীঘভুক্তি হুইতে একটিকে ধীন করিয়া যাহা ভাৰশিষ্ট থাকিবে, তাহাকে ভূটকরণ সময়ে ভূতীয় শীলকেঞ্জের ভোগ্যদ্বারা ৩৩ণকরিয়া ৬০ দিয়া ভাগ করিলে যাহা লব্ধ হয়, তাহা রাখিয়া বিবেচনা পরিবে; ভৃতীয় শীঘভোগ্য ধন হইলে, ঐ লক্ষান্ধ অপর সংস্থাপিতাকে হীন করিবে। শার বন্দি ভূতীর শীরভোগ্য ঋণ হয়, তাহা হইলে এছলে সেই প্রান্ধ অপর সংস্থাপিতাকে বোস করিবে ভাহাতে যে কলা বিকলা প্রভৃতি হইবে, তাহাই সেই গ্রহের স্কৃটভূকি। বদি হীন করণ সমরে বিপরীত ক্রেমে হীন করিতে হয়, অর্থাং বে অর হইতে বে অয়কে হীন করিতে হইবে, তাহা নিরপ্রেণীতে সংস্থাপিত করিলা হীন করা পাল দির, কিম্ব বিশি তাহার বিপরীত হয়। বেমন এক হইতে তিন হীন কর, বিদিনে, হীন হয় না কিছু তিনকে উপরে রাখিয়া ১ এক বা ছই হীন করা বায়, এইরূপে বিপরীত করিয়া হীন করিলে উহাকে বিপরীত হীন কহে। যে দিবস ভৃতীর শীল্পকেন্তে এইরূপ ঘটনা হইবে, সেই দিবস শেই গ্রহের বক্ত আরম্ভ হইবে এবং পুনরায় যে দিবস বিপরীত হীন না হইবে, সেই দিবস সেই গ্রহের বক্ত ত্যাগ হইবে।

# মঙ্গলের স্ফুটভুক্তিগণনার দৃষ্টান্ত।

পূর্বে ফ্টরগননাকালে মঙ্গলের প্রথম শীজভোগ্য হব ২৪, মাক্যভোগ্য ধন ৮ এবং বিতীর শীজভোগ্য ধাণ ২৪ লিথিত হইরাছে। একণে মঙ্গলের মাক্যভোগ্য ৮ কে ১১ বারা গুণ করিরা গুণকলকে ২১ বারা ভাগ করিলে, লব্ধ ৪০১১২৫ হব। ঐ কর্মকে মধ্যভুক্তি ৩১০২৬০২৮ এর সহিত বোগ দিয়া ৩৫০৩৭৫৩ হইল। জনজার মাক্যভোগ্য ৮ খারা প্রথম শীজভুক্তি ২৪ কে গুণ কবিয়া গুণকলকে ২৬০ বারা ভাগ করিলে লব্ধ ০৪৪০১৯ হয়। একণে প্রথম শীজভোগ্য ধাণ এবং মাক্যভোগ্য বনহেতু ঐ ০৪৪০১৯ কে মাক্যভুক্তি সংস্কৃত মজলের মধ্যভুক্তি ৩৫০৩৭০৩০ হইতে হীন করিরা ৩৪৫০০৪ হইল, ইহাকে ছই ছানে রাখিয়া একহানের অহ্বকে মন্তব্দের শীজভুক্তি ১৯৮০১০ হইতে হীন করিরা ২৪০১৪০৬ অবশিষ্ট থাকিল। পরে ঐ ২৪০১৪০৬ কে বিতীর শীজভাগ্য ২৪ বারা গুণ করিয়া গুণফলকে ৬০ বারা ভাগ করত লব্ধ ১৪১০০২৪ হইল। গরে ঐ ১৪০১৫০০২৪ হইল। গরে ঐ ১৪০১৫০০২৪ হইল। গরে ঐ ১৪০১৫০০২৪ হইল। গরে ঐ ১৪০১৫০০২৪ কে অন্তব্দের ক্রিভিডের প্রান্তবিদ্ধা এক করা, ৩৫ বিকলা, ২৪ অনুক্রা ২৪ বারা হিতি ক্রিবের নাত্রি হুইপ্রের প্রান্তবিদ্ধান সকল ৪৪ কলা, ৩৫ বিকলা, ২৪ অনুক্রা ২৪ প্রত্নির প্রান্তবিদ্ধান সকল ৪৪ কলা, ৩৫ বিকলা, ২৪ অনুক্রা ২৪ প্রতান্তবিদ্ধান স্বান্তবিদ্ধান সকল প্রান্তবিদ্ধান সাম্বান্তবিদ্ধান করিরাছে।

## গ্রহগণের কলাদি মধ্যগতি।

রবির ৫৯।৮।১০, চন্দ্রের ৭৯০।৩৪।৫২, মঙ্গলের ৩১।২৬।২৮, বুধের ৫৯।৮।১০, বু**র্ম্পতির** ৪।৫৯।৯, স্থাক্রের ৫৯।৮।১০, শ্লির ২।০।২৩।

## গ্রহগণের কলাদি শীঘুভুক্তি।

মঙ্গলের ৫১৮৮১০, বৃধের ২৩৫৩২৪২১, বৃহক্ষতির ৫১৮৮১০, স্করের ৯৬ ৭৪৪, শ্রির ৫৯৮৮১০ ঃ

# ভাৎকালিক গণনার জন্ম গ্রহণণের দৈনিক ভূতি অনুসায়ে। দণ্ড ভূত্তির টেবিল।

( হণ্ড অভি কৰাদি, পৰা প্ৰতি বিক্ৰাদি, বিপলে জহুকলাদি )

একদণ্ডে রবির গজি । কোদা> ; ছই দজে ১ কো ১ আং০ ; তিন দজে ২ কো ২ লগে ১ চারি দজে অবভাত । গাঁচ দজে ৪ বিবাহন । ছব দজে বাবেল ৪৯০ ; সাঁড দজে লবেজ লবেজ কাত লবেজ ১ লাট লবেজ পাবেল বেজ ১ নাল বিজ কাত ১ লাজ লবেজ নবিল প্রতি ১ লাজ ১ লাজ ১ লাজ নবিল প্রতি ১ লাজ ১

থকদণ্ডে চক্রের গতি ১৩/১৮/১৪নে ই গুইন্ডে ২৬/২১/১৯৪৪; ভিন্নতে ও৯/১১/৪৪/১৬; চারিন্তে ৫২/৪২/১৯/২৮; গাঁচন্তে ৬৫/৫২/৫৪/২০; ছর দত্তে ৭৯/৩২৯/১২; সাত দত্তে ১২/১৪/৪৪। আট দত্তে ১০৫/২৪/৩৮/৫৬; নর দত্তে ১১৮/৩৫/১৩/৪৮; দশ দত্তে ১৩১/৪৫/৪৮/৪০; কুড়িন্তে ২৬৩/৩১/১৭/২০; ত্তিশ নতে ৩৯৫/১৭/২৬০; চরিশ নতে ৫২৭/৩১/৪৪০; স্কাশ নতে ৬৫৮/৪৯/৩২০ এবং বাট নতে চক্রের রভি ৭৯০/৩৪/৪২০।

এক দত্তে চক্রকেক্সের গতি ১০৷০বেথত; তুই দত্তে ২৬৷৭৷৪৭৷৪৬; তিদ দত্তে ৩৯৷১১৷৪১৷৩৯; চারি দত্তে ৫২৷১৫৷০৫৷৩২; পাঁচ দত্তে ৩৫৷১৯৷২৯৷২৫; ছ্র দত্তে ৭৮৷২৩৷২৬৷১৮; মাতে দত্তে ৯১৷২৭৷১৭৷১১; আট দত্তে ১০৪৷৩১৷১১৷৪; নর দত্তে ১১৭৷৩৫৷৪াব৭; দুল দত্তে ১৩০৷৩৮৷৫৮৷৫০; কুড়ি দত্তে ২৬১৷১৭৷৫৭৷৪০; ত্রিল দত্তে ৩৯১৷৫৬৷৫৬৷০০; চল্লিশ দত্তে ৫২২৷৩৫৷৫৫৷২০; পঞ্চাশ দত্তে ৬৫০৷১৪৷৫৪৷১০ এবং হাট দত্তে চক্রকেক্সের গতি ৭৮০৷৫০৷৫০৷০ ৷

এক দত্তে মকলের গতি ।৩১/২৬/২৮; তুই দত্তে ১/২/৫২/৫৬; তিন দত্তে ১/৩৪/১৯/২৪; চারি দতে ২/৫/৪৫/৫২; পাঁচ দতে ২/৩৭/১২/২০; ছয় দতে অচাতদা৪৮; দাত দতে ৩/৪-/৫/১৬; আট দতে ৪/১১/৩১/৪৪; নম দতে ৪/৪২/৫৮/১২; দশ দতে ৫/১৪/২৪/৪০; কুড়ি দতে ১-/২৮/৪৯/২০; বিশে দতে ১৫/৪৩/১৪/০; চিনিশ দতে ২০/৫৭/৩৮/৪০; পঞ্চাশ দতে ২৬/১২/৩২০ এবং বাট দতে মকলের গতি ৩১/২৬/২৮/০।

এক দত্তে বুধের শীল্রপতি ভাষাত্য।২১ ্র ছই দত্তে ৮০১১।৪।৪২ ; তিন দতে ১২০১৬)০৭।০; চারি দত্তে ১৬৷২২৷৯৷২৪ ; পাঁচ দত্তে ২০৷২৭৷৪১৪৫ ; ছর দত্তে ২৪৷৩০৷১৪৷৬ ; সাঁত দত্তে ২৮৷৩৮৷৪৮ ; নম দত্তে ৩৬৷৪৯৷২১৷৯ ; দশ দত্তে ৪০৷৫৫৷২৩০০ ; কুড়ি দত্তে ৮১৷৫০৷৪৭৷০ ; আশ দত্তে ১২২৷৪৬৷১০৷৩০ ; চল্লিশ দত্তে ১৩০৷৪১৷৩৪৷০ ; পঞ্চাশ ইত্তে ২০৪াজ্ঞাহ৭৷৩০ এবং বাট দত্তে বুধশীলগতি ২৪৫৷৩২৷২১৷০ ৷

এক দত্তে বৃহস্পতির গতি লাঙাকোচ ; হুই দত্তে লাচাকোচদ ; তিন দত্তে লাচগাংশং ;

চারি বার্যে: •া১৯৫৯৩৬; পাঁচ দথে •া২৪৫৫৪৫; ছর বার্যে •া২৯৫৪৫৪; বার্য বর্ষে •া১৯৫৯৩৬; বার্য বর্ষে •া১৯৫৯৩৬; বার্য বর্ষে •া১৯৫৯৩৬; বার্য বর্ষে •া১৯৫৯৩৬; বার্য বর্ষে হা১৯৩৪৩৬; চরিশ বর্ষে অ১৯২৬। •; পঞ্চাশ বর্ষে হা৯১১৭৩ এবং বার্ট বর্ষে ব্যক্তপতির গতি ৪/৫৯১৯। • ।

এক দণ্ডে ক্রের শীঘ্রগতি সাত্রধাণ।৪৪; ছুই দণ্ডে অসহাসধারদ; তিনদণ্ডে ৪।৪৮/২৩/২২; চারি দণ্ডে অহ৪/৩০/৫৬; পাঁচ দণ্ডে ৮/০।৩৮/৪০; ছুর দণ্ডে ৯৩/৯৪৯/২৪; সাত দণ্ডে ১১/১২/৫৪/৮; আট দণ্ডে ১২/৪৯/১৫২; নম দণ্ডে ১৪/২৫/৯৮৬; দশ দণ্ডে ১৬/১১৭/২০; কুড়ি দণ্ডে ৩২/২/৩৪/৪০ ; তিশ দণ্ডে ৪৮/৩৫২/০; চলিশ দণ্ডে ৬৪/৫/৯২০; শক্ষাশ দণ্ডে ৮০/৬/২৯/১০ এবং বাট দণ্ডে ক্রেরে শীঘ্রতি ৯৬/৭/৪৪/০।

এক নতেও শনির গতি ভাষাভাষত; গৃই নতেও ভাষাভাষত; তিন নতেও ভাষামান ; চারি নতেও ভাষামান ; গাঁচ নতেও ভাষামান ; চারি নতেও ভাষামান হল ক্ষেত্র ভাষামান করেও ভাষামান করেও

এক দণ্ডে রাহুর গতি ০০০১০।৪৫; তুই দণ্ডে ০০০২১।৩০; তিন দণ্ডে ০।৯০২।১৫; চারি দণ্ডে ০।১০।৪৩।০; পাঁচ দণ্ডে ০।১৫।৫৩।০; হ্য দণ্ডে ০।১৯।৪৩০; সাত দণ্ডে ০।২২।১৫।১৫; আট দণ্ডে ০।২৫।২৬।০; নাম দণ্ডে বাহচাতড।৪৫; দ্বা দণ্ডে ০।০১৪৭।৩০; কুড়ি দণ্ডে ১।৩০২৫।০; তিশা দণ্ডে ১।৩৫।২৩০; পঞ্চাশ দণ্ডে ১।৩৮৫৭।৩০ এবং মাটি দণ্ডে রাহুর গতি ৩)১০।৪৫।০।

পূর্বে ৪১ পৃঠার রবির তাৎকালিক গণনার থঙাদৃষ্টে যেরপে রবির তাৎকালিকগণনা কবা হইগাছে, এখনেও সেই নিয়মে উপরোক্ত টেবিলদৃষ্টে অঞ্চান্ত প্রচের ভাৎকালিকগণনা ক্রিতে হইবে।

#### অথ দিনশানান্যন্য ৷

বৈশাৰ ৩০।০, জাৰ্ছ ৩১।৪৪, আবাঢ় ৩৩।৬, প্ৰাৰণ ৩৩।৪০, ভাত্ত ৩৩)৬, আগ্ৰিব ৩১।৪৩, কাৰ্ছিক ৩০।০, অৱহারণ ২৮।১৭, শৌৰ ২৬।৫৪, মাহ ২৬।২০, কাৰুন ২৬।৫৬ টেল ২৮/১৭।

#### किनभानानग्रम ।

অধুনা খাদেশ মাদের প্রতি দিবসীয় দিনমান কিল্লগে আনিতে হয়, তাহা ক্ষিড ছইতেছে। প্রথমত দ্বিষ্ট করিবে, বলি ঐ রবির ষ্ট অরনাংশবুক হয়, তবে ভাছাহইতে অমনাংশ ? হীন করিলে শৃষ্ট সময়ের অর্থাৎ বিবৃত সংক্রান্তির ববির ক ট হইবে। তাহাহইতে আরম্ভ করিয়া ক্রমণ ছয় মানের ছয় সংক্রান্তি দিবদের অর্থাৎ বৈশাধ মাসে বিষুবসংক্রাত্তি দিবসীয় • শৃত্ত, জ্যৈতিয়ামের সংক্রান্তি দিবসীয় ৩০ ত্রেল, আবাঢ় মানের সংক্রান্তি দিবসীর ৫৪ চুরার স্রাবণ মানের সংক্রান্তি দিবসীর ৬৪ চৌব্রি, ভালে মানের সংক্রান্তি দিবসীয় ৫৪ চুয়ার, আংখিন মানের সংক্রান্তি দিবসীর ০• জ্রিশ, এই **ছয়ট অককে বিষ্**বের মধ্যাহুচ্ছায়া ৫।১• বারা পূরণ করিয়া ১• ন**বর্ট দিরা** বিভক্ত করিলে যে ভাগকল লন্ধ হইবে, ভাগতে ৩০ জিশ বোগ করিলে যে অভ হইবে, সেই মুখাদিই মুণাক্রমে উক্ত বিবুবসংক্রান্তি প্রভৃতি ছয় সংক্রান্তি দিবসের ছিলমান হটবে। অপর মে ছয়টি সংক্রান্তি বাকি থাকিল তাহার দিনমান এইরণে জানিতে চ্টবে বে, উক্ত ছব সংক্রান্তি দিবদের দিনমান ৩০ হইতে বিযুক্ত করিবে, যাহা অবশেষ श्रीकित्व ; छोरारे ध्वाक्तत्व कार्किकांति इत्र मात्मत्र मःकांखि निवत्मत्र मिनमान स्टेट्ट । বে বে দেশে ছাদ্শ অজুলি পরিষিত শব্র ৫ পঞালুল ১০ দশবালুল মধ্যারুছায়া হয়, সেই দেলের দিনমান আনমন করা হইতেছে। এথা বৈশার্থ যাসের বিযুবসংক্রান্তি দিবসীয় দিনমান ৩০ জিশ দণ্ড হব, ঐ ৩০ দণ্ডকে ৩০ বাট দণ্ড হইতে হীন করিলে যে জিশ অব-শিষ্ট থাকিবে, তাছাই কার্ত্তিকমানের সংক্রাতি দিবদের দিনমান হইবে। জ্যৈষ্ঠমানের সংক্রান্তি দিবসীর দিনহান ৩১।৪৩ একত্রিশ দণ্ড তেডাল্লিশ প্র হর। ঐ ঋত বটি হইতে হীন করিলে বে ২৮৷১৭ আটাশ দণ্ড সভের শল অবশিষ্ঠ থাকে, তাহাই লগ্রহারণ मात्रित्र मा:कोक्कि विवत्यत्र पिनशान रहा। आशाहमात्मत्र मारकाकि विवसीत विनयान ৩০।৬ তেতিশে দণ্ড ছয় পল। যাট হইতে ঐ আছ হীন করিলে যে ২৬।৫৪ ছাকিশে দণ্ড চুদাল পল অবশেৰ ধাকিবে, তাহাই পেংবশাসের সংঞাত্তি দিবসীর দিনমান হইবে। লাবণমাসের লংক্রাস্কি দিবদের দিনমান ৩৩।৪০ তেত্রিশ ছণ্ড চল্লিশ পল হর। বাট দণ্ড হইতে উলা হীন করিলে যে ২৬২০ ছাজিল এও বিংশভিগল অবলিষ্ট থাকিবে, জাহা মাবমানের সংক্রান্তি হিবসীর দিনযান হইবে। ভাত্রযানের সংক্রান্তি দিবসীর দিনযান ত্রতাভ তেজিশ কও ক্লয় পল। উহা বটি হইতে বিয়োগ করিলে ২৬/৫৪ ছাব্বিল কণ্ড চুরার পল লেব থাকে। একভ ফান্তনমানের সংক্রান্তি দিবসের ঐ ২৬ দণ্ড es পল ছিনমান ছইবা খাকে। অংখিনমানের সংক্রান্তি বিবসীর দিনমান ৩১।৪৩ একজিন দ্ভ ভেডাছিল পলঃ ঐ অভ যাট চটতে চীম করিলে বে ২৮৮৭ আটাৰ দশু সভের পল

লেব থাকে। সেই ২৮ ছও ১০ পদ কৈব্রদাদের সংক্রান্তি দিবসীর দিনমান হইরা থাকে।

এই বে দিনমান লিখিত হইন, প্রডেড়ক ছরবট্টি বংসরে রবির এক অরন দিন হর, এই

নিরমান্ত্রারে একলে ১০ই চৈত্র দিবলে প্র্টা বির্বরেখার আাসেন একল এ দিবসীর দিন্
মান ৩০ ছও হয়। আর আর সংক্রান্তি সেই সেই সাসের ১০ম দিবসে ঘটতেছে।

এক্ষণকার পশ্লিকার দৃষ্টি করিলেই, এ দিবসে উক্ত দিনমান দেখিতে পাওরা হার।

শংক্রান্তি দিবসীর দিনমান উক্ত হইল। তাহার মধ্যবর্তী দিনগণের দিনমান কত হইবে,

তাহা মেরপে আনিতে পারা হার, তাহার নিরম এই খে, মাসের সংক্রান্তি দিবসীর দিন
মান হির হইলে তাহার পর দিবস হইতে আরম্ভ করিরা পরবর্তী সংক্রান্তি দিবসের

পূর্ব্ব দিনপ্রয়ন্ত গণনা করিয়া যত দিন দণ্ড হইবে, তাহা হারা পূর্ব সংক্রান্তি হইতে পর

সংক্রান্তি পর্যান্ত থে দণ্ডাদি বৃদ্ধি হর, তাহাকে ত্রেরাশিক হারা পর পর দিবসের দিনমান

হির করিয়া লইবে।

#### ভিখ্যাদ্যান্ধ্ৰম্ ।

ব্যক্তেশাঃ শশ্নঃ সম্বাদশিনো বিপ্তা নথাগৈঃ ৭২০ থব-ব্যাবৈঃ ৮০০ থাত্ৰগলৈঃ ৮০০ ক্ষেণ বিশ্বভান্তিপ্যুক্ষযোগা গভাঃ। শেষান্ হারকশোধি হাংশ্চ থরসৈঃ ৬০ সংগুণা ভূক্তান্তরৈঃ ভূক্তা ভূক্তিযুকা হতেহত্ত্ব ঘটকা ভূক্তাশ্চ ভোগ্যাঃ ক্রমাৎ॥ লক্ষ্টক্ষ্যদণ্ডেন স্বারেইঘটা পৃথক্। হীনাধিতা ভাৎ যাত্ৰেয়-ভিগাদীনাং ঘটা ক্ষুটা॥

#### **ভিথ্যাদ্যা**নয়ন ।

তিথি নক্ষত্র এবং যোগ ও ঐ সকলের পরিমাণদণ্ডাদি বেরূপে আনর্যন করিতে হর, এক্ষণে ভাহার নিরম কথিত হইভেছে। চল্ডের ভাংকালিক আ ট হইতে রবির ভাংকালিক আ ট ইলৈ করিরা, রাশি এবং অংশকে ক্রমে কলা করিরা কলার সহিত যোগ করিবে। পরে ভাহাকে ৭২০ সাভেশত কুড়িবারা ভাগ করিবা যে আরু সরু হইবে, ঐ অর্থায়ার যে ভিথি হইতে পারে, ভাহা গভ ভিথি হইবে। এইরূপ ভাংকালিক চল্ল আটুরাশি ও অংশকে কলা করিবা কলার বহিত মিলন করিবা পরে সেই অর্থাকে ৮০০ আট শভবারা ভাগ করিবেল যে ভাগকল লব্ধ হইবে, ঐ আরে বে নক্ষত্র হইভে পারে, ভাহা গভ নক্ষত্র হইবে। আর ভাংকালিক রবির আ টে ভাংকালিক চল্লজ্ব হৈব। আর ভাংকালিক রবির আ টে ভাংকালিক চল্লজ্ব যোগ করিবা বাগ করিবা বাগ করিবা কলার সহিত যোগকরত ৮০০ আট শভবারা আপ করিবা যাশি এবং অংশকে পূর্ববং কলা করিবা কলার সহিত যোগকরত ৮০০ আট শভবারা আপ করিবা যে ভাগকন সরু হইবে, তাহা ঐরপ গভ যোগ হির করিবে। পরে ঐ

দ্ধল ভিষি নক্ষ এবং বােশের বে ভাগবের থাকিবে, তাহা ছই স্থানে সংস্থাপন করিয়া একটিকে অর্থাৎ তিথির ভাগবিশেবকে তিথির হারক ৭২০ হইতে এবং নক্ষর ও বােগের ভাগবেশকে নক্ষর ও বােগের হারক ৮০০ ইইতে হান করিবে। পরে ঐ ছিবিধ আরু অর্থাৎ উক্তপ্রকারে ভাগবিশের ও হানাবশের বে আরু থাকে, তাহাকে ৩০ বৃষ্টিরারা ৩০ করিবে। ওৎপরে চল্লের ভাৎকালিক ক্টুভুক্তি হইতে রবির তাৎকালিক ক্টুভুক্তি বিয়োগ করিলে বাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহা ভুক্তান্তর। ঐ ভুক্তান্তরগারা ওণকলকে হরণ করিবে বাহা লক্ষ হয়, তাহা বিদ্ধি ভাগাবশের আরু নিশাদিত হইয়া থাকে, তাহা হইকে তাহা ভ্কতাভালি হইবে এবং বিদ হানাবশের আরু সংখাদিত হইয়া থাকে, তাহা হইকে তাহা ভোগাদগাদি হইবে। পরে ভুক্তবে ইইবার ও দ্বাদি হইতে লক্ষ ভুক্তব্রুহে । আরু রবিশে বাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহা বাবের সহিত গত তিথির দ্বাদি হইবে। আরু হিবার ভাবির সহিত গেগ করিলে বে আরু হইবে, তাহা বাবের সহিত গমা তিথির দ্বাদি হইবে। এইরণে নক্ষত্র ও যোগগণনা ক্রিতে হয়।

# তিথিগণনার দৃষ্টাস্ত।

১৮০৯ শক্তের ১লা বৈশাথ রাত্তি হুইপ্রহর সমরের চক্রের ক্টি ৮/১২/১৭/৫৭ হুইতে রবির ক্ট নামাংগ্রাভ হীন করিয়া যে ৮০১-৫২১৫১ অবশিষ্ঠ থাকিল, ইহার রাণি ৮ কে ৩- বারা ৩৭ করিয়া শুণফল ২৪০ অংশের সহিত ঐ ১- অংশ যোগ দিয়া যোগফল ২৫**০ অংশ হইল। পরে ঐ ২৫০ অংশকে ৬**০ দ্বারা **খ**ণ করিরা গুণফল ১৫০০০ কলার শহিত ৫২ কলা বোগ দিয়া বোগলাম ১৫-৫২ ত্ইল। পরে ঐ ১৫-৫২ কে ৭২- ছায়া ভাগ করিয়া ভাগক্ত ২০ হইল এবং অবশিষ্ট ৩৫২।৫১ থাকিব; অর্থাৎ জানা গেল যে, ঐ সমর ২০ ডিখি ( ক্লফপক্ষীর পঞ্চমী ) গত হইরা বঞ্চীর ৬৫২।৫১ প্রত হইরাছে। একণে ঐ থং।৫> কলাদিতে ঐ সমবে বঞ্জ তিথির কত দণ্ডাদি অবশিষ্ট আছে, তাহা জানিতে **ব্টলে १২০ হটতে ঐ অবশিষ্টাছ ৬৫২।৫১ হীন করত অবশিষ্টাছকে ঐ সমরের চক্রের** পতি হইতে রবির পতি হীন করিয়া তথারা ভাপ করিলেই উহা জানা বাইবে; স্কেরাং চল্লের গতি ৭৯৯/১৩ হইতে রবির গতি ৫৮/৪০ হীন করিবা অবশিষ্ট ৭৪০,৩০ থাকিন। পরে १२० হইতে ঐ ৬৫২/৫১ হীন করিয়া জবশিষ্ঠ ৬৭/৯ হইল। ঐ ৬৭/৯ কে ৬০ বারা ঙ্গ করিছা ত্রণকলের সহিত ঐ > যোগ দিলে যোগজাক ৪০২> হব। ঐ ৭৪০।৩০ ছারা শবশিষ্টার ৪০২৯ কে ভাগ করিলে লব এ২৬ হব। ঐ দিবদের রাত্তি ছই-প্রহ-বের পরিমাণ-দশু ৪৫।৩৬। পরে ঐ ৪৫।৩৬ এর নহিত লক্ষাক ৫।২৬ বোগ দিয়া যোগকাক <। বিষয় ক্রিল ; অধ্যাহ জালা লেল বে, ঐ দিবলে বন্ধী ডিমির পরিমাণ <> দণ্ড, ২ পল।

# নক্তপ্ৰনার দৃষ্টান্ত।

ঠ দিনের চল্লের ফুট ৮।১২।১৭।৪০ কে পূর্কবিৎ কলা করিয়া তাহাকে ৮০০ খারা ভাগ করিলে লক্ষ্য ৮ নক্ষর গত হইরাছে। পরে পূর্কবিৎ এই ফুলেও ১৯ মুলা নক্ষরের কৃত দণ্ড অবশিষ্ট আছে, তাহা জানিতে হইলে ঐ ভাজক ৮০০ হইতে জবলিইার হীন করিয়া চল্লের গতিঘারা অবলিইারকে ভাগ করত যাহা লক্ষ হইবে, ভভ দণ্ডই অবশিষ্ট আছে; স্মুডরাং ৮০০ হইতে ঐ অবশিষ্টার ৭৩৭৫৭ কে হীন করিয়া ৬২।৩ অবশিষ্ট থাকিল। পরে ঐ ৬২।৩ কে ৬০ খারা গুণ করিয়া গুণকলের সহিত ও কে বোগ দিয়া ৩৭২৩ হইল। ঐ অক্ষকে চল্লের গতি ৭৯৯।৩৩ খারা ভাগ করিলে লক্ষ ৪।৪০ হর। জনজর ঐ ৪।৪০ কে ঐ দিবদের আজিয়াত্রিক পরিয়াণ দণ্ড ৪৫।৩৬ এর সহিত বোগ দিবে ৫০।১৬ হইল, ইছাই ঐ ১৯ নক্ষত্রের ঐ দিবদের শ্বিভিদ্ধ। অর্থাৎ জানা গেল বে, ঐ দিবদের মূলা নক্ষর ৫০ দণ্ড, ১৬ পল আছে।

# যোগগণনার দৃষ্টান্ত।

১৮০৯ শকের ১লা বৈলাধ রাত্রি ছইপ্রাহর সময়ের পূর্ব্বোক্ত রবি ও চন্দ্রের ক্ট্ এক্তর করিলা চা১০০৪০০০ ছইল। একণে ঐ রালি ও অংশকে পূর্ব্বাং কলা করিবা ফল ১৫২২০ হয়। ঐ ১৫২২০ কে ৮০০ বারা তাগ করিবে লক ১৯ হয় ও অবলিট ২০০০ থাকে। অর্থাৎ ঐ সময় ১৯ পরিঘ্যোগ গত হইলা লিববোগের ২০ কলা ও বিক্লা গত ছইলাছে। একণে ঐ ২০০০ অবলিটাছে লিবযোগের কত মণ্ড গত হইলাছে, তাহা আনিতে হইলে ঐ দিবলের রবি ও চন্দ্রের গতি একত্র করিয়া তদ্বারা তাহাকে ভাগ দিলে ভাগকল যাহা হইবে, তাহাই ঐ সময়ের লিবযোগের গত দণ্ড; স্বত্রাং পূর্ব্বোক্ত রবি ও চন্দ্রের গতি একত্র যোগজার ৮৫৭০০ হইল। পরে ঐ ২০ ক্লেও০ বারা ও করের গতি একত্র যোগ করিবা যোগজার ৮৫৭০০ হইল। পরে ঐ ২০ ক্লেও০ বারা ওণ করিয়া ওণকলের সহিত্ব ও কে যোগ দিয়া যোগজার ১০৮০ হইল। পরে ঐ ১০০৫ কে কা দিবলের অর্থকের পাতিবারা উহাকে ভাগ করিলে লক্ষ ১০০৫ হল। পরে ঐ ১০০৫ কে ঐ দিবলের আর্থনাতিকের পরিমান্ত্রণ ও এবং জালা গেল বে, ২০ বেইগের ১ মণ্ড এবং কল গত হইলাছে।

## প্রহাণাং নক্তরস্থারদিনাদিজান্য।

নিজা এবংশাং ধথনাগ-৮০০ তকা গতানি ধিটায়েও নৈকজন্য। । শেলে চ শেংখানবলে চ জুক্যা মতে গতৈব্যং নিৰ্মাধিকং কাং ।

#### ध्रश्रिकत नक्ष्वतकात्रशिवकान ।

প্রকৃষিণের ফুটের রাশি এবং অংশকে কনা করিয়া ফুটছ কলার সহিত বোস করতা তাহাকে ৮০০ বার। ভাগ করিলে যে ভাগফন লব্ধ হয়, তাহা গত নক্ষে এবং তাহাতে এক যোগ করিলে প্রহৃষিত নক্ষ্ম হইবে। পরে যে ভাগাবশেব অন্ধ থাকিবে, ভাহাকে ৬০ বটীবারা পুরণ করিয়া প্রহৃষিতের স্বীয় স্বীয় ফুটভূজিবারা ভাগ করিলে যাহা লব্ধ হইবে, তাহা গত দিনাদি। আর পুর্বোক্ত ৮০০ হারা প্রহৃষ্কুটের কনাকে ভাগ দিয়া যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহাকে প্রচ্ছাকে ৬০০ বছী বারা পুরণ করিয়া যে গুণকল হইবে, তাহাকে স্বীয় স্বীয় ফুটভূজি বারা ভাগ করিলে যাহা লব্ধ হইবে, তাহা প্রহৃষ্কিত বন্ধকের গ্রামা করিলে যাহা লব্ধ হইবে, তাহা প্রহৃষ্কিত বন্ধকের গ্রামা করিলে যাহা লব্ধ হইবে, তাহা প্রহৃষ্কিত বন্ধকের গ্রামা দিনাদি।

# নক্ষত্রসঞ্চার গণনার দৃষ্টাস্ত।

১৮০৯ **শব্দের ১লা বৈশাথের মক্লের** ফ্টু লাবা৪৯।৪৮ এর অংশ ২ কে ৬০ ছারু গুণ করিয়া গুণফল ১২০ কলার সহিত ৪৯ কলা যোগ দিয়া ১৬৯ কলা ৪৮ বিকলা হইল। পরে ঐ ১৯৯ কলাকে ৮০০ খারা ভাগ করিলে লব্ধ হইল ৷ ইহার সহিত ১ হোগ করিকে > হয়, ইহাই ঐ দিবদে মৃদ্ধের অবস্থিত নক্ষত্র। অর্থাৎ ঐ দিনে মৃদ্ধ ১ <del>অখিনানক্ত্রে অবস্থিতি</del> করিতেছে। ওদনস্তর কতদিন পূর্বে দঙ্গল অখিনানকত্তে গিয়াছে, জাহা জানিতে হইলে ঐ ১৬৯ কে ৬০ বারা গুল করিয়া গুলক্র ১০১৪০ এর দ্বিত ঐ ৪৮ যোগ দিয়া ১০১৮৮ হইল। তৎপরে ঐ দিবদের নগলের গতি ৪৫।২৮ দিয়া ১০১৮৮ কে ভাগ করিলে লব্ধ ও দিন হয় এবং আংশিষ্ঠ ২০০৪ দণ্ড থাকে: পরে ঐ **অহাকে ৬০ বারা গুণ করিবা গুণফল ১২০২৪০ কে পূর্ব্বোক্ত গতিবারা ভাগ করিলে লব্ধ** ৪৪ দত্ত এবং অবশিষ্ট ২০৮ থাকে। পরে ঐ ২০৮ কে ৩০ বারা গুণ করিয়া গুণফনকে পুর্বোক্ত পতিছার। ভাগ করিলে বর ■ হর এবং অবশিষ্ঠ ১৫৬৮ থাকে। কিন্তু 🔄 অবশি**ঠাত ভাজকাজের প্রা**য় তৃতীয় **ভাগ, স্থ**তরাং উচ্যর খানে এক ধরিষা লকাত 🛎 এর নবিত হোগ দিলে e পদ হইল ৷ এফলে গত্রিনাদি জানা যাইভেছে বলিয়া ঐ দিবদের ৰাত্ৰাৰ্দ্ধ se ৰণ্ড ৩৬ পৰা ছইডে লক্ষাক ৪৪ ৰণ্ড ৫ পৰা হীনা করিলে ১ ৰণ্ড ৩১ পৰা ভাৰ-শিষ্ট পাকে; স্থতরাং ঐ দিনের তিন দিন পুর্বের সম্ভ ৩১ পল সমরে মঙ্গল অধিনীনক্ষত্রে গিয়াছে। অনস্তর আরু কডদিন পরে ঐ মঙ্গল ভরণীনক্তে বাইবে, তাহা জানিতে ইইলে পুর্বোক্ত ৮০০ ছারা ছাগাবশিষ্ট অহ ১৬৯া৪৮ কে ভারক ৮০০ হইতে হীন করিলে শ্বশিষ্ট ৬০০/১২ ছব ! পরে ঐ ৬৩০ কে ৬০ ছারা গুণ করিয়া গুণকলের সহিত ঐ ১২ যোগ निर्देश ७५७ ३२ इत्। **व्यनस्थत्र शूर्या**वर की विवासित अन्नरनात केलि प्रवासन वाला की माध्यक

ভাগ করিলে ১০ দিন ৫১ দণ্ড ১৫ পদ হয় । গুদ্দনত্তর ঐ ১লা বৈশাখের আর্থিরাঞ্জিক দণ্ড ৪৫।৩৬ এর সহিত ঐ লব্ধ দিন ও দণ্ডাদি বোগ দিলে ১৪ দিন ৩৭ দণ্ড ১১ পদ হর । আর্থাৎ জানা গেল যে, ১৪ দিন পরে ৩৭ দণ্ড ১১ পদ সময়ে মকল ভরশীনক্ষত্রে বাইবে ৪

গ্রহাণাং রাশিসক্ষারদিনজ্ঞানস্। \*
দিখা গ্রহাণাং ভকলাভি-১৮০০ রাপ্তা
গভানি বেশ্বান্তথ দৈকরাশেঃ ।
শেষে চ শেষোনহরে চ ভূজ্যা
হুতে দিনাতে গতগম্যকে তঃ ।

#### बार्करण त ता निमक्षां त्रिमिनानग्रम ।

গ্রহক্ষুটের রাশিকে ৩০ দিয়া গুণ করিয়া ঐ গুণকবের সহিত কলা যোগ করিবে।
পরে ঐ যোগলাককে ৩০ ষটি হারা গুণ করিয়া তাহার সহিত কলা যোগ করিলে
কেলা হইবে, তাহাকে ১৮০০ হারা তাগ করিলে যে ভাগকল লক্ষ হয়, তাহা
গত রাশি এবং তাহাতে ১ এক যোগ করিলে গ্রহন্তি রাশি হইবে। পরস্ত ঐ
১৮০০ হারা তাগ করিয়া যাহা ভাগশেষ থাকিবে, তাহা ছই স্থানে সংস্থাপন করিয়া
একটিকে ৩০ বটি হারা পূরণ করিবে এবং অগরটিকে হারকার ১৮০০ হইতে বিয়োগ
করিবে। ইহাতে যাহা শেষ থাকিবে, তাহাকে ৩০ হারা পূরণ করিবে, এই ভুইটি হার্য।
পরে হারকরপ গ্রহণণের স্বীয় স্বীয় স্কৃতভূক্তি হারা ঐ উভর হার্যা গুণকলকে ভাগ দিয়া
যে ভাগকল লক্ষ হয়, তাহা গত এবং গয়া হিনের জ্ঞাপক। শেষার হইতে যাহা লক্ষ
কর্ম, তাহা পূর্ব সঞ্চার হইতে গত দিন এবং হারক-শোষিতার হইতে যাহা লক্ষ
হর্মে, তাহা গয়া দিন; অর্থাৎ তত দিন পরে প্রনার সেই গ্রহের রাক্সর্যান-সঞ্চার হইবে।

# রাশিসকার গণনার দৃষ্টান্ত।

ঐ দিধবের মগলের ফুট । যাওলাও৮ কে পূর্ববিং কলা করিলে ১৯৯ কলা ৪৮ বিক্লা হয়। তদনস্কর ঐ কলাকে ১৮০০ দারা ভাগ করিলে লক্ষত হয়, উহার সহিত ১ বোগ

সাশিচফ্রসংখ্য এইপণ বে লক্ষতের খে হাল দিয়া ত্রমণ করত প্রত্যাবর্তন করিয়া বৃত দিলে পুনরার সেই নক্ষতের সেই স্থান দিয়া সমন করে, তাহা নিয়ে লিখিত ইইভেছে ।——

বঙ্গতাহ ৭৯ বংসর পরে পুনরাম সেই নক্ষত্রের সেই ছান দিরা গ্রন করিছা থাকে। এইয়াল বুধ ০০ বংসর, বুহুপাতি ৯৩ বংসর, শুক্র ৮ বংসর, শুনি ৫৯ বংসর এবং ছাত্র হা বংসর পরে পুনরাম সেই নক্ষত্রেই কাই ছান বিয়া বসন ক্রিয়া থাকে।

ক্রিলে > হব; অর্থাৎ ঐ সন্তর মকল নেবরাশিতে অবস্থিতি করিতেছে। কিছু কতাবিম
পূর্ব্ধে মলল মেবরাশিতে গিরাছে, তাহা জানিতে হইলে ঐ ১৬৯ কলাকে ৬০ ছারা শুপ
করিয়া গুণকলকে ঐ বিবলের নকুলের গতিবারা ভাগ করিলে লবা ও দিন ৪৪ দণ্ড ৫ পদ
হর। গরে ঐ দিবলের রাআর্ছ্য ৪৫।৩৬ হইতে লব্ধাপ্তাদি ছীন করিলে ১৮৩১ হর, অর্থাৎ তিন
দিন পূর্ব্ধে > দণ্ড ৩১ পদ সমরে মলল মেবরানিতে গমন করিয়াছে। তদনস্তর কতাদিন পয়ে
মকল বুমরাশিতে গমন করিনে, তাহা জানিতে হইলে পূর্বোক্ত ১৬৯।৪৮ কে হারকাছ ১৮০০
হইতে হীন করিয়া গুবশিষ্টাহ্যকে ৬০ ঘারা গুণ করত ঐ বিবলের গতিবারা ভাগ করিলে
ভাহা জানা বাস; স্কুতরাং ঐ শেষাভ ১৬৯।৪৮ কে ১৮০০ হইতে হীন করত পূর্ব্যবিদ্যে শুণ
গুভাগ করিলে লব্ধ ৩৫ দিন ৫১ দণ্ড ১৬ পগ হর। পরে ঐ দিবলের রাত্রি ছই প্রহরের পরিমাণ দণ্ড ৪৫।৩৬ এর সহিত উহা যোগ করিলে যোগলাক ৩৬ দিন ৩৬ দণ্ড ৫২ পল হর।
অর্থাৎ আন্তর ৩৬ দিন পরে ৩৬ দণ্ড ৫২ পল সময়ে মলল ব্যুর্গাশিতে ধাইবে।

#### উদয়ান্তদিক্নিয়মমাহ।

সূর্য্যাদভাধিকাঃ পশ্চাদভং জীবকুজার্কলাঃ। হীনাঃ প্রাগুদয়ং যান্তি শুক্রজৌ বক্রিগৌ তথা।

ক্র্যা-ক্ষুটের রাঞ্চাদি হইতে বৃহস্পতি, মঙ্গল, শনি এবং বক্রী বুধ ও গুক্র, এই পাঁচ গ্রহের ক্ষুট-রাঞ্চাদি অধিক হইলে উক্ত পাঁচ গ্রহের ক্ষুট-রাঞ্চাদি অর হইলে উহারা পূর্বদিকে উদিত হইরা থাকে।

চন্দ্রবৃধশুক্রাণাম্দয়াশু দিক্নিয়মমাহ।

অক্সা বিবস্থত: প্রাচ্যামস্তং চ্**ল্রাক্তভার্গবা: ।** ব্র**জন্তাভা**ধিকা: পশ্চাতুদরং শীর্রবারিন: ॥

শীরবারী চন্ত্র, ব্ধ ও শুক্ত, এই তিন গ্রহের স্কৃট-রাঞাদি প্রবোর স্কৃট-রাঞাদি হইতে অন হঁইলে তাহার। পূর্বদিকে অন্তথিত হয়, আর উক্ত প্রহণণের স্কৃট-রাঞাদি প্রব্যের স্কৃট-রাঞাদি হইতে অবিক হইলে পাল্চিম দিকে উহাদিগের উদয় হইয়া থাকে।

উদয়াস্তাংশনিয়মমাহ।

একাদশাশরেঞ্জান্ত ভিথিসংখ্যার্কজন্ত চ। অঞ্চাংশা ভূমিপুত্রন্ত দশরভাবিকাতথা । চলো বাৰণভিঃ পশ্চাদ্ধঃ আৰু বাতাৰ্থভাই।
পশ্চাৰভনরেইটাভিয়াদরঃ আত্তরা।
আগভম্দরঃ পশ্চাদরাভাকগভিভূগোঃ।
এবং বুধে হাদগভিশতুর্ভনভিরংশকৈঃ।

রবির ক্ট হইতে বৃহন্দতির ক্ট একাদশ অংশ অধিক বা ন্যুন হইলে উক্ত দিকে বৃহন্দতির অন্ত বা উদয় নির্গণ করিবে। আর পোনর অংশ অধিক বা অর হইলে শনির এবং সপ্তদশাশে অধিক বা অর হইলে উক্ত অন্তোদয়ের নির্মণিত দিকে মলগের অন্ত বা উদয় হইলে থাকে। রবির ক্ট ইইতে চল্লের ক্ট ছাদশাংশ অধিক হইলে পশ্চিম দিকে চল্লদর্শন হইবে। প্র্যোর ক্ট হইতে চল্লের ক্ট ছাদশাংশ অধিক হইলে পশ্চিম দিকে চল্লদর্শন হইবে। প্র্যোর ক্ট হইতে আদশাংশ ন্যুন হইলে চল্ল প্র্মাদকে অন্তমিত হইলে। বিল বক্রী শুক্রের ক্ট স্বর্ধার ক্ট ইইতে আট অংশ অধিক হয়, তবে শুক্র পশ্চিম দিকে অন্তমিত এবং আট অংশ ন্যুন হইলে পূর্বাদিকে উদিত হইরা থাকে। আর বক্রতা-বহিত শুক্রে বখন শীপ্রগামী হইবে, তখন যদি স্বর্ধার ক্ট ইইতে শুক্রের ক্ট হটতে শুক্রের ক্ট দেশ অংশ অধিক হইলে পূর্বাদিকে অন্তমত হইবে এবং দশ অংশ অধিক হইলে উক্ত শুক্র পশ্চিম দিকে উদিত হইলে। এইরপ বক্রী ব্রের ক্ট যদি স্বর্থার ক্ট হইতে পূর্বাদিকে উলিত হব। বক্রগাত-রহিত ব্রের ফুট হালে পশ্চিমে অন্ত এবং বাদশ অংশ ন্যুন হইলে পূর্বাদিকে ইল হল ব্রের ক্ট ব্রের ক্ট নাজাদি হইতে চতুর্দ্ধ অংশ ন্যুন হইলে পূর্বাদিকে ব্রের অন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে প্রাদিক ব্রের ক্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ন্যুন হইলে পশ্চিম দিকে ব্রের জন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে পশ্চিম দিকে ব্রের জন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে পশ্চিম দিকে ব্রের জন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে পশ্চিম দিকে ব্রের জন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে পশ্চিম দিকে ব্রের জন্ত এবং চতুর্দ্ধ অংশ ক্ষিক হইলে পশ্চিম

গ্রহাণাং রাশিভোগকালকখনং।
রবিশ্যানং নিশানাথঃ দপাদদিবসহয়ন্।
পক্ষরং ভূমিপুজো বুধোইটাদশবাদরান্ ॥
বর্ষমেকং হুরাচার্যান্টাবিংশদিনং ভ্তঃ।
শনিঃ নাজ্জাং বর্ষং হুজানুং নাজ্বৎসরম্।
ধাবং শাদাণ সর্মে ভূ রাজ্যেকং ভূমতে গ্রহাঃ ॥

আদিতাদি নবপ্রহ এক রাশিতে কত দিন পর্যাক্ত অবহিতি করে, চাহা উজ হইতেছে। বধা—ববি এক রাশিতে একমান অবছিতি করে, চক্র ২ ছই দিন ১৫ পোনের দণ্ড, মলল তিন পক্ষ অর্থাৎ ৪৫ প্রতাল্লিশ দিন, ব্ধ ১৮ আঠার দিন, বৃহস্পতি এক বৎসর, শুক্র ২৮ আটাশ দিন, শনি ২ ছই বৎসর হন মান এবং রাহ্ এক বৎসর হন মান এক রাশিতে অবহিতি করে। এই পরিমাণে সম্ভ প্রহ এক এক রাশিতোগ করিবা

ৰাকে। বাহৰ বাশিভোগেৰ কাশ নিকিট ছঙ্গাঁতেই কেতৃয় সাশিভোগকাল নিক্য বইয়াছে।

#### অভিচারকথন:।

## এবং মানং লজারিবা শীতাং বাতি গৃহান্তরম্। যদা থেটভান ক্রয়াদভিচারং গ্রহস্ত ভূঞ

গ্রহণিকের বে সমন্ত রাশিভোগকাল উক্ত হইয়াছে, কুঞালি পঞ্চাহের মধ্যে কোন প্রহ বলি কোন রাশিতে প্রবেশ কার্মা সেই কাল পর্যান্ত সেই রাশিতে না থাঞ্চিরা শীঘ্র অন্ত রাশিতে প্রমন করে, ভবে সেই প্রহ অভিচারী নলিয়া নির্দিষ্ট হইবে এবং যে দিবস হিত্রাশি ত্যাগ করিয়া জন্ত রাশিতে গমন করিবে, সেই দিবলে সেই গ্রহের অভিচার হইবে।

#### অভিচারদিন নিয়ম: ।

অর্জমান। দশাধানি ত্রিপক্ষা দিবসা দশ। মাসাঃ ষট্মকলাদীনামতিচারঃ প্রকীর্তিতঃ ।

কুজানি পশুগ্রহ অভিচারী হইয়া সেই রাশিতে যে কাল পর্যন্ত থাকিবে, ততকাল ভাষার অভিচার কহিবে। মঙ্গল অভিচারী হইলে পঞ্চল দিবদ, বৃধ দল দিবদ, বৃহস্পতি ত্রিপক্ষ অর্থাৎ পরতালিশ দিবদ, শুক্ত দশ দিবদ এবং শনি ছয় যান সেই রাশিতে থাকিয়া পুনরায় পুর্কাহিত রাশিতে প্রভাগিয়ন করে।

#### মহাতিচারকথনং।

অভিচারণতঃ খেটগুত্রৈর কুরুতে দ্বিভিষ্। তদা মহাভিচারঃ স্থায়কো ক্যোভির্নিদাং বরৈঃ ।

গ্রহ অতিচারী হইরা যে রাশিতে গমন করে, উক্ত অতিচারকাণের পর সেই রাশি ভাগ করিয়া বদি পূর্বে রাশিকে না আইনে এবং সেই রাশিতে থাকিরা পুনরাম বদি তংশর শ্লাশিতে গমন করে, ভাহা হইনে জ্যোভিবিদ্গণ ঐ গমনকে মহাভিচার বনিয়া থাকেন।

## অন্তিবক্রঃ।

बरका भूषा दमा (थटी। वृश्वस्त्रशस्त्रा भटवर । स्त्रमास्त्रिकनश्कः म श्र्यास्का स्त्रास्त्रिकार बहेतः ॥ ৰণি কোন প্ৰছ বজা হইয়া ছিল নাশি হইতে অন্ত হালিতে গ্ৰন কৰে, তাহা হইলে জ্যোতিৰ্ন্নিগণ সেই গ্ৰহকে অভিবক্তী বা মহাবক্তী বলিয়া নিৰ্দেশ কৰেন। কুলানি শক্ষ প্ৰহুই এইৱাশ বক্তী ও অভিবক্তী হইয়া গাকে, অন্ত গ্ৰহ হয় না।

# চন্দ্র্রেহণগণনা।

প্রাণ্ডুবিভালে গণিতোপকালাদনস্তরং প্রথংগং বিধােঃ ন্যাৎ।
আদে ছি পশ্চাদ্বিরে তয়াের্ব। ভবন্তি দেশান্তরনাড়িকাস্তাঃ ॥
আর্কোলয়ান্দ্রমধশ্চ তাভিঃ প্রাচ্যাং প্রতীচ্যাং দিনপ্রার্তিঃ।
উদ্ধং ভথাধশ্চরনাড়িকাভী রবাবুদক্ষিণগোলবাতে ॥

গণিত প্রাপ্ত সময়ের পরে মধ্যরেপার পূর্বভাগে গ্রহণ দর্শন হর এবং গণিত প্রাপ্ত কালের পূর্বে গণিত প্রাপ্ত কালের পূর্বে গণিত প্রাপ্ত কালের পূর্বে গণিত প্রাপ্ত কালের প্রাপ্ত কালের কালের

রবি-চক্তের গ্রহণগণনার কারণ ক্র্টপাতানয়ন।

দিনং নথাপ্তং রদনিম্বজ্বাস্থবাক্ষণেশ্বর্গংশকাদাং।
অব্দাৎ থকিখ্যংশবিলিপ্তিকাট্যং কেপাচ্চ্যুতং স্যাহ ক্ষুটপাত এবঃ ॥
কেপো গৃহাদ্যো দহনো হুতাশো রবিহি বাবৌ এহণে রবীক্ষোঃ ॥৩৩১২।৫২।

বে নিয়নে গ্রহণের সন্ধাবনা বােগ ছইবে, ভানিবনীর পূর্ণিয়া বা জনাবভার অন্তিম স্বারের দিনবৃদ্ধ, ববি চল্লের তাৎকালিক ক্ট ও প্রতি নিরূপণ করিতে হইবে। পরে দিনবৃদ্ধকে কুড়ি দিয়া ভাগ করিলে বাহা লব্ধ হইবে, ভাহাই রাহ্ছ ট্টের জংশাদি। পুনর্কার নিম্বুদ্ধকে হুর বারা গুণ করিলা ১৯৯৯ উনিশ শত নিরানকাই দিয়া ভাগ করিলে বাহা লব্ধ হইবে, তাহা ঐ জংশাদিতে বােগ করিবে। পরে জন্মণিগুকে ১৫০ একণত পঞ্চাণ দিরা ভাগ করিলে বাহা লব্ধ হইবে, ভাহা ঐ বাহ্র ক্টের জংশাদির বিক্লার সহিত বােগ করিবে বাহা লব্ধ হইবে, ভাহাক করিবে। আনক্তর ঐ ক্টের জংশকে ৩০ বিশ দিরা ভাগ দিলে বাহা লব্ধ হইবে, তাহাকে পুনরার ১২ বারহারা ভাগ করিলে বাহা জবশিষ্ট থাকিবে, ভাহাই রাভাদি। ঐ রাভাদিকে এতা ১২।৫২ ক্লেপ হইতে হান দিলে বাহা জবশিষ্ট থাকিবে, ভাহাই রাভাদি। ঐ রাভাদিকে এতা ১২।৫২ ক্লেপ হইতে হান দিলে বাহা জবশিষ্ট থাকিবে, ভাহাই রাত্র ক্টে। উহার বাভান্য ক্ষাত্র।

পর্বান্তীনভযোহকশান্তরকলা ভূবেদনিক্স নৃপাংশোনান্তিবিব্দুসূর্ব্যক্তিযুক্ বীহরপোক্ষান্তা।
ভূভ্যেক্ষোন্তিযুগাং ধনেত্রবিকলাযুক্তাবিযুক্তা প্রহে
বিয়া সাক্ত্তা বিধোন্তিভিছ্টা দিগ্যুক্তবিখান্তা।

পূর্ণিনার অন্তিম সমরের ক্ট্রপাত যত রাখ্যাদি হইবে, তাহা তৎকালের রবিকুটের রাখ্যাদি হইতে অন্তর করিয়া বে অংশাদি হইবে, তাহাকে ৬০ ঘাইটবারা গুণ
করিয়া তৎপরের কলার সহিত যোগ করিলে যে অক হইবে, তাহাকে পুনরার ৪১ একচলিন দিলা গুণ করত গুণফল হই স্থানে রাখিবে। পরে তাহার এক স্থানের অঞ্চকে
১৬ যোল দিলা গুণ করিলে যাহা লক হইবে, ঐ প্রান্থ অন্ত হানের আহ হইতে হীন করিলে
যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহা এক স্থানে রাখিতে হইবে। পরে তৎসময়ের রবির গাঁটির
কগাদিকে ১৩৪ এক শত চৌলিশ দিলা গুণ করিলে যে অক হব, তাহা ঐ পূর্বাকের সহিত
যোগ করিবে। অনন্তর ঐ যোগকান্ত হইতে ১৯৩৫ উনিশশন্ত গ্রবন্তি হীন করিলে যাহা
অবশিষ্ট থাকিবে, সেই অন্তকে তৎকালের চন্দ্রগতির কলাদিদারা গুণ দিলে যাহা লক
হয়, তাহাকে ৪৩২০ হইতে বিয়োগ করিয়া যে অক পাওরা যাইবে, তাহার নাম প্রাস।
যদি ঐ লক্ষন্ত ৪৩২০ হইতে অধিক হব, তাহা হইলে গ্রহণ হইবে লা।

ঐ গ্রাসাত্ত হালে রাখিবে, পরে ভাহার এক হালের অককে ১২ বার দিয়া গুণ করিবে এবং অপর হানের অকে ১০ দশ যোগ করিবে। তৎপরে ঐ দশম্ক অভ ধারা বাদশগুণিত অভকে ভাগ দিলে যাহা লগু হইবে, ভাহাই ঐ দিবদের চক্রগ্রহণের হিতি-দণ্ডাদি।

#### অশুপ্রকারঃ ।

পাতার্কাম্বরনিঞ্জিকা গ্রহনবৈঃ বেশর্থভাগৈনিযুক্ নত্রিমার্কগভিঃ খবেদবিযুতা শুদ্ধা বিধ্যামূ কিতঃ। ভর্কদ্বেশ্বাভিত্রিভূলবমিতকাব্দক্ত খণ্ডে। ভবেৎ খণ্ডঃ সুর্বাগুণো গুণাম্ববিধুগুকু খণ্ডেন লক্ষা দ্বিভিঃ।

পূর্ণিমার অন্তির সমরের ক্টপাক রবির ক্ট হইতে হীন করিলে যদি ১৩ তের অংশের নূদ বা অধিক হব, ভাহা হইলে প্রহণ হইবে। ঐ অপ্তরিত অংশ নূদাবিক যত হইবে, তাহাকে করা করিলা হই ছানে রাধিবে, পরে ভাহার এক ছালের অককে ৯ নর দিরা ভাগ করিলে যাহা কর হবৈ, ভাহাকে ছই ছানে রাধিবা ভাহার এক ছানের অককে ఈ প্রশাস্থ

ৰান্না জাপ করিলে যাতা লব্ধ হইবে, তাহা আ নম-ভাগ-লব্ধাকে থোপ করিবে। পরে মোগাক পূর্বের অন্তর্মিত কলা হইতে বাদ দিলে করিবে অবং এ থোলাক হইতে ৪০ চন্দিশ বাদ দিনে, অবশিষ্টাক তৎকালের চল্লের গতি হইতে হীন করিলে মাহা শেষ থাকিবে, ভাহাকে ও ছর বারা গুণ করিয়া যে অন্ত হইবে, তাহার নাম প্রাণ । ঐ প্রাসকে ছই হোনে রাখিয়া ভাহার একটাকে ১২ বার দিয়া গুণ করিতে হইবে, অগ্রতীতে ১৯৩ একশত তিরানকই খোগ করিবে। পরে জ ১২ গুণিত অককে একশত তিরানকই মুক্ত অক দিয়া ভাগ দিলে বাহা লব্ধ হইবে, তাহার প্রাণ বি

পর্কান্তেহগ্নবিধৃঃ সগুণো রসনেধিতে গুণান্তরিতঃ।
কবিতঃ পর্কতগুণিতো বিক্লেপঃ স্থান ধনন্দাঞ্চঃ।
চক্রপতির্বনিদ্রা নধকুতলকা স্থানিধের্মানং।
দশগুণিতং শশিমানং রামাঞ্চং ব্রিনিদ্রবিভূজ্তেশ্ব ।
গুণনগুগলোনিতায়াঃ কৃশিবাংশোনং তমোমানং।
গ্রাহ্মগ্রাহক্যোগার্জং বিক্লেপ্রস্থিতিং গ্রাহা।
গ্রাহ্মগ্রাহক্যোগার্জং বিক্লোক্স্যগান্ত্রস্থাক্তরিং।
গীনা হতা শুদ্ধিপলৈঃ ধণ্টেজন্ত্রং পলং তত্ত বৃত্ত ক্ষুটং স্থাৎ।

পূর্ণিরার অন্তিম সময়ের চত্তের ক্ট-রাপ্রানি হইতে রাপ্রানি-ক্টপাত হীন করিলে বে রাপ্রাদি হইবে, ঐ রাশির সহিত ও বোগ করিবে। যদি যুক্তান্ধ ও ছরের অধিক হয়, জবে ছয় ত্যাগ করিয়া অবিনিই অক গ্রহণ করিবে এবং দেখিবে যে, ঐ অক ও তিনের অধিক কি না; যদি ভিলের অধিক হয়, জবে ভাছা হইতে ভিন পরিত্যাগ করিয়া অবশিপ্ত অক গ্রহণ করত কলা করিবে। আর যদি ঐ আক তিনের ন্যন হয়, তবে ঐ ন্যনাম তিন হইতে বাদ দিলে যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহাকেই কলা করিবে। পরে ঐ কলা-দিকে ৭ সাত দিয়া গুণ করিছেল যে অক হয়, তাহাকে ৯০ নকাই দায়া ভাগ দিলে ধাহা কর হইবে, তাহার নাম শর। \*

পরে চন্দ্রের সাধিত গতিকে ১৭ সতের দিয়া ৩৩৭ করিয়া ৪২০ চারিশত কুড়ি ছারা ভাগ করিলে বাহা লক হইবে, ভাহার নাম চন্দ্রমান ।

ক কোন চাপ খা বৃদ্ধাংশের কোন প্রাপ্ত ইইতে ঘদি প্রকটা রেখা এয়প টানা বায় বে, ভাহা
আন্ত প্রায়্রণার্থাত্ত যে ব্যাসার্থ টানা হইরাছে, ভাহার সহিত টক লয়ভাবে থাকে, ভাহা ইইলে ঐ রেখাকে
সর বলা বার-।

ঐ চল্লমানকৈ দশ দিয়া ৩৭ করিয়া ৩ তিন হারা ভাগ করিলে বাহা লক্ত হাইবে, তাহাকে এক স্থানে রাখিবে, পরে রবির গতিকে হাইট হারা ওপ করিয়া যে আহ হাইবে, এ আহ হাইতে ৮৭৩ হীন করিলে বে আহ অবশিষ্ট থাকিবে, ভাহাকে ১১১ একশত এগার হারা ভাগ বিয়া ভাগকল ঐ পূর্বহাপিত আহ হাইতে হীন করিলে যে আহ হাইবে, ভাহার নাম রাহ্মান। উক্ত চল্লমান ও রাহ্মানের আহ বোগ করিলে যে সমষ্টি হাইবে, ভাহাকে ছাই হারা ভাগ করিলে বাহা লক্ত হাইবে, তাহা হাইতে পূর্ব আনীত শরের আহ হীন করিলে বাহা অবশিষ্ট থাকিবে, ভাহার নাম গ্রাস।

के भारत्रत चन्न विग कि नकांच स्टेटिंड अधिक स्त्र, जरन क्षेट्र स्टेटिंग ना।

ঐ গ্রাসাক্ষের বে সংখ্যা হইবে, সেই সংখ্যান্থসারে স্থিতার্ছ-থণ্ডা ও **ওছিণল গ্রহণ** করিবা এক স্থানে রাখিবে। পরে তৎকালের চন্দ্রের গতিকে ৮৬০ আট শত বাইট হইজে হীন করিবে বাহা অবশিষ্ট থাকিবে, তাহাকে ঐ গুছিপল বারা ৩৭ করিবা ভণকলকে

গ্রাস	<b>বিভাৰ্ছ</b>	তদ্ধিপণ	গ্রাদ	হিত্য <b>ৰ্জ</b>	শুদ্ধিপল
0 1 20	0 1 22	3	33.10	2 1 89	3.6
0120	० । २२	2	24 1 0	ા છ	ەد
0 1 On	• ৷ ৩৬	*	• 1 0 4	ھ ا ھ	>0
0 1 80	» : 85	•	2010	७। २৮	> > 2
0 1 60	e 1 88	8	₹81 +		>>
ه ۱ د	0   @a	8	रेक्ष •	ত। ৫৭	>
2100	\$1.8	Œ	95   •	81 6	۾ ا
२। ०	51135	49	৩৬   ৬	B 1 7.p-	9
₹ 1 🖦	३ । ३०	to (	80   •	8 । २७	2
310	3129	ia	88   •	৪   ৩২	٥
810	3 1 8 0	9	6 <b>∀</b> l •	. 8 ; <b>0</b> 1	ی ا
61.	5   45	ъ	<b>६</b> २। ०	8   65	•
4.	۱ ۵	2	461 4	8 1 8 9	b
91 .	R 1 33	2.0	301 0	8   8¢	. 💆
b   •	3 (29	3.	<b>68   ■</b>	8   39	5
<u>  al •  </u>	२ । २१	3.		1 1	

১৯০ একশন্ত চাত্রণ দিয়া আগে দিলে বালা দক ব্টবে, তাহা স্থিত্যক্ষ-যণ্ডার আছে যোগু করিলে ক্ষম স্থিত্যক্ষ-মণ্ডালি হইবে ৷

পূর্ণিরার স্থিতিদগুকে ছই স্থানে রাখিরা তাহার একটা হইতে ওছ স্থিতার্ছ-নগুদি হীন করিলে যে আৰু হইবে, ভাষা চক্রগ্রহণের স্পর্ণদগুদি; অপর্টীর সহিত ঐ ভয় স্থিতার্জ-দ্থাদি বোগ করিলে যে আন্ধ হইবে, তাহা চক্রগ্রহণের মোক্ষমগুদি।

ধনি চক্তক টুট ইইতে পাতক টুট বিয়োগ করিলে হীনাক ৬ ছয় রাশির ন্যন হয়, তবে জিশানকোণে স্পর্শ হইয়া বায়ুকোণে লোক হইবে। আর যদি ৬ রাশির অতিরিক হয়, তাহা হইলে অবিকোণে স্পর্শ হইয়া নৈম ওকোণে শোক হইবে।

# मृर्ग्यादन-गर्गना।

ত্র্তাহণ সাধ্যের দিনে প্রথমত পূর্বপ্রক্রিয়ামতে অস্পিও, দিনক্স, পূর্বোক্ত ফুট-পাত, অয়নাংশ, অমাবস্তার অন্তিম দণ্ডের তাৎকালিক রবিচল্লের ফুট ও গতি প্রভৃতি গণনা করিয়া স্থির ক্রিতে হইবে।

#### নভানয়নং ৷

দিনাদ্ধদণ্ডান্তরপর্কদণ্ড: পূর্কাপরাখ্য: কথিতো নভোহত্র।

বে অমাবস্থার দিবস ক্র্রেইণের সন্তাবনা স্থির হইবে, প্রথমত কেই দিবসের অমাবস্থার স্থিতি-দণ্ডাদি এক স্থানে রাথিবে। পরে সেই দিবসের দিনমানকে চুই স্থাপ করিয়া ভাহার এক জাগ ঐ অমাবস্থার দিও হইতে অন্তর করিবে যত দণ্ড হইবে, ভাহার নাম নতদণ্ড। ঐ নতদণ্ড গুই প্রকার, প্রাভ্রমত ও গশ্চারত। যদি ঐ দিবসের অমাবস্থার স্থিতি-দণ্ড ঐ দিনার্কের ন্যন হয়, তাহা হইকে তাহার নাম প্রাভ্রমত এবং অধিক হইকে শশ্চারত হইবে।

#### লভনানয়নং ৷

চলাংশনংক্ষারবভোহরুণস্ত ভাপান্নভাল্প ইহাকুপাভাৎ ৷

পরে তদিবসীয় অয়নাংশের সহিত রবিক্ট বোগ করিলে যে রাঞানি হইবে, নিয়লিখিত থপ্তা-চক্রে সেই রালিতে নতদশুসংখ্যায় যে থপ্তা ও অন্থথপ্তা হইবে, ভাহা পরস্পর
আন্তর করিলে যে ভোগ্যায় হয়, তাহা ঘায়া ঐ নতদপ্তের শেষায় গলকে পূরণ করিয়া
৬০ বাইট ঘারা ভাগ দিয়া বাহা পর হয়, তাহা ঐ থপ্তায় সহিত যোগ করিলে বে আছ
হইবে, ভাহায় নাম লয়ন।

_
77.
¥
ন্ব বি
4
F
100
्र जिल्ला
R)
14/4
थित्रा
N
9
1 (2)
2
9
14
(T
5
8
꿃
Z
<b>Y</b>
$\mathbf{F}_{0}$
_
P
<u> </u>
हा इ
9
1
2
167
'n
衦
♨
-

  -    -	Satte	श्वारमी	<u> ज्यार</u> णो	श्राद्रभी	<u> इत्राप्त</u>	<u>७त्रात्म</u> े	ग्राटमी	रुआध्नी	भिग्राटनी	>॰ ज्ञारमी	ऽऽत्राच्नी
र्म स्र	र्ष जु	में क्रि	<u>क</u> हु	त्र क्रि	क्	म क्रि	भ खे	ने ब्रि	₽,	भे स्र	ार <b>क्</b>
0 80 0	2010	4180	4010	0 67	\$81€	4810	4010	4210	0122	0.00	010
5 5 5 7	8 × ×	×××	Sisa	\$158	0 × ×	4215	7.74	6.00	÷	98]	3   66
₽ 20 20	2 60	>I¢3	2 83	2189	0	4	2169	212.9	~ ~	~	200
2166	*!S	213%	250	\$ <b>\\$</b>	4212	ري اوي	00 ×	÷ ~	22.4	5135	\$6 <sup>1</sup> \$
<b>₹</b>	21.08 21.08	×183	3186	587	\$ P   \$	ভ ত	۸ 5	3	3163	760 S	4815
3130	200 ×	9 10	5	ভ	6539	9/10	ବ୍ୟବ	800	4159	>100	*
4812	₽# i/	9()0	3 20	2000	6189	<b>で</b>	ବ୍ଜୀବ୍ୟ	250	4 ISB	**	25
3108	<u>2</u>	633	3010	90	018	48.0	6.65	48 D	3163	213.0	213
\$ 00 m	₩.	6/2	\$185	6816	9	9000	<b>**</b>	4810	900	% 9i%	* N
\$ 18°	200	° श्र	2510	080	200	689	18 TO	688	(S)	21€3	<u>دو ادر</u>
3183	(Λ. (III	<b>ह</b> इ	683	200	\$ <b>9</b>  \$	° 20	2 4 9	300	400	<b>ড</b> ন	8 g ×
\$183	4160	\$7.0°	200	82,0	68.25 5	0 0	9.40	200	0188	900	A 8 7
%g √	8818	জ ক	9	•	500	9 21 0	× <del>4</del> ° °	\$80 0	9819	650	3160
<u>₹</u>	4183	30,5	550	0188	200	coic.	280	9 00 P	<b>でい</b>	2/10	<b>\$</b>  ₹
<u>م</u>	3015	₹18æ	200	8010	200	88 9	Anla ala	929	30,00	~ 0	2147
ر ان	2133	€ <u>0</u> /	•	\$\f\0	500	200	200	220	3/9	4<10	3166
200	0, 0,	4129	4812	800	5 54	200	<u>क</u>	97.6	0 VB	G132	2148
4129	4154	3136	\$0 ×	ر م	956	e.√.ē	क्रिंश	_		_	_
Å	٨	*	*	4	*	*	*	۶۹.	۶4	5.5	<b>.</b>

1	<b>√</b> ⊊		7				_			_								-		
	ऽऽब्राद्यी	¥ <u>`</u>	900	4515	NE.	8 2 7	o 0	<u>\$</u>	\$	35	\$ <b>₹</b>	O C	\$	0 64	र इ	900	<u>\$</u>	6,72	<del>درا</del> ه	5
	>-बाटनी	क्र क्र	<u>+</u> ::		2129	**	8	ক	~ 0	ଚୁ ଚୁ	48,0	5,63	995	00:00	28.0	686	8010	9 2460	Ø17@	**
D. KINI-II.	अवाटनी	16° ₹	2410	0810	7	\$189	2162	2.59	80. W	250	الم الم	000	4510	₹8.4	80	20	\$615	*	\$C.0	5
	<u>भियाद</u> न	16°	0120	281.	4.	× × ×	R P P	200	*5.5	3 3 6	<u>\$</u>	8 D . V	<del>১</del>	9,0	200	<del>र</del> ्	20	八万	3025	£.
7	श्वारम्	<b>भ</b>	\$ P	* 16 ¢	20%	2 69	4815	*	2155	2123	~~	200	8912	₹181≥	631%	P *	2189	93 ×	{ ≥I¢ 3	£.
ाणामध्यत साथ । युक्तिर्ता मध्यत्यात्रात्रा	<u> ७द्यार</u> णी	ार्ड क्री	08.4	200	2010	2 63	<b>₹</b>	\$1×°	¥!% ₽%!×	80. ₹	\$ \$ \$ \$ \$	% S S	\$18.2 1	×183	× 8×	8	n 6	8018	3100	от <i>Г</i> Р
コンシザー	<b>६</b> श्राप्त्री	हि क्	0 0 0	\$\ <u>\</u>	2:63	AC.	85 ~	% 18%	2163	2164	राद्रभ	200	3 4 6 8	\$10°	98.7	°*	2,52	817	सरुठ	7
12	8 ज्ञारको	हिं ह	58.	22.	V-49	3.70	~ 6 6 7 8 7	9	97.0	91%	8		\$ \$ 6	9	ळ ह	A IR A	2186	٠ ٠	2 Co	7.
F	अव्रादमी	ार्क क्रि	8	2 28	6 <u>8   4</u>	R 7 %	200	<u>و</u>	9¥8	900	\$816	68.8	\$8:6	95 0	ŝ	6 25	₹.	• জ	4812	F
44	श्वारमी	।ड <sup>*</sup> स <sup>*</sup>	4614	35.8	V 34	4159	200	<del>ড়</del>	* <u>~</u>	9 9 9	S 83	5 8 9	9960	€ IØ 8	্ব	<u>१८।</u>	2 0 0	97.9	9.15 0	52
	) दात्मी	<u>수</u>	₹610	> 20	8.5€	*	93.2	200	R 9	0.85	916	999	6162	ر <u>عار</u> ي	6 \$ 6	6.60 0.00	989	600	6 > 9	50
	•आटम्।	<b>ह</b> ै	8814	SIRE	¥.×	₩ 0   %	원 주	976	10 O	A819	9910	\$ 00 mg	***	e)i¢	P 49	ু <del>গু</del>	8819	89	क्षेत्र व	**

#### गरभागमानवनः।

#### ইহার নামান্তর দশলোদর।

ভাৎকালিকাদরনাংশযুক্তাদেকাদি লজেদর্থগুক্থ যথ। ভোগ্যাহতাংশাং পঞ্চণাশুমুক্তং নতিঃ সল্পৈত্তিদলাদিযুক্ স্বং । পঞানি লজেদিয়সংক্ষকানি বিশোধা শেষথ নিহতং শ্রেণ। ভোগ্যোদ্ধুতং শোধিতসংখ্যনিশ্বনারেণ যুক্তং দশ্যোদয়ঃ স্থাৎ ।

অননংশব্জ তাৎকালিক রবি-ক্টের রাশি-সংখ্যার নিয়নিথিত সংকাদয়-খঞা গ্রহণ করিবে। পরে ঐ খঞার ভোগ্য হারা ঐ বিবিয় ক্টের কংশাদিকে পূর্ব করিরা একজাতীয় করিলে বাহা হইবে, ভাহাকে ৩০ ব্রিশ দিয়া ভাগ করিলে বাহা লক হইবে, তাহা ঐ লকোদয়-খঞায় যোগ করিবে। পরে ভাহাতে পূর্বসাধিত সমনের সহিত নতমত যোগ করিয়া যাহা হইবে, ভাহা (ঐ ব্রুক্তাক মখন অমাবভার স্থিতিদশু-গণনা দিবলের বেলা ছই প্রহরের পূর্ব পর্যন্ত থাকিবে, ভখন) হীন করিলে বে অল হইবে আর ছই প্রহরের পর হইলে বোগ করিবে। ঐরগ যোগ কিয়া হীন করিলে বে অল হইবে, ভাহা হইতে যে রাশির সংখ্যার ঐ লকোদয়-খঞার অল বাদ দেওয়া সন্তব হল, সেই খগুটি ঐ ব্রুক্ত কিয়া হীনাকে বাদ দিয়া অবশিষ্ট য়াহা থাকিবে, ভাহাকে পাঁচ দায়া গুণ করিয়া বে অর হইবে, ভাহা এক স্থানে রাধিবে। পরে যে রাশির খণ্ডাটি বিয়োগ করা হইয়াছে, সেই রাশির ভোগাখণ্ডা দায়া ঐ পঞ্জিতি অলক ভাগ দিয়া যাহা সক হইবে, ভাহা এক হানে হালি করিবে। পরে বতসংখ্যক নাশির থণ্ডাটি হীন করা হইয়াছে, সেই বাথেক আলকে পাঁচ দারা পুরণ করিয়া ঐ পূর্বস্থাপিত অকে বোগ করিবে যে অল হইবে, ভাহার লাব লশমোলর।

লক্ষোদয়থণ্ডাঃ তদ্বোগ্যঞ।

<b>থ</b> ণ্ডা:	ভোগ্যং	व थाः	ভোগাং
8 1 24	8   6%	্ ৩৪ । ৩৮	8   42
à I ≎9	e। २७	ଏକ । ଏବ	£ 1 20
301 .	£   ₹5	84   -	€ ( ₹♡
২০ † ২৩	8 1 8 2	व । २३	6145
<b>94 1 29</b>	8100	<b>4€</b>   ₹₹	8 + ॐ⊬
ψ•   ·	8 1 01	<b>365   0</b>	ଖାଏ≽

### ক্রান্তিঃ হালানয়নক।

মধ্যোদ<mark>য়াখাণশণাক্ত্যাৎ ক্রিংশাধিকশেও ধরণাহিশুদা</mark>ৎ। ক্রান্তিঃ সদাহক্ষান্তরিতা শুভুগুঃ ক্রমেণ হারাঃ ভিরলঘনার্থম্॥

মধ্যোদরের অন্ধ বত হইবে, তাহাতে ১৫ পোনের যোগ করিবে, ঐ যোগাক যদি ৩০ ত্রিশের অধিক হয়, তবে তাহা ৬০ বাইট হইতে হীল করিবে। আর যদি ঐ যুক্তাছ ৬০ বাইটের অধিক হয়, তবে তাহা হইতে ঘাইট বাদ দিয়া বে অন্ধ থাকিবে, তাহা বদি ত্রিশের অধিক না হয়, তবে তাহার প্রথম অন্ধন্যায় নিম্নিণিত ক্রান্তি-থঙা এবং তাহার অনুধঙা গ্রহণ করিয়া উভয়কে অন্তর করিলে বাহা ভোগা হইবে, সেই আন্ধারা ঐ মধ্যোদরের বিতীয় ও তৃতীয় সংখ্যার অন্ধ পূর্ণ করিয়া একজাতীয় করিলে বাহা হইবে, তাহার নাম ক্রান্তি।

ভাগ ক্র	ভিৰতা:	<b>म्</b> ञानिकाताः	আ।পণ্ডাঃ
9	883	<b>७</b> +↓ =	₹ €
۵	863	७०। २५	¢ •
₹2	44.	७३ । २२	98
99	862	رية إفرة	<b>₽</b> ►
q.	263	P\$ 1 85	১২০
b-0	600	के । ३७	<b>787</b>
209	৮৫৩	98 1 33	202
১৩৭	୯୬୯	Fo 189	>96
>90	140	৮৯ । ৪২	798
₹+₫	988	3-21 2	२०५
रेडर	140	32010	२५२
২৮ -	198	284 1 20	२२४
ate.	725		२७४
≪a.	127		২৩৯
6++	<b>b</b> • •		₹8,
54	90	35	54

আকাৰ ৭৮৮।৩২ এর সহিত ঐ জান্তির অন্তর করিয়া হারা হইবে, ভাহাকে ১০০ এক নত দিয়া একবারমাত্র ভাগ করিলে যাহা লক হইবে, তংসংখ্যায় হারণগু ও অত্থণ্ডা দাইরা পরস্পার অন্তর করিলে যাহা ভোগ্য হইবে, তত্মারা ঐ শতক্ত-লবশেষ অন্তর্ক গুণ করিয়া ১০০ একশত ঘারা যথামতে ভাগ দিয়া লকার গণ্ডার সহিত যোগ করিলে যাহা হইবে, ভাহার নাম হার।

## স্ফুটনভানয়নং।

তথাবিধার্কাংশবড়ংশমধ্যোদরান্তরে। यः ग নজঃ ক্ষুটঃ স্থাৎ ।

অয়নাংশযুক্ত রবির ক্টের রাজাদিকে অংশাদি করিয়া থাহা হইবে, ভাহাকে ৬ ছব দিয়া ভাগ দিলে যাহা লব্ধ হয়, ভাহা পূর্বসাধিত মধ্যোদ্যের সহিত অন্তর করিলে বাহা হয়, ভাহার নাম ফুটনত।

#### **ভির্লখনানয়ন**ং :

জিংশাহিকশেচৎ ধরসাঘিলোধ্যঃ পুন: শরক্ষাধিকভঃ ধরামাৎ। নতক্ষ্টক্ষ্যা বিজ্ঞা ঋহারৈদিগুটিকং তৎ ছিরল্খনং স্থাৎ॥

শ্চু টনত যাহা হইবে, তাহা যদি ৩০ জিশের অধিক হয়, তবে বাইট হইতে বাদ এবং যদি পোনেরর অধিক হয়, তবে ৩০ হইতে বাদ দিরা মাহা হইবে, তাহার প্রথমান্ধ সংখ্যার ল্যা থণ্ডা ও অনুধণ্ডা পরস্পর অন্তর করিলে যাহা হইবে, তাহার হারা ক্টুনতের শেষাক্ষক গণ করিয়া তা গুণিতাক্ষকে ধাইট হারা ভাগ দিয়া গলান্ধ জ্যা-বণ্ডার গহিত যোগ দিশে যাহা হইবে তাহার নাম জ্যা। তা জ্যার অক্ষকে পূর্বসাধিত হারান্ধ দিয়া ভাগ করিলে যাহা লব্ধ হইবে, তাহার নাম হিরলহন।

# क्यूडेनगर्यानग्रानश्नः।

উনাধিকং যৎ ছিরলস্বনং স্থাৎ মধ্যাৎ খলগ্পত তদূনযুক্তম্। পশ্চান্তে পূর্বনতে ভু বামং ভৎকালমধ্যোদয়মেডছুক্তম্।

পূর্মপাধিত নয়ন ও স্থিরলয়ন এই উভয়েকে অন্তর করিলে যে অরু হইবে, তাহা এক য়ানে রাখিবে। পশ্চায়তকালে যদি পূর্মবিলয়ন ছইতে স্থিরলয়ন ন্যুম হয়, তাহা হইকে য়বায়ায়য় হইতে ঐ স্থাপিত আরু হীন, আরু অধিক হইলে বোগ করিবে। প্রাঙ্নতকালে য়ি পূর্মবিলয়ন হইতে স্থিরলয়ন ন্যুন হয়, তাহা হইলে ঐ মব্যোদয়ে যোগ এবং অধিক ইইলে হীন করিবে। এইরল প্রক্রিয়ায়ারা যাহা হইবে ভাহার নাম ক্ট্রসার্যায়র।

#### মভ্যাময়নং।

এবং খলগ্নাৎ শয়চন্দ্রযুক্তাৎ ত্রিংশাধিকশ্বেৎ শর্মাৎ বিশুদ্ধাৎ।
ক্রান্তিঃ থথেবিশুযুক্তাকহীনা শকেন ক্রস্তা নতয়ঃ ক্রমেণ।

এই তাৎকালিক দশমোদরের সহিত ১৫ পোনের যোগ করিলে যদি জিশের অধিক হয়, ভাহা হইলে ভাহাকে বাইট হইতে হীন করিয়া যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, ডাহার প্রথম অস্ক্রণায় পুনরায় জ্রান্তি-থণ্ডা এবং ভাহার অস্কুথণ্ডা গ্রহণ করিয়া পরস্পার অন্তর্ম করিলে যে ভোগ্য হইবে, ভস্বারা ভাহার বিভীর ও তৃতীর অক্ককে পূরণ করিয়া এক লাভীর করিলে গে আরু হইবে, ভাহার নাম ক্রান্তি। ঐ ক্রান্তিতে ১৫০০ পোনের শত যোগ করিলে যে আরু হইবে, ভাহার নাম ক্রান্তি। ঐ ক্রান্তিতে ১৫০০ পোনের শত যোগ করিয়া ভাহা হইতে ৭৮৮০০২ অক্লাক্রনে বিরোগ করিলে যাহা অবশিষ্ট থাকিবে, ভাহাকে ১০০ একশত দিয়া একবার মাত্র ভাগ দিবে, পরে ভাগফল সংখ্যার নতথণ্ডা ও অস্কুথণ্ডা লইয়া পরস্পার অন্তর করিলে যাহা হইবে, ভাহার নাম ভোগা। ঐ ভোগালারা শতর্ভ শেবাক্রকে গুণ করিয়া যাহা হইবে, ভাহার নাম ভোগা। ঐ ভোগালারা শতর্ভ গোগকল সতথণ্ডার সহিত বোগ করিয়া যাহা হইবে, ভাহার নাম নাত।

### শুক্তাদিনতিগণ্ডাঃ।

0	2	3.9	33		
२२८ । २४	382   35	२७३   ६३	₹ <b>₽</b> 5   85		
१२०। ७৮	२७१ । २७	२६३ । ६२	२৮६ । ३	<b>৭৮৮/৩</b> ২	P-4912
444 1 29	२७० । ८७	₹45   €5	२५०। म	তত্ৰাক:	তথাক:
२२५ । ७५	२७० । ७४	550 1 22	२१० । ७	e15+	¢ 8#
२२५ । ५८	२२१। ६७	₹8¢   ₹9	२१० । 💰	বলে জ্বারা	राजाः म्हाग

### ক্ষুট্**দর্শদ**গুৰিয়নং।

দশন্তিতে। বস্থনহীনমুকাৎ নশস্তিনাড়ী হ্যধলাৎ ক্টাত্র । পৃৰ্ধনাধিত স্থিনসমনে আঙ্নতসমনে অমাৰতার হিভিদ্ও হইতে হীন ও প্ৰচালত সমনে বোগ করিবে বাহা হইবে, ভাহার নাম ক্ট্রন্তিও।

#### (शंक्थनः।

চ**জক ভূকিঃ হিরলখনম। বট্টা** বিভক্তা ভূ কলাদিকং ক্যাৎ। দশাস্বকালীনরবৌ দিনার্ছাৎ খণং ধনং গ্লোঃ ক্ষুট্দর্শকালে ॥ তৎকালিক চক্রপতিকে বিরশ্বন বারা ৩৭ করিলে বাহা হইবে, তাহাকে বাইট দিল্লা ভাগ দিলে ভাগকল কলাদি হইবে। ঐ কলাদিকে প্রাঙ্নতসমনে তাৎকালিক রবির ফুট হইতে হীন ও পশ্চামতকালে যোগ করিলে বাহা হইবে, ভাহার নাম মৌ ভর্মাৎ ফুটদর্শদগুলমবের চক্রফুট।

### শরঃ ক্টশরানয়নক।

ত্রিভোনভংকালবিধাের্বিপাতাং বড়্ভাধিকায়ওলভা বিশুদ্ধাং। কলাকুভাং নাগহভাং খনন্দ্রামেনুভূনাদ্রণখেনুভক্তঃ। শরঃ স নভ্যন্তরিঙঃ ক্ষ্টা স্থাং গ্রাসম্ভ মানৈক্যদলাবিশুদ্ধঃ।

ঐ ফুটনর্শবস্তসমবের চক্রফেট বইতে তিন বালি বাদ দিলে যদি তিন বালির ন্যুম হঃ, তাহা হইলে ঐ চক্রফুটের রাশিতে ১২ বার বোগ করিব। তিন রাশি হীন করিবে মহা হইবে, তাহা হইতে ঐ দিবসের ফুটপাতকে বিয়োগ করিবে। যদি ঐ আৰ ৬ ছর রাশির অধিক হয়, তবে তাহাকে ১২ বার রাশি হইতে হীন করিরা বে রাশ্চাদি হইবে, তাহাকে কলা করিয়া ৮ আট দারা ৩০ করিবে। ঐ অইগুণিতাক হইতে ১৫৩৯০ পোনের বাজার তিন শত নকাই বাদ দিলে যাহা শেষ থাকিবে, তাহাকে ১০৩ এক শত তিন দিরা ভাগ দিবে। ঐ ভাগফশের নাম শব।

ঐ শর্কে পূর্বনাধিত নভির সহিত অন্তর করিলে অবশিষ্ট অন্ধ বাহা থাকিবে, তাহার নাম স্ফুটশর :

#### **इन्ह्यानान्यनः**।

চল্লগভিষন নিল্লা নথকুভলকা সুধানি ধেৰ্মানং।

ইহার **অন্ত**বাদ চক্রগ্রহণে লেখা হইরাছে ৷

#### द्वविभागान्यमः (

হবিপ্তিরপ্রাণয়া বেদ্দুগাঞ্চা রবের্দ্মানং।

তাৎকালিক রবির শুদুটগতিকে ৫৭ সাতার ছারা গুণ করিয়া যে অহু হইবে, তাহাকে ১০৪ এক শুক্ত চারি দিয়া ভাগ দিলে যাহা লভ হইবে, তাহার নাম রবিষান।

#### গ্ৰাদানয়নং ।

শ্রাফ্রাহক্বোগার্দ্ধ বিক্ষেপবর্জিত থাসঃ। ঐ চন্ত্রান ■ রবিয়ান এই উভয়মান খোগ করিলে যাহা হইবে, ভাহাকে হই যারা জান বিশ্ব ভাগদল হইতে পূর্মসাধিক ক্টশরতে হীম করিলে বাছা হইবে, ভাছার নাম প্রাম । বছি ঐ ভাগদল হইডে কুটশর অধিক হব, ভবে গ্রহণ হইবে মাঃ

#### স্থিতার্দ্ধানয়নং।

প্রাসার্প্যভাৎ স্থিতিনাড়িকার্ধিং তথাজনভ্রিং রবিচক্সমানং।
নবর্তুনাগেন্দুভিরজনাগশৃন্থাকিভির্যবিবরং রবীন্দ্রোঃ।
প্রাথ্যভোগ্যেন হতং বিভক্তং কুবাগচক্রৈগজনেবভাভিঃ।
লব্বে প্রে ভঃ সহিত্র ভার জাদেব মধ্যন্থিতিমাডিকার্ধিং।

#### ক্পৃথিকালমোক্ষক।লগন্যন।

প্রাসাক-সংখ্যার ত্র্যপ্রহণের বিভার্ক-গণ্ডা বাহা হইবে, তাহা এক স্থানে রাণিবে।
পরে রবিমানকে ৬০ ধাইট ছারা পূরণ করিলে বে অক হইবে, তাহা ১৮৬৯ আঠার শণ্ড
উননন্তর হইতে হীন করিয়া বাহা থাকিবে, ভাহাকে প্রাসাত্ত-সংখ্যার রবিয় ভদ্ধিশন দারা
গুণ করত এক শভ্ত একার দিলা ভাগ দিলে বাহা লক হইবে, তাহা এক স্থানে রাণিবে
এবং ঐলগ্ চন্দ্রশানকে ৬০ বাইট ধারা পূরণ করিয়া পুরিভাত্তক ২০৮৯ কুড়ি শভ্ত উননবরই
হইতে হীন করিলে বাহা অবশিষ্ট থাকিবে, ভাহা ঐ প্রাসাত্ত-সংখ্যার চন্দ্রের ভদ্মিশন ছারা
পূরণ করিয়া ৩০৮ তিন শভ্ত আটানিশ ছারা ভাগ দিবে। পরে ঐ ভাগত্তন পূর্কভাগিত
রবির ভাগত্তবের মহিত যোগ করিয়া ঐ পূর্কভাগিত স্থিতার্জ-থণ্ডার সহিত যোগ করিয়া ঐ পূর্কভাগিত স্থিতার্জ-থণ্ডার সহিত যোগ করিয়া ঐ পূর্কভাগিত স্থিতার্জ-থণ্ডার সহিত যোগ করিয়া ঐ

#### অথ গ্রাসক্রমাৎ স্থিত্যুদ্ধানি।

3 1 20     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       3 1 30     5 1 8     5 1 50     5 1 50       4 1 50     5 1 50     5 1 50     5 1 50       5 1 30     5 1 50     5 1 50     5 1 50       6 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       7 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       8 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1 50     7 1 50       9 1 30     7 1 50     7 1	₩	br .	br	725
> 1 20     2 1 3     2 1 30     2 1 30     2 1 20       > 1 20     > 1 60     2 1 30     2 1 20     2 1 20       > 1 30     > 1 60     2 1 30     2 1 20     2 1 20       > 1 30     > 1 60     2 1 30     2 1 20     2 1 20       > 1 30     > 1 60     2 1 30     2 1 20     2 1 20       > 1 30     > 1 60     2 1 30     2 1 20     2 1 20       > 1 20     2 1 3     2 1 20     2 1 20     2 1 20	2 1 194	र। १	र। २२	र । <b>२</b> ৮
> 1 >p     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp       > 1 2 2 3 1 qp     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp       > 1 2 3 1 qp     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp     > 1 pp     > 1 qp	2102	₹ ! \$	२ । २५	₹ १३७
2122 2188 5128 5158 215 2160 5128 5158 0162 2186 5125 5158	\$ 1.30	3 1 3	<b>३।३</b> ०	२ । २৮
0   65   5   86   2   52   2   28   5   2   2   2   2   2   2   2   2   2	3136	> 1 @/	२ । ১৮	२ । ३१
-162 2186 5125 5158	2   22	> 1 (8	5120	२ । २७
	\$13	3 1 40	2138	३।२⋭
1 0 1 00   3 1 45   4 1 50	• i ¢5	2   84	२१ ५२	₹   ₹8
21.00	0 1 0%	> ৮৪২	4   30	र । २०

ৰণ গ্ৰাসাথ	ا , د	6	চহ্মপুল-	2.60	29
রবি পশ	9	4	ভোগ্যং	> 21	22
ভোগ্যং	٠	., <b>ė</b> .	0	59	\$ 75
>	8	4	V .	59	64
>		Œ	>-	> 9	35"
2	8	¢	>>	\$ <b>5</b> -	>5-
,		4	>ર	>6	36-
*	8	¢	>0	2№	59
₹	8	e	>3	>>	33
2	8	ь	>6	>>	
2	8	•	24	75	>7
١	9 1		36	ac.	1
a	52	95	3+	48	૭૨

খিভার্মদণোনিভমধ্যদর্শদণ্ডোইস্ত স্বস্থান্ধত উন্যুক্তঃ। তংকালজেন স্থিত্তমন্থানেন স্পর্শন্ত কালস্ত বিনিদ্যাঃ স্থাৎ ॥ খিভার্মদণ্ডেন যুভাক্ত ভ্রম্মোক্ত কালোহদি ভ্রন্থান্যানঃ।

প্রকীর্তিত। যা ক্ষুটদর্শনাড়ী স এব মধ্যো ধ্রহণক্ষ কাল: ।

পূর্বাসাধিত ক্ট্রপ-দও-পলকে ত্ই স্থানে বাধিবে। পরে উহার একটার সহিত বিতার্থ দও-পলকে হীন করিলে ত্র্যগ্রহণের স্পর্শনত হইবে। ক্ষমন্তীর সহিত বোগ করিলে ঐ ত্র্যগ্রহণের সোক্ষাও হইবে।

গ্রহণকালীনরবিচন্দ্রেয়া**র্শ্বেমা**চ্ছাদ্না**নাচ্ছাদ্নকারণ**ে।

রবিভৌমনবাংশে ভূ নিরজং গ্রানমাদিশেং।
বৃধদৌরিনবাংশে ভূ মলিনং ক্ষুত্তবর্ণম্ ।
গুরোরংশক্ষাসাক দৃশুভে স্বলাহকঃ।
শশিশুক্রনবাংশে ভূ প্রারুট্কালে মহক্ষলম্ ।

রবি ও মন্ধনের নবাংশে গ্রহণ হইলে মেঘণুন্ত গ্রহণ নর্শন হয়। বৃধ ও শনিব নবাংশে গ্রহণ হইলে ছবিনরপে দর্শন ও বিন্দু বিন্দু বর্ষণ হইবা থাকে। বৃহস্পতির নবাংশে গ্রহণ হইলে মেঘের সন্ধিত গ্রহণ দর্শন হয়। তক্ত ও ভাজের নবাংশে গ্রহণ ইইলে বর্ষাকানে অভিশব খৃত্তী হয়। চক্রপ্রতণে স্পৃশীদক্নির্গয়মাহ।
চক্রপ্রহে বাম্যশনে আপ্নেয়াং স্পর্শনং ভবেং।
নৈশ ত্যান্ত ভবেশোকো জ্যোতির্কিন্তিনিম্নলিত: ।
চক্রপ্রহে সৌম্যশনে ঐশাক্তাং স্পর্শনং ভবেং।
বারবান্ত ভবেশোকো জ্যোভির্কিন্তির্নির্নলিত: ।

চল্লপ্রহণ-গণনাতে যে শরসাধন উক্ত হইরাছে, সেই শর ছই প্রকার; বান্য ও সৌন্য। যে চন্দ্রগ্রহণ-গণনার যাম্যশর হইবে, সেই গ্রহণে চক্রমণ্ডলের অগ্নিকাণে স্পর্শ এবং নৈপ্তকোণে মুক্তি হইবে, আর যদি সৌন্যশর হয়, ভাহা হইকে ঈশানকোণে স্পর্শ এবং বায়ুকোণে মুক্তি হইবে, জ্যোতি র্বিং পশ্তিভগণ ইহা নিরূপণ করিয়াছেন।

সৃধ্যগ্রহণে স্পর্শ দিক্নির্ণয়মাই।
স্থাগ্রহে যাম্যশরে নৈথাজাং স্পর্শনং ভবেং।
সাংগ্রহান্ত ভবেন্ধান্দো জ্যোভির্নিন্তির্নিরূপিভঃ ।
স্থাগ্রহে সৌমাশরে বাহ্নব্যাং স্পর্শনং ভবেং।
গ্রশাস্থান্ত ভবেন্ধান্দো জ্যোভির্নিন্তির্নিরূপিভঃ ।

প্রতিষ্ঠে বে শরসাধন উক্ত হইরাছে, ঐ শর বিদ বাষ্যাশর হর, তাহা হইলে প্র্যান্ত বছর নৈথাতিকোণে স্পর্শ এবং অধিকোণে মুক্তি হইরা থাকে। আর প্র্যাগ্রহণে সৌষ্যাশর হইলে প্র্যামগুলের বায়ুকোণে স্পর্শ এবং ঈশানকোণে মুক্তি হইবে। জ্যোতিকিং গণ্ডিভগণ ইছা নিরূপণ করিয়াছেন।

### **মণ্ডল**বৰ্ণমাহ ৷

অন্ধাদুনং সধুমং স্মাৎ ক্রফমন্ত্রাধিকং ভবেং। ভাাগে বিশ্বং ক্রফভামং ক্লিগং সকলগ্রহে।

প্রহণসমরে চন্ত্র এবং প্রমণ্ডল কোনু বর্ণ হইবে, তাহা লিখিত হইতেছে।—বলি প্রাপ আর্থেকের ন্যন হয়, তাহা হইবে চন্তর বা প্র্যমণ্ডল ধ্য়বর্ণ হইবে। আর্থ্যের অতিরিক্ত প্রাণ হইবে মণ্ডল কুঞ্বর্ণ হয়। আর সম্পূর্ণ গ্রাদ হইবে মণ্ডল কপিলবর্ণ হইবে এবং উহার মৃক্তিলময়ের মণ্ডল ক্লে ও ভারতর্ণ হইবে।

বাম্যদেশিয়শরজ্ঞান্যাহ গণপতিভট্টিঃ। একাদিবিবনে লক্ষে বাস্থাং সৌম্যন্ত ব্যাকে। নদ্ধাভাবেহপি সৌম্যন্ত শর এব প্রকৃতিভঃ॥ ধারা ও দৌন্যপর কাহাকে কহে, তাহা বলা হইজেছে। পরসাধনসময়ে সপ্তবিংশতি গত দারা ভাগ করিবা সভাই ইজাদি বিষমান্ত কর হইলে বে শর হইকে, তাহাকে ধার্যপর এবং ঐ ভাগকল বদি বান্ত্র্য হয়, তাহা ইইলে তাহাকে দৌরা শর কহে। আর বৃদ্ধি সেই ভাগকলে গত্ত • পুত্ত হয়, তাহা ইইলেও গেই শর দৌর্যপর বদিরা ক্ষিত হইবে।

## সিদ্ধান্তরহস্থমতে চম্দ্রগ্রহণের উদাহরণ।

(১৮٠٠ শকের ২৮ শে প্রাবণ)

চন্দ্রপ্রাহণ গণনা করিতে হইলে প্রাথমে গ্রহণ সম্ভাবনা আছে কি না দেখিতে হইবে।
কুতরাং এছলে সংক্ষেপে ভারারই উল্লেখ করা বাইতেছে। যথা—

পূর্ণিমার অবিষয়মহে ববিক্ট ও ক্টপাত এই উভরের অন্তর করিলে যদি ১৩ এরোদশ আশে হর, ভাষা হইলেই চক্তএছণ হইবে। এইরপ ক্রিএছণ গণনা করিবার সমর অমাবভার অভিমসময়ে যদি রবিক্ট ও ক্টপাত এই উভরের অন্তর করিলে দশ আশে হর, ভাষা হইলেই ক্র্যুগ্রহণ হইবে।

ঐ দিবস পূর্ণিমার অন্ধিম দণ্ড ৫৯/১৫, অন্ধণিশু ২৮৭, দিনবুল ১-৪৯৫২, দিনমান দণ্ডাদি ৩২/২০, দিনবুল ১৯৯৫, তাৎকালিক রবিষ্ণা ৩২৯৫০)৪, তাৎকালিক চক্রমধ্য ৯/২এ৪৩/৬, তাৎকালিক চক্রমধ্য মধ্য ১০৮/১৯৫০১, তাৎকালিক চক্রমধ্য ৯/২এ৪৩/৬, তাৎকালিক চক্রমধ্য ১০৮/১৯৫০১, তাৎকালিক চক্রমধ্য ১৮৫০১, তাৎকালিক চক্রমধ

### স্ফুটপাত আনয়ন।

দিনবৃশ্ব ১০৪৯৫২ কে কুজি বামা ভাগ করিলে ৫২৪৭।০৩ হয়। ইহাকে এক হানে পৃথক্
করিয়া রাখিতে হইবে। পরে দিনবৃশ্ব ১০৪৯৫২ কে ও ছয় বারা পূরণ করিলে ৬২৯৭১২
হয়। ইহাকে ১৯৯৯ বারা ভাগ করিলে ৩১৫০।৪৮।৩৭ হয়। ইহা পূর্বাক্ত কর্মার
৫২৪৭।৩৬ এর সহিত বোগ করিলে ৫৫৬২।০৬।৪৮।৩৭ অংশাদি হইল। অব্দিশু ২৮৭ কে
১৫০ বারা ভাগ করিলে লক্ক ১।৫৪।৪৮ ছইল। ইহা পূর্বাক্ত অর্থাৎ ৫৫৬২।০৬।৪৮।০৭
ইহার বিকলাদিতে বোগ করিলে ৫৫৬২।০৬৫০।৩১।৪৮ হয়; ইহা অংশাদি। ইহাকে নিশ্ব
হারা ভাগ করিলে লক্ক ১৮৫ রাশি হয় ও অবশিষ্ট ১২ অংশ থাকে। ঐ ১৮৫ রাশিকে

ইহাকে কেছ কেছ ব্রেণ্ট হও ব্রেণ । কারণ ইহা বধারাজির কুটসাপনে বােগ করিতে বইবে।

বধারাজির প্রেল ইইবেও হইকে ইহাকে হালেই লঞ্জ বলা বাইত।

বার হারা ভাগ করিকে অন্সিট ও রাখি থাকে। ইহা কেপার অভ্যথনে হইতে
বিরোগ করিলে ৯২০০০১৯০৮ প্রকে, ইহার বায় ফুটগাত।

১৮০০ প্ৰের ২৮ শে আৰণ পূর্ণিয়ার শেব সময়ের ছবিক্ষুট অংবংগ্রহণত, ক্টপাত ৯৷২০৷৩৬৷২, এই উষ্তের অন্তর-রাষ্ট্রালি ৫৷২২৷৫৮৷২৯, ভিনারাশির অধিক হওরাতে হয় বাশি হুটুভে শোধিত করিলে ৭৷১৷৩১, অংশাদি হব, ইহার কলাদি ৪২১৷৩১ কে ৪১ একচল্লিশ দার৷ পুরণ করিলে ১৭২৮২/১১ হয় ; ইবার খোল ভাগের এক ভার করিবে ১৮৮০৮ বিয়োগ করিলে ১৬২০২াত **অবশিষ্ট থাকে, পরে ভূ**র্য্যগতি ৫৭াত কে ১০৪ দির। পুরণ করিলে ৭৭০৫ হয়। ইহা পূর্বান্ধ অর্থাৎ ১৬২ •২া০ এর দহিত যোগ করিলে ২৩৯ •৭া০ হইল, ইহা হইতে ১৯৬৫ বিরোগ করিলে ২১৯৪২।০ অবশিষ্ট থাকে। ইহাকে চল্রের গতি ৭৪৭ দারা বিতক করিলে লক্ষান্থ ২৯/২২ হয়। ইহা ৪৩/২০ এই অন্ধ হইতে বিরোগ করিলে ১৩/৫৮ অবশিষ্ট খাকে, ইহার নাম গ্রাস। এই গ্রাসকে তুই স্থাকে রাখিতে হইবে। এক স্থানের প্রাসকে ছারণ হার। পূরণ করিলে ১৬৭।৬৬ হর। অপর স্থানের প্রাদের সহিত ১০ রশ বেগি ক্রিলে ২৪ হর। ইহা ছারা পূর্ব্বাক পর্যাৎ ১৬৭।৩৬ কে ভাগ করিলে ৬৫৯ লব হয়। ইহা ঐ দিবদের গ্রহণের স্থিতিদণ্ড। এই স্থিতিদণ্ডকে ২ জুই দারা ভাগ করিলে তাংসাঞ হর, ইহা পূর্ণিয়ার অভিযুদ্ধ অর্থাৎ ৫৯/১৫ পলের সহিত বিরোগ এবং বোগ করিতে हरेटर । विद्याशक्त ca।se।०० क्राः (वाशक्त ७२।३३।०० ; विद्याशका श्रद्धात व्यर्भकातः। - (बानकरण खहरनंत्र ) बाककाण । अहे शहरनंत्र भाक्तकान वाहिने मरशत अधिक हरेतारह, আছএৰ মোক প্রদিবৰ হইবে। চন্ত্রেরতথের স্পর্ণ ও,মোককাল হইতে দিনমান বাদ দিলে রাত্রিমান হয়। ৫৫।৪৫।৩০ হইতে দিন্যান দও ৩২।২০ বিয়োপ করিলে ২৩।২৫।৩০ থাকে, ইহা বাজিনতের পার্শকাল। গ্রহণের ন্বিত্যানি এইরূপে বিধিতে হইবে। যথা-**চন্দ্রগ্রহণ রাত্তি ২০ দণ্ড ২৫ পদ ৩**০ বিপদ গতে স্পর্শ এবং প্রদিনে ২ দণ্ড ৪৪ পদ 🗫 বিশ্ব গতে বোক। বিভি 🗢 দও ৫৯ গব।

# সিদ্ধান্তরহস্থমতে সূর্য্যগ্রহণের উদাহরণ।

( ১१७६ भरकत १ हे ८गोर )

ঐ দিবস অবাবভার অন্তিম দশু ১১।১৮, অন্তর্গিও ২৫২, দিনবুল ৯২২৯১, দিনমান দশুদি ২৬।২২, দিনার্ছ ১৩১১, মিশ্রনও ৪৩১১, ইনিষ্টেরও ৩১৫৬, অরলংশাদি ২০।১০।১২, তাংকালিক রবিমধ্য ৮০১।৪২ তাংকালিক চন্দ্রমধ্য ৮০৩।২৭৩৫ চন্দ্রকেন্তের মধ্য ১০১৭৪৪ তাংকালিক রবির গতি ৬১।২৩, তাংকালিক চন্দ্রমুট ৮০৭১৪৪ ক্রুট্রালিক রবির গতি ৬১।২৩, তাংকালিক চন্দ্রমুট্র ৮০৭১১৪ ক্রুট্রালিক চন্দ্রমুট্র ৮০৭১১৪ ক্রুট্রালিক চন্দ্রমুট্র ৮০৭১১৪ ক্রুট্রালিক চন্দ্রমুট্র ৮০৭১১৪ ক্রুট্রালিক চন্দ্রমুট্র চিন্নার্বণ

ह्यात्रहरून क्षिक इर्देदाहरू अपर कृष्टीति जानियात केशास्त्रभाति निकासहरूक विशिध वर्षेत्रहरू

#### নতানয়ন চ

দিনার্ক ১৩১১ ও পর্যাদত ১১১৮ এই উভরের অন্তর করিলে ১৫০ হর। ইহার নাম নতদত্ত। দিবা গুই প্রহরের পূর্বে গ্রহণ হইবে, এমস্ত ইহার সংজ্ঞা প্রাঙ্কত হইক। প্রাঙ্-নতদত্ত ১৫০।

#### লস্থন আনিয়ন।

ভাৎকালিক অন্নাংশ ২০০১০।১২ রবিন্দুট চাংগাচাংচ এর সহিত ঘোগ করিলে বোগআহ চাংগা১৭।৪০ হর ; ইহার নাম সামল রবি। প্র্রেছণে নভক্ত-সংখ্যার লক্ষন আমিবার খণ্ডাভে (৮ রাশৌ আঙ্লতে) এই কোর্চান্ত নভক্ত সহেও এর সংখ্যার একের খণ্ডা

।২৮ ও পর্থপ্তা ০০ং এই উভরের অন্তর করিলে ০০২০ হয়, ইহার নাম ভোগা। ঐভোগা

দিয়া অবশিষ্ট আছ ৫০ কে পূরণ করিলে ১৫০৭ হয়, ইহাকে বাইট বারা বিভক্ত করিকে

২৫০০৭ হয়, ইহা খণ্ডা ০০২৮ এর সহিত যোগ করিলে ০০২০০০৭ হয়, ইহার নাম

মধ্যক্ষণ।

#### मद्यानिय जनियन।

জননাংশনুক্ত মবিক্ষৃত চাংগাসচাওক, ইহার সংখ্যার অন্তোদ্যথন্তা তহাতণ, পর্ণপ্তা ৪৫০ক, ইহার অন্তর থাংও এর নাম ভোগা। এই ভোগাহারা অননাংশনুক্ত রবিক্ টের অংশাদিকে পূরণ করিকে ১৪৭াসংহাংক হয়; ইহাকে বিশ্ব হারা ভাগ করিকে ৪।৫৪াও হইল এইলা লক্ষান্যথন্তার সহিত বোপ করিকে ৪৪াওসাও হয়। পূর্বনাধিত মধ্যলম্বন কারেওও, প্রাপ্ত নত মন্ত হার পূর্বান্ধ হারভাবণ, প্রাপ্ত নত মন্ত ইহা পূর্বান্ধ হইছে বিয়োগ করিকে বিয়োগকল ৪১।৪৪া২৬ হয়; ইহা হইছে লক্ষোন্যথন্তা ওচাওণ বাদ দিতে হইবে; স্করাং ইহা পূর্বান্ধ হইছে বিয়োগ করিলে ২০০২৬ অবলিট থাকে। ইহাকে প্রাচন্ধার পূর্বান্ধ হবলে ১০০৭০ হয় ৮ রাশির লক্ষোন্যথন্তা ওচাওণ বিয়োগ করা হইনাছে, উহার ভোগ্য হলেও, ইহান্যারা পূর্বান্ধ ১০০৭০ কে ভাগ করিলে বর্মান্ধ গ্রান্থ হিয়োগ করিলে ১০০৭০ কর লাভ করিলে বর্মান্ধ শুলা বিয়োগ করা হইনাছে, অভএব ৮ কে ৫ পাঁচনারা প্রবান্ধ হবলে ৪০ হয়। ইহা পূর্বান্ধ অর্থাৎ স্বেধন্য করা হইনাছে, অভএব ৮ কে ৫ পাঁচনারা শুল করিলে ৪০০৮২১ হিলার মধ্যেদির ৮ মধ্যেদিরের বিশেষ সংজ্ঞা দেশনোদ্য।

#### ক্রোন্তি ও হার আন্মন।

বাংশ্যাদর এ১।৫৮/২১ -এর পৃথিত ১৫ পোনেছ: যোগ করিবে ৫৬/৫৮/২১ হয় 🕮 ইছা

৩০ ত্রিশের অধিক হইরাছে, এমছ ৬০ বাইট হইতে বিরোগ স্বরিদে বিযোগদ্ধ পাঞ্জ ছর, ইছার প্রথমায় ৩, ইছার সংখ্যায় ক্রাক্তিথ্ডা গ্রহণ করিছে হইবে। ও সংখ্যার ক্রান্থিখণ্ডা ২১, পরপ্রতা ৩৭, উভরের <del>অন্তর</del> করিলে ভোগ্য ১<del>৬ হয়। শেবাছ ১।৩১ কে</del> চোগ্য ১৬ ছারা পূরণ করিবে ২৬/২৪ হয়। ইহাঞে বটিবিভক্ত করিবে া২৬/২৪ ইইল; **ইচা থঙার স্ঠিত বোপ ক্রিলে ২১**।২৩।২৪ হর । ই**চার নাম** ক্রান্তি।

ঐ ক্রান্তিকে স্বস্থা দেশের অক্ষাক্ষ হইতে অন্তর করিলে যে অস্ক হইবে, ভাহাকে শতবারা ভাগ কবিতে হইবে। আমাদের দেশের (কলিকাতার) অকার ৭৮৮৩২, ক্রান্তি ২১/২৬/২৪, এই উভরের অন্তর ক্রিলে ৭৬৭/৫/৩৬ অবশিষ্ট থাকে ৷ ইহাকে একবার ১০০ এক শতবারা ভাগ করিলে ল্ডাড় ৭ ও শেবার ৬৭:৫।৩৯ থাকে। ল্ডার ৭ নাভের সংখ্যার হারখণ্ডা ৮০:৪৬ ও অলুখণ্ডা ৮৯:৪২, এই উভরের অন্তর করিলে ৮:৫৬ হর, ইহার দাহ ভোগ্য। এই ভোগাৰারা শতন্ত-শেষাক ৬৭।৫।৩৬ কে পূরণ করিলে ৫৯৯।২২।১।৩৬ ইর। ইহাকে এক শত স্বারা ভাগ করিলে সন্ধাক ৬ হয়। ইহা বঞা ৮০।৪৬ এর সহিক যোগ করিলে অ৪৩ হর । ইহার নাম হার।

স্ফ**ুটন্**ত আনরন । <del>অরমাণের্জ রবিস্টু চা</del>ংগাসচা৪- এর অংশান্তি ২৬গাসচা৪- কে ৬ **ছারা** ভাগ করিবে ল্কাভ ৪৪।৩০।৬ হয়। এই অভ পূর্বসাধিত মধ্যোদয় ৪১।৫৮।২১ এর সহিত অস্তর স্বিলে ২০০৪।৪৫ হয়। ইহার নাম ফ্টনত।

### হিরলম্বন আন্তর্ম।

স্টুটনত ২৩৪৪৪৫, ছই আছ সংখ্যার আ-ওতা ৫০, তাহার পর্ধতা ৭৪, উভর আহের আছর ২৪, এই ২৪ ভোগ্য বারা শেষাক ৩৪।৪৫ কে পূরণ করিলে ৮৩২। হর। ইহাকে বাইট মারা ভাগ করিলে ১৩৫২ হয়, ইহা থগুরে সহিত বোগ করিলে ৬৩৫২ ত্ইল, ইহার মাম জা।। এই জ্যাকে পূর্বাধিত হারাজ ৮৬।৪৬ বারা ভাগ করিলে ল্ছাভ •।৪৪।১• হর, ইহার নাম হিরপ্রন।

### ভাৎকালিক মধ্যোদয় আনয়ন।

পূর্ম্বদাৰিত লয়ন •া৫০৷৩৭ হইতে পূর্ম্বানীত ছিবলয়ন •া৪৪৷১০ হীন করিলে শেব লামাৰৰ থাকে; এছলে প্ৰাষ্ঠ্যত হেন্তু মধ্যোষয় ৪৯/১৮/২১ এর সহিত শেবার श्वास्त्र विकास क्षाप्त क्षाप्त करें । विकास क्षाप्त कर्य ।

#### নভ্যানয়ন।

ভাৎকালিক নয়োধর চহাবাচদ এর সহিত ১৫ বোদ করিয়া ৫৭।গাওচ ধুইল। ইছাকে

০০ হইতে হীন করিলে শেব ২০২১২ থাকে; ইহার প্রথমাত ২ একক করিল প্রভার ২ কোঠার প্রভা ৯ ও অন্থথা ২১, এই উভরের জকর করিলা শেব ১২ থাকে, ভাহাই ভোগাঃ ঐ ভোগানারা শেব ২২।১২ কে পুরণ করিলা গুণকলকে বাইটনারা ভাগ করত লব ১০:২৬ কে পথা ■ এর সহিত বোগ করিলা ১৯২৬ হইল; ইহার সহিত ১৫•০ পোনের শত বোগ করিলা যোগজাত ১৫১৯২৬ হইতে অক্লাক ৭৮৮।৩২ হান করিলে শেব ৭০•।৪৪ থাকে, ইহাকে ১০০ বারা ভাগ করিলে লবা ৭ হল। ইহার অন্থলারে নতিপ্রার ২০০।৩৪ থথা ও অন্থণ্ডা ২৩১৪৬ প্রহণ করিলা উভরের অন্তর করত ভোগা ৬১২ বারা শতক্ত-শেষাক ৩০।৫৪ কে খণ করিলে যেগ্যকল লব্ধ হইবে, তাহাকে একশক বারা ভাগ করিলা কর ০।৫৯।১৯ কে খণ্ডা ২০০।৩৪ এর সহিত বোগ করিলে ২০১।৩৯১৯ হর, ইহাই নতি।

প্রাপ্তনত হেতু এছলে পর্বাপ্তদণ্ড ১৯১৮ হইতে স্থিরশম্মন । ৪৪১০ হীন করিলে শেষ ১-০০০০০ থাকে, ইহাই ফু টদর্শদণ্ড।

### গ্ৰে খানয়ন।

চন্দ্রগতি ৮৩৭।২৪ কে স্থিরগদন ০।৪৪।১০ থারা গুণ করিয়া গুণফলকে বাইট্যারা জ্বাগ করত লব্ধ ১০।১৬।২৫ কলাদিকে তাৎকালিক রবিন্দুট হইতে হান করিলে শেব লগুলেলার ৩৫ রাজাদি থাকে। ইহাই এস্থলে যৌ অর্থাৎ ন্দুট্দর্শনগুলমবের চন্দ্রনুট্নাপ্তাদি।

### শর ও স্ফুটশরসাধন।

ক্টদর্শন্তসমরের চক্রক্ট ৮াখালে। ১১০০ হইতে তিন রাশি হীন করিলে শেষ লাখালে ১১৩৫ থাকে। ইহা হইতে ক্টগাত-রাহ্যাদি ৮০১১০০৫৬ হীন করিয়া শেষাক্ষ নালাঙলা১২ রাক্ষাদিকে ১২ বালশ হইতে বিরোগ করিলে শেষ ২০২৪১৫০৪৫ রাক্ষাদি থাকে; উহার রাশি ও অংশকে কলা করিয়া করার সহিত যোগ করত যোগাক ৫০৫৫ কে আট যারা গুণ করিলে গুণফল ৪০৪৪০ হয়; উহা হইতে ১৫৩৯০ বিয়োগ করিয়া শেষ ২৫০৫০ কে ১০০ হারা ভাগ করিলে কন্ধ ২৪৩০২৪৪০ হয়; ইহাই শয়। ঐ শরাক্ষ হইতে নৃতি ২০১০০১১৯ হীন করিলে শেষ ১১৫৯০২১ থাকে, ইহাকে ক্টশ্র করে।

#### **उट्टयानानग्रन**।

চল্লের তামকালিক গতি ৮০৭।২৪ কে ১৭ দিয়া পূরণ করিয়া ঋণকণ ১৪২৩৪।৪৮ কে ৪২০ বালা ভাগ করিলে লক্ষ তথ্যতাহত হব, ইহাই চন্দ্রমান।

#### त्रविभाग नायम् ।

রবির তাৎকাদিক গতি ৬১/২০ কে ৫৭ বারা গুণ করিয়া **গুণকন ৬৪৯৮:৫১** কে ১০৪ বারা তাগ করিলে কর ভাগকল উপতচাও৪ হন্ন, ইহাই রবিনান।

#### গ্রাসানয়ন ।

চক্রমান তথ্যসংগ এর সহিত রবিমান তথ্যসংগও বোগ করিলে বোগান ৬৭।১৭।৫৭ হর; ইহাকে চুই ভাগ করিয়া ভাগফুল ওথ্যসংগোত হবল। ইহা হইতে কুট শ্র ১৯৫৯২১ হীন করিয়া শেষ ২১।৩৯।৩৭।৩০ হইল; ইহার নাম গ্রাস।

### ক্তিজ্ঞানয়ন ৷

প্রাদ ২১০১৯০০।৩০ এর প্রথমান ২১, এই সংখ্যার ছিতার্জ-খণ্ডা হা৯৮, অফুখণ্ডা হা২০ এবং ভোগা হ; শেষ ৩৯০০ কে ২ ভোগা হারা গুল করিয়া ৩০ হারা ভাগ করিলে লব ১০১৯০ হর; উহাকে থণ্ডা ২০১৮ এর সহিত যোগ,করিয়া যোগান্ধ ৩০০।১৫ হইল। রবিনান ৩৩০৯ ও চন্দ্রমান ৩০০৯ কে ৬০ হারা পূরণ করিলে ২০১৯ হয়। ঐ ঘটিপুরিজ রবিমান ২০১৯ হইতে ১৮৬৯ বাদ দিয়া শেবান্ধ ১৫০ কে প্রানসংখ্যার রবির শুদ্ধিপদ ও নারা পূরণ করেও ওপলককে ১৫১ হারা ভাগ করিলে লব্ধ ৩৫৮ পল হয়; পরে ২০৮৯ হইতে বৃটিপুরিত চন্দ্রমান ২০১৯ হীন করিয়া শেবান্ধ ৭০ কে চন্দ্রের শুদ্ধিপল ১৯ নারা গুল করেও গুলফল ১৯০০ কে ৩০৮ হারা ভাগ করিলে লব্ধ ৩৫৬ পল হয়, ইহাকে পূর্বোক্ত রবির লব্ধ পলে যোগ করিয়া ৭৫৪ পল হইল। ইহা যোগান্ধ ৩০০৭।১৫ এর সহিতে বোগ করিয়া ৩৪৫ হইল; ইহার নাম মধ্যছিতার্জ।

### ম্পৰ্কাল ও মোক্ষকাল।

ক্ট্রন্দিও ১০।৩০০৫০ হইতে হিতার্জ-দও অচলচ হীন করিয়া শেব ডাইচা৪২ বাকে, ইহা স্পর্কাল, আর ক্ট্রন্দিও ১০।৩০০৫০ এর সহিত হিতার্জন্ত অচলচ যোগ করিয়া ১৯।১৮।৫৮ হয়, ইহা মোককাল। মোককাল হইতে স্পর্কাল হীন করিলে শেব ৩০।১৬ থাকে, ইহাই ছিভিদ্রালি কানিবে।

শহরে গ্রহক ইগণনার লক্ষ ১৮১০ শক হইজে ১৮৪০ লক প্রাক্ত প্রক্রে বিযুক্ত দিনের অবণিত, দিনবুক, সংক্ষাচ, শীলোচ্চ ও মধ্য গণিত করিবা নিষে নিষ্কি হইল।

গ্ৰাহা	অস্থানিত	<b>খিনবৃন্দ</b>			
3F3+	₹৯٩₩	2-PBP-0 \$	-O- (	<b>6</b> % 1	24
2423	₹≫	१ :बंधनंबर	. <b>#6</b> ) ·	<b>३</b> ९ ।	41
>646	₹৯৯	1 845406	, <b>5</b> 12	4 69	२क
5650	V	5+8418 f.	59 (	95 1	
22.28	٠٠٠	1 8864.¢	99 1	2 1	45
363¢	Φ• <b>૨</b> —	\$\$000 b	8F 1	48 1	9
3676	<b>⊘</b> + :0,	35099¢ 1	8 1	. 6 1	-09
<b>১৮</b> ১৭	<b>3</b> 08—	555+80 I	79	99.1	•
2424	-D+ €	3558+4-1	. 96 1	br 1	- 01
2479	<b>⊘</b> a4	5 <b>5599</b> 0 1	do 1	10	· ·
26-5 o	<b>৩</b> ০৭—	1 800566	9-1	)	8+
<b>3</b> 545	001	55Re+5 1	37	83 1	35
<b>3</b> 622	·D+ 3	১১২৮৬৬ 1	99 (	<b>58</b> 1	8-6
2P5Q	<i>⊗</i> >∘—	३३७१७३ ।	<b>¢</b> ₹ [	84 1	78
3638	درق	>>> <a>1</a>	Br i	۱ ۹۷	8 €
2648	ور مرور مرور	১১৩৯৬২ ৷	40 l	970 1	23
,-	954—	>> #84 1	491	3 n	86
১৮২৬	·				-
5659	<b>958</b>	228@\$\$ i	48 i	<b>@</b> ₹ 1	₹.
2454	9>4	226 • GP. (	3+ 1	₹७ ।	42
2659	970-	226850 1	्२६ ।	££ 1	44
21-0-	959	334966	45 j	50 1	€8
7507	378:	2262601	4.0	et I	ર∉
20-05	<b>∞</b> >∞	120625	25 €	49 (	47
>100	<i>⇔</i> ₹ •—-	। ८४५५८६	April 1	> 1	₹₩
21-08	@<>	339888 T	90 1	105	49
21-06	७२२.—	221#28 I	69 1	6 (	27
১৮ <b>৩</b> ৮	@\$ @	2249Fo 1	28 1	26 1	
१ <u>०</u> ००	<b>⊘</b> 5 8 −−	22F-086 1	<b>9.</b> 1.	9 11	-98
24.0A	ચર∉	22242+1	86 1	-G2 I	
26.02	@ <b>\$</b> \	229-44-1	5 \$ F	5+ 1	494
2≽8°	<b>৩</b> ২৭—	>>>837	26 L	94.1	₩

# 250

### क्लिफ-(क्राफिष

य, बू, स, मधा	धवर मर, इ, '		इंक्टिंग मरमार्क्क।						
363 331		ं कार व	e   - :	100 15	591 291 25				
5633- 33 I	SA 1 85	1 4+1 42	- :	1 211	911 R11 06				
5625- 221	२३। ००	1 >+ 1 0:	:	1 591	68 1 65 1 64				
2870- 22 I	421 59	1 43 1 34	, — a	1 54 1	591 291 6.				
>>>8 >> !	२३। २	1 481 58		1 16 15	391 291 69				
>>>a->>1	रेका 81	341 3		114 13	591 4F! 8				
3436- 33 I		1 61 5	:	1 54 1	391 201 35				
3627- 371				2   59	591 261 56				
3031- 331			1	116 13	39   25   26				
				21 591	३१ राम वर				
2525 331				2   59	५१। २५। ०३				
2A5+ 22 (			}						
3853 23				2   593					
>>>5	। ३४। ६४			1 1 2 1	ऽता द⊱। <b>६</b> १				
7P54 77	। रम्। १७	1 11 9	_	1 1 5 9 1	241 521 62				
22×58 22	१ २३ । २७	1 491 8	- 1	१। ५१।	>१। २३। ७				
2456- 221	२३ । ३३	। ७३। ७	8 [ — :	1 591	741 521 70				
3856- 221	SP1 60	1 52 1 33	:	186 13	>१। २०। २०				
25×4 22 (	451 82	। ७। २	•   . — :	186 15	१९ १६६ । १९				
2858- 22 I	<b>२</b> % । २8	1 401 4	e   - :	1 59 1	३९। २५। ०४				
354p- 351	1 421 2	1 96 1 31	·	1 1 59 1	CB 1 65 1 PC				
38-00 35 I	1 4F1 ¢8	1 59 1 5		21 391	241 521 85				
>F=>- >>	निहा विक	1 421	• (	51 241	54 1 42 1 66				
35-02 33	1 42 1 44	851 1		194	591 de 1 2				
36-00- 331	145 1	1 05 1	• .1	२। ५१।	391 301 3				
28-08- >> I	२५। ६२	1 25 1 0	- {	1 25 1	241 001 70				
3500- 33	१ रामा ७६	48 1 61		81 391	>91 @+1 20				
\$504- \$>1	431 4.	1 881 6	`	11 24 1	241 001 20				
\$ to 104¢	1 49 1 4	1 461 8		21 591	>91 001 09				
21-01- >>	1 2 1 4 4 a	1 1 0	. 1	51 231	59   00   98				
\$1-0x 35 1	१३। क	i this	, - ;	1 1 2 4 1	591 001 45				
\$640- 35 1	421 55	1 1-1 31	g \ ;	1 1 2 1	>91. 0. 1 EF				

<b>हाराष्ट्रम मना</b> १							ठळेट <b>क</b> टळात्रः संश्रा					
2220-	+1	51.1	<b>6</b>	261	2		_	55 F	2 <b>6</b>	8.9	24)	54
-4445	8.1	145	21	98	86			₹1	₹#	₹6 1	82,1	81
2625-	51	166	- 51	<b>56</b> I	22		_	91	9 1	301	२७ ।	52.
3430-	21	२৮।	२७।	22 1	63			<b>a</b> 1	<b>6</b> }	441	set	4 .
3538	<b>6</b>	91	84 1	185	6>	ŀ	_	+ 1		49	41	24
26.25-	3+1	591	11	961	·.	1	_	91	9	25.1	44	>
343 <del>4</del>	91	اھ	9. 1	51-1		1	_	<b>&amp;</b> 1	501	b-1	তাচ	25
3639-	11	ומל	31	₹81		-	-	91	301	62.1	रे ।	
	22.1	२৮।	₹81	431	৩২	1		* 1	<b>5</b> ₹ 1	98 1	31:	8.
3434-	0 1	11	8% 1	9b 1	35			91	22	29	11	38
7975						1	_	41	201	91		
2P-5 • —	<b>&gt;</b> 1	+ 1	35 1	351	65	1					4-1	8*
7257-	> 1	> I	85	२७।	<b>⊕8</b>			29 I	2>1	9.0	8 = 1	34
?ક્રેરે <del>~</del>	4 1	791	91	991	29	l	_	• 1	₹#	२३।	२क्ष ।	E-
7250-	≥ I	रेज ।	₹4	80	•			91	79 1	251	ንቅ !	२७
\$1-5 B	<b>₹</b> ]	4-1	<b>♦</b> ▷	45.1	つり	1		9 1	+ 1	491	₹ 1	¢.
3532-	1.1	• 1	₹• 1	२৮ ।	12			2 1	₹2	82.1	153	<b>₹</b> ►
13-54-	55 [	≥ 1	85 1	96	2		-	• 1	२७ ।	581	83 I	>
>> ₹1 <u></u>	91	551	16.0	821	8 %		_	ଡ ।	291	1 1	321	-06
1828	٧ı	221	911	201	20		_	9	b I	481	541	2
7644	- 1	2 . 1	<b>45</b> 1	٥. إ	9	-	_	2= 1	9.1	94.1	8 1	8=
74-0+	¢ I	- 1	25.1	95	89		_	5.1	<b>%</b>	\$5.1	481	>>
78-07-	51	> 1	F & 3	801	93	١.	_	8 1	€ 1	3.1	108	8 9
72-05-	3.3	2.1	561	₹4	4	١.	_	9 1	26 F	82 1	185	>4
34-50-	41	166	041	02 1	48		-	5-1	261	७३।	<b>≯</b> ₽ 1	
74-98-	5+ 1	521	+ 1	OF 1	45			5.1	>91	56	<b>&amp;</b> I	20
JP-96-	• 1	• 1	155	Ba i	34			8 i	25.1	67.1	691	>
79-04-	2.1	<b>₹₹</b> [	48 1	361	45	•	_	5.1	₹8 [	88 1	<b>්</b> බ I	₹₩
3p-04	* 1	₹ 1	29.1	901	48		_	201	301	311	1 65	- 5
79-0F		33.1	400	8+ 1	26		_	<b>&gt;</b> (	₹₹ 1	3+8	146	405
21-07	≥ }	81	>₹ 1	165	44		-		91	69.1.	₹ 1	• 1
364	3.1	201	<b>98</b>	RP (	36			<b>&gt;</b>	2.3	<b>\$5</b> ]	45 (	

### কলিভ-জ্যোতিব।

वंतरणव मंगा।							म्ब	লৈর য	শৈ হ	1 .		
3630-	61	9.1	₹#1	66 (	55	-	<b>4</b> 1	8.1.	181	85	22	
3955	• 1	३৮।	8-	85 1	ತಾ		# 1	8 1	₹ 1	85.1	28	
2452	41	<b>6</b> ]-	2p. 1	29.1	\$8	_	4.1	8 1	21	85 1	51	
>>>a-	5.1	551	89 1	। वद	>		4 1	81	31	3>1	22	
3F38	9 1	<b>१७</b> ।	P 1	R+1	ф.		æ 1	8	٦.	851	36	
3634	١ ٠	9 1	56 1	25 (	e q		6.1	8.1	<b>૨</b> 1	85 1	49	
					¢ B	_	4 1	81	₹ 1	8>1	99	
2674-	F	2001	91	8a i								
242 Jam	21	२१ ।	185	431	55	_	<b>4</b> 1	8 1	٦ ١	82	56	
<b>7</b> 424—	91	1	041	65 1	6.2	_	4	B	3.1	82 1	8.	
2522-	ÐΙ	>21	45 1	48 (	9		4	8 1	₹ !	85.1	88	
245	50 1	> 1	92 1	२२ ।	28	_	¢ į	9	₹ 1	851	91	
3553-	8 )	58.1		२७।	8>		6.1	8 1	21	85 1	45	
<b>3482</b>	>= 1	48	35.1	₹4 1	5	-	4	8	₹	1 48	æ	
<b>3</b> }***	4:	- 4 1	29 1	361	Ф	_	4 )	8 }	31	85 1	Q+	
29-58	35.1	391	59 1	481	95	-	41	8	২ ।	93 1	2	
>>+c-	Œ	२৮।	90 1	ec I	45	_	4 1	8 1	2 :	83	9	
>45#-	- 1	<b>\$</b> 1	86 1	491	₹₩	-	¢ i	8 1	2 1	83 1	ä	
5 <b>649</b>	10	25 1	٦ ١	441	64		4.1	8 [	31	821	20	
2P5P-	5.1	۹ ۱	a • 1	<b>29</b> 1	•	-	<b>¢</b> i	8	<b>ર</b> 1	82 1	39	
>><₽	1 8	781	10	२৮ ।	₹0	_	41	8 ‡	₹ !	83	20	
3 pro	5	241	₹₹ 1:	29 1	89	_		8 1	₹1	65.1	58	
25-92-	b 1	91	Ob 1	27 1	36	_	C 1	8	31	85	24	
>200	1 5	>1 46	201	€9 I	33		a t	9 1	3.1	82	45	
7400-	<b>b</b> * }	1 65	83.1	0 I	8 0		41	8 1	21	821	98	
>P-86-4¢	19 1	201	Øb' 1	રા	9		4	0 t	₹ t	83.1	•	
>P-0€-	21.	55 1	5B 1	<b>9</b>	94	<u>-</u>	41	9 1	21	83.1	85	
79-94-	8	8	24	221	92	-	21	8 1	. ₹ 1	158	84	
>Pe3-	5 - 1	26 1	24.1	901	۵		41	81	₹1	83 1	용하	
<b>プ</b> Pのみー	8 (	२७ ।	001	48	29	-	4.1	8.1	R 1	83.1	€.0	
39-09	221	b 1	52 Hz	₹ 1	25		41	8 1	R. 1	83	<u>#</u> 9	
29.8 +	<b>¢</b> I	1%!	99   5	91	4.		<b>e</b> 1	\$ 1	₹1:	801	***	

	ৰূ	ধেৰ কি	वस्था ।				বু	ধের শ	শাক।		
3550-	2	351	65.4	1 (1)	שכ	-	P.I	81	₹৮1	25 1	89
3633-	33.1	186	00 1	99 1	> 2		FI	8 1	26 1	251	¢8 .
3773-	51	5+1	201	221	২৮		ы	8	1 45	481	3
	91	8 1	21	851	2.5	_	b (	8 1	25-1	155	,
2430-							br li	8 1	२৮।	1.55	>8
1478	8 1	531	08 1	211	39						
29.54 —	9 I	551	२७ ।	201	>>	_	p. 1	8 )		. वर् ।	52
7634-	1	1 64	701	27	54	_	61	8	26 1	२२ ।	२१
37-74-	201	. 52 1	5¢	59	55	-	<b>b</b> 1	8	२५ ।	55 1	48
) b ) b —	• (	9	99 (	o i	>9	-	<b>FI</b>	8	₹∀।	<b>२२</b> †	8 •
5659	15	+ 1	56-1	1 48	>>	_	<b>₩</b> 1	8 1	<b>₹</b> ৮1	221	91
363	31	₹৮ ।	<b>4</b> [	9.1	২ড		<b>V</b> 1	8 1	₹b	22 1	49
365)	4 1	25.1	39 1	401	₹\$	_	<b>b</b> 1	8	₹৮	105	3
3486	1	56	221	<b>७</b> २ ।	>4	_	b 1	8 1	371	109	9
31-20-	<b>a</b> (	2 +	55.1	26	55	_	61	8	<b>₹</b> ৮)	201	50
37-28	35.1	<b>to</b> :	ab i	801	54			,			
				,			b	18	२৮।	२७।	₹.
>6 5 C	2 1	• 1	80	२२।	۲5	_	ы	8	₹₩ 1	২৩।	49
7650-	₹ 1	₹8 :	२२ ।	\$& I	28	-	b 1	8 1	₹5-1	501	93
21-5 a	8	261	8 1	> 1	2.	) production	b	8	रेक्ट ।	२०।	8 •
78-51	<b>69</b> 1	>4 1	4>1	186	₹.	-	br [	61	₹ <b>₩</b> 1	105	9 9
7659-	₽- j	2	001	a }	29	-	b 1	18	२৮ ।	501	60
37-00-FC	50 1	91	38 1	42.1	36	_	<b>5</b> 1	8 1	२৮।	₹8	•
>>->	>> 1	२७।	एक ।	99 1	a	_	₽ (	8 1	₹₩1	₹8 J	৬
34-05-	3 1	₹8	801	e a ;	₹@	-	P 1	8 1	२৮।	₹8 }	20
75-03-	OI	<b>36.1</b>	₹# 1	821	29	-	ы	8 1	5 i	58 1	6.0
24-08-	1 6	2	9 1	29	>8	-	F 1	8	रेप्त ।	₹8	50
7504	91	21	1 68	201	४७	_	b	8	₹₩ 4	381	ලව ලව
>>01-	3-1	291	36 1	291	46		b 1	8 1	२৮। २৮।	२ <b>छ</b> ।	8.0
)FOF	• •	25 1	• 1	91	25		b 1	81	२৮।	₹8 ł	t <sub>i</sub> o
3409-	1	>> 1	89	351	29		b-1	8 1	26 1	28	49
368	8 1	186	481	9 ]	33	_	b- i	<b>3</b> I	₹ <b>₩</b> (	₹€ 1	•
			२३			1					